

कान्द्रशृश्का

বক্তা শিকাঞ্জ খোৱা ছাত্ত দু

জ্ঞজিতক্দেবের পিত্কুলেন ও শক্তমকুলের ও পি কার্কুলেণ নোনোরকুলের ইড্যানি সমস্ত কুলসম্পতীর নোর ক্রিক্ট বিবেচনা পূর্মক এবং স্ক্রীলোককে স্টালোক পত্র লিধিবার ধায়।

> গোপালপুর নিহানী > বাবেশ্বর ধন্দোপাশ্যার প্রনীক

> > কলিকাতা।

लियस्यम में दिन्त

रेडक नाक राष्ट्राच्या यर ह कुखा कि के वर्ष । ज्यारिकी रवेगमा २ सर स्ट्री ।

(*AL 248 7.16 *)

স্থচিপত্র।

উৎকৃত ও সামান্য পাঠ	4
জীপ্তর চরণে পত্র লিখিবার ধারা	
শিব্যকে পত্র লিখিয়ার ধীয়।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
শ্রি গুরুপত্নীকে পত্র লিখিবার ধারা	. 13
শিষ্যকে পত্ৰ লিখিবার ধারা গুরুপরীত্র উক্তি	Š
্ ওল প্রকে পত্র লিখিবার ধার।	R
পিভার শিষাকে পত্র লিখিবার ধারা	A.
গুরুর শিভাষ্ ও মাতামহকে পত্র লিথিবার ধারা	ŧţ.
পৌজ দৌহিত্তের শিশ্যকে পত্ত লিগিবার বারা	৬
গুরুর খন্তরের পিতা ও গুরুষ মেদো ও পিবের বি	101
है ज्यानितक भग्न निर्मितात पाइ।	1,4
शृत्तदम कामाणात निया अ शूरलत कानारणां अ अूर	
मानिद्या है ज्ञानि मन्याकीय निपादक यञ्ज निधि	शंत्र
भारत	4
গুরু শিতাম্বী ও মাডাম্বী ইত্যাদি গুরুর ঠাকুরাণী টি	f ¥
নম্পার্কীয়কে পত্র বিধিবার ধারা	5
শেষ ও দৌহিত্ৰ ইত্যাদি লাভি সম্প্ৰী সৈয় শিক্ষা	14
্ লিখিবার ধারা	30
প্রকর পিতাকে নি বিধার ধার।	33
সংজ্ঞের শিষ্যকে লিখিবার ধারা	
क्रम माजून ७ क्रम भवत है आपि नण्य विद्या	7
1131	25
গুলুর মাডাকে লিখিবার ধারা	4
शुरबद निरादक निविदांत बांत्रा	10

গুড়র মাতুলানী ও শক্তি ও মানী ইত্যাদিকে লিখিব	ার
atati	38
ेलागिरमर्वे अ कागांश अ आंक्लाज है कानित निया	[本
লৈবিবার ধারা	3¢
ক্ষালা, ভ্রমীপতি ইত্যাদির শিষাকে লিবিবার ধারা	30
'अक्रत आक्रामिशटक लिथियात थात्र। ·	59
জ্ঞান্তদিগকের শিষ্যকে বিশিষ্টার ধারা	53
ক্তিকর ভাষেধ্ ভাষাশালী ইজ্যাদিকে পত্র লিখিধার	
भाइ।	4
দেবর ভাশ্তর ইত্যাদির বিবাকে লিখিবার ধারা	>4
্ৰান্ত ভাৰত প্ৰতিষ্ঠাৰ স্থানকৰুত সালীপুত্ৰ ইত	71-
দিকে পত্ৰ লিখিবার ধার	> 3
भूका करको माक्त हैक्सिकित नियारक नियित्व पाता	D.
ক্ষর পুত্রবন্ধ আতপ্রবন্ধ ভাগিনেয়বনু ইভাগি	्टक
कितिविद्धः भाषा	ٿ ,ج
শক্তর ও ভাশার ও সামাশকর উত্যাধির শিব্যকে লিখি	
বার ধারা	₹8.
কক্ষৰ গুলুপিছা গুৰুৰ গুৰুমাখা ইভাদিকে লিখিবাৰধাৰা	24
শিষ্যের শিষা ইত্যাদিকে লিখিবার ধারা	3
े दश्य अल्पूज अन्नर पूजर ्य खन्नर अल्प्न्या। हे सार्पिटक	
্ৰ বিশ্ববার বার।	4
शिक्षंत्रि मिरवात मिया जीलारकत मधरतत निरमात मि	W I
हेंचानि मिश्राटक निथियात थात्रा	20
् अङ्गारिकार्वे प्रति । भारत्य कित्र ना शां काशा	:
পাইবার ঠিকান।	A.
and the state of t	1. * . *

कांचरकारी सहस्रः।

Care days on the second state of the second st	
AN AN AND AND AND AND AND AND AND AND AN	
निकामक्टक माकामक्टक निश्चितात थाता ।	
পৌজ দৌহিত্রকে দিবিবার ধারা	
	· 370
	40
	W. W
পৌত্রী পৌহিত্রীকে লিখিবার গারা	45
ठेक्ट्रमामा मन्त्रकी प्रटक लिथिनात शामा	. 45
নংভিনী সম্প্রীর্জে লিগিবার ধারা	دى
পৌজী দৌহিজা পুজের পুজবধুকে দিখিনার ধারা	27
পিতা জাঠা খুভা মাতৃল মেনো পিলে শশুর এই করে	1.36
ব্যক্তিকে লিখিবার ধারা	À
পুত্র ভাতপাল ভাগিনের জামাতা শালীপুত্র শাল	(*
পুতা ইত্যাদিদিগকে লিখিবার ধারা	, ৩১
मा किमी मण्यकी घटक एज	
মাভা বিমাভা ভোঠাই খুজি পিনি মানি মাতুলারী	r
ইত্যাদিকে বিশিব্যর ধারা	5*
পুত্র নপদ্রীপুত্র দেবরপুত্র ভাষরপুত্র জাতপাত্র ভাগ	न्य
ুজ ভাগনেহ আমাডা ইভ্যাদিনকে লিখিবার ম	
लिका ब्यार्थ। श्रेका भाजून लिटन स्मरता चलत हेका वि	
্ দিগতে শিবিবার <u>শার।</u>	20
कना खारारमा खालिनी भावकना भागीकना श्र	
ा वश्रेकारिशृदक निश्चिवात थाता । अपूर्ण प्रकृति	(AC
मांडा विमाना (काठार पूजि मानी निती मानी नामक	
THE STATE OF THE S	L " 2

इक्गानिशटक निविदात थात्र। अस्ति । अस्

जाकःकना। भूकवृष्ट् केन्द्राक्रिक निविधात भाता	80 .
स्मार्क सामा गरशामत देवभावित (काठेजुरका शुक्जूरका	4 ,4
े हिंगाबिबाद निविद्यात धाता भागा विकास	
ক্ৰিছ আৰু সংহাদর বৈমাত্রিয় লোঠভূতে। খুড্ভুতে।	
	83
. क्याकी ज्यो नटशानता देवबादवन्न इंड्यानिनदक शब	
कनिष्ठं खाँका तरहान्। देवमाज हैकार्गिशक श्व	* 88
ক্ৰিড ভাগ্ন সংখ্যার বৈনাবেশ্বকে লিখিলার ধারা	. ঐ
८कार्यखाका मध्यामत देवमाख विकासि निर्वाहक	" of the same
ি লিখিবার শারা	84
(क्षेत्रकी जिल्ली गटशंकता देवमा क्रिका इंग्लामिनाटक	•
निविधात धार्व ।	4
ক্ষিষ্ঠা ভন্নী সংহাদর৷ বৈষ্যাঞ্জ ইত্যাদিগকৈ শত্ৰ	85
স্বানিকে লিখিবার ধার: ১০০	89
অপন স্ত্রীকে বিধিষ্ট ধারা	a R .
ने नम्भटकंड विशेष भाष्टे।	'; i
ভাশুর মাপ্রকীরিকে লিখিবার ধারা	ં ેશ્વ
ভারতথু দম্পকী হকে লিখিবার খারা	à
জ্যের ভাষণেত্রকৈ লিখিবার ধারং	d =
रवस्त्र मृत्य की शटक लियिवात थात्रा	à
জ্যেষ্ঠ শ্যালক স্ব্যীপভিকে লিখিবার ধারা	45
ক্ৰিৰ্ছ ভাষপত্নী ক্ৰিড শ্যালককে লিখিবার ধারা	3
জোষ্ঠ নমদ জোষাভাজকৈ পত্ৰ লিবিবার ধারা	1 8
क्रिकाननम क्रिका जामदक निविदात थाता	. 65
क्रोगिर्माटक हाटबंद विनिधियात धाता ।	· @
शंबदक प्रशिवादिशम, निश्वितंत्र बाह्य	. 89
कांक मन्त्र महासः	1,417

ř

.;

क्रिके बंखाइयः।
ত্তান্ত্ৰ শিক্ষাগুৰুকে চাতুৰ্বিধ জাতি ছাত্ত্ৰৰ শ্ৰ
চাতুর্কিধজাতি ছাত্রকে বান্দ্রণ শিক্ষাপ্তর লিখিবার ধারা ১৪
ক্ষরির বৈশ্য প্ত এই কিন জাতি শিক্ষাওয়কে ভাল্প
ছাত্রের লিখিবার ধারালুক বুক্ত বিভাগ বিভাগ
ক্ষত্রির শিকাগুরুকে ক্ষত্রিয় বৈশ্য পুদ্র এই ভিন আছি
ছাত্রের লিখিশার ধারী
মুসল মান শিকাঞ্জকে চাভুকিৰ জাতি ছাত্তের পঞ ৫৫
চাতুৰ্বিধ জাতি ছাত্ৰকে রুগলমান শিক্ষাপ্তরা প্রালিখন ১৫
লাক্ষণ শিকাগুৰুকে চাত্ৰিধ জাতি প্ৰীলোক ছাতের
লিবিবার ধারা :
চাতুর্কিব আতি ঐতেশক ছাত্রকে ব্রাত্তণ শিক্ষাঞ্চর
লিখিবার ধার।
ন্তলমান শিক'গুজুকে চাড়ার্কধ লাভি স্তীব্যাক ছাত্রে-
व विश्वाह भाषा । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
গ্ৰুমিণ লাভি সীলোক ছাত্ৰকে মুসলমান শিক্ষাগুরুর
निधियोत भारत । १००० । १००० । १००० । १००० । १०००
ভাৰাণ রাজাকে ভাৰাণ রাজার বিধিয়ার ধারা 🕡 📑
ু বান্ধণ জন্মতে বান্ধণ প্রভার লিখিবার ধার৷ ২৮
लाका ताकारक कविद देवना चुल वह दिन काहि समात
विश्वदात नाडा
कवित्र रेग्ना चूल वहे किन-क्षणांदर ब्राह्मन वास्त्र
निविद्याक शहर १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १
बाक्त रामाटक रूनलभान शकात किश्वाद थादा
भागवात धवादक जाका अवाद निश्चितकार्यक्ष
है, के बिश्व रेवना ग्रेस वहें जिन को जिल्लाहरू बाक्त
वामात विभिन्नात राजा कर्या । असे विभिन्न विभिन विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न

the day.	Ac.
जाकन अमादेक कवित्र विभाजित वह किन माकि गांची	
	63
THE PROPERTY OF THE PROPERTY O	· (5)
क्षा है। है। है। है	(2)
कवित्र समीमांत्रक रेवना गृत वह एहे सांवि समात	3
Carried to the second	
रेवमा मूल वह छुड़ जाडि श्रकारक कवित्र क्रमीमारदर	9 3
तिथिवात वांत्री	41
रेतमा प्र वरे हरे बाबि जरीमात्रक कार्ड श्रेष्ट्रार	<u>\$</u>
লিখিবার পারা	
कविश्व अकारक देवला, मूख और एके कांकि समीशादतत	5
লিখিবাৰ দাবা	
भूमणयान समीमांतरक होज्ञिति व्यक्ति शक्ति	2.3
जिस्सित भारत	
हाक् किंव का कि अकारक धूमलयान क मी भारत र	. 3
লিখিবার ধারা	
क्ष्यास्वर्धक मर्श्वाबटक विधिकांत्र ब्राह्मात्व	88
G=F02+2 10131	***
महाबोब्राटक के दिया देवना युख वह किन अमा कित	
Marie Committee and the second of	CH
अध्याप्त अध्याप्त विकित्त विचित्र राष्ट्र	- 60
A STATE OF THE PROPERTY OF THE	Key .
लाका महाकारक कवित्र देवना गृक्ष वह किन कार्क	
to the common and the	
वास्त्रक विविद्यात थोता कवित्र रेत्रमा स्थापक के जिल काकि वाक्करक आक	k , *
Total Carried States	5 · 1000
चरावरं नव विवर्गत भारत	. 3
ক্ষাজনে বিশ্বনাধান পাত্ৰের লিপিবার ধার বিল্যু ক্ষাজনে মুক্তিবার পাত্ৰের লিপিবার ধার	· , , , , ,

यूगलमान योष्ठकटक खोक्षन मशास्त्र निर्वितों संभोता	\$0
क्राबिष्ठ देवणा मृत्र कहे जिन कां क भश्यमत्क खाक्तवे	1.
খাতকের লিখিবার ধারা	
ভান্দা থাতককে কাত্ৰয় বৈশ্য পুত্ৰ এই কিন কাতি	- 51
महाक्रदमेत्र लिशिनात धाउा	. Ā
ক্ষাত্র মহাজনকে ক্ষাত্রি খাতকের লিখিবার ধার	Ŋ
ক্রিষ্থাভকতে ক্রিয় মহান্তনের লিখিবার হাং।	¥.W
काला बहाबनक रेसमा एक और कृष्ट भाग मंग्रहन	
বিংকিবার ধারা	E.
देशमा भूख उने छून का कि शालकदक व्यक्तित सहास	
নের বিশ্ববর প্রার্থ	142
ইক্ষ্য শাস্ত্র এই কুর্র আর্তি মধ্যুক্তনতক ক্রিব সাঞ্চল্	
ও (লিপালিলে ধাত)	* 30
ক্তির খাতককে বৈশা শুদ্ এই ছুই লাভি গলাললে	
व किएमभूति गाँखा	ş.,
धमलयाच यहा कटनर एगोईका एक शाविदक्त गेरा संदर्ध	
4761	en. *
তারিজাতি গাওককৈ মুনলম ন মহাজনের লিখিলার প্র	d
ব্রাহ্মণ সামিককে ব্রাল্য চাম্বের বিভিন্ন ধারা	نوټ .
ব্রাহ্মণ লক্ষরতে ব্যাহ্মণ মহিত্যের লিখিবার বাবা	53
डाचान मनिवटक कार्य देवना श्रेष्ठ वह रहत साहि ।	
চাক্রের কিথিবার ধার।	A.
कवित्र देवना गृष् এই किन बाबि हा उद्रक खांबान	,
মলিচবর বিচিত্রার ধারা	43
हातियांकि भानगटक समलयाम हाक्टबंब निवित्तांत ल	4 4
মুসলমান চাকরের হাতৃন্ধির আতি মনিবের লিথিবারণ	ज ने
क जम मनिवदक कवित्र ठाकत्त्रत्व निधिवात भाषा	

.

নিৰ্ভাগ	
ক্ষত্রির চাক্তরকে ক্ষত্রির মনিবের লিখিবার পত্র	4
क्वित्र मनिवदकू देवभा च्रु अहे छहे काकि ठाकरतत 🌭	
লিখিবার পত্র	(4)
देवना भूख এই छूटे जाकि চाक्दबब कलिब मनिद्वत	
লিখিবার পত্র	e, s
रेवचा श्रुष्ठ वह छह लाकि मनिवटक कवित्र . हाक्टबर	
লিখিবার পত্র	. 40
कांक्र काक्वरक देवना चुन এই छूड़े आंकि मनित्वत	
লিখিবার পত্র	90
देवना ज्नु ७३ इन लाकि मानवरक देवना ७ च्छ ७३	
ভূই জাতি ঢাকবের লিখিবার পত্র	ब
देवना अ सम् बहे बहे बाकि हाकादक देवना नुम् दहे	
छूरे काडि भनित्वर लिथितात भठ	40
ক্ষতিষ্ঠ ৰৈশা প্ৰ এই ভিন জাভি বনিবকে ভাক্ৰ	
চাকরের লিখিবার পত্ত	4
खाका हाकत्रक कविय रेग्ना एक वह जिन कार्नि	
ধনিবের লিখিবার পত্র	2
মুদলমান সামৰকে ভারিজাতি চাকারর লিখিবার ধারা	(S)
हा विकाकि हा क्रवरक युगलयान मनित्व विविदात थां।	49
মৈজ প্রকরণারভঃ	
পিতামহাদির ও পিডাও ভোঠা ইত্যাদির চাতুর্বিব আ	F
देमजदक अवर का भनात देमजदक लिकियात थात।	99
देववाहितकत लिखायह ও याचायर लिखायही माखायही	
. इंड्यानि मन्त्रको त्राक विश्विवाउ थाता	96
८भी ट्वाब देव विद्याल गरेव वाश्विमान के महक विवास थाता	92
ৰৈবাহিকের পিডাও মাডাকে লিবিধার ধারা	50
गुरकत देवराहिक गण्यकी क चार्य दक निश्चितात थाता	چ

The second of th	8
বৈবাহিকের পত্নীকে বৈবাহিকের লিখিবার আরু	77 743
देवदाहिक मण्यकी स स्रावंदरक लिथितात भाषा की के	
देववाहिटकंद भूख ଓ खाकला ख कना। हेजाबिटकं वि	
	1.18
वर्गडाक्त अध्यमानी देखामितक डाकाटनत निवित्त ।	शाता व
বান্দানে বৰ্ণবান্দা অগ্ৰদানি ইত্যাদিকে লিখিনার	
नर्गें वाचा वाचार्ता है जा निष्क क विश रेग्ना मूछ	
ভিন জাতির লিখিবার খার।	4
ক্ষতির বৈশ্য শৃদ্ এই ভিন জাঞ্চিকে বর্ণপ্রাক্ষণ আ	धनानी
ইত্যাদিৰ লিখিবার ধারা	ğ.
वर्गबाक्तम व्यवनानि वेकापित खीरक कवित्र देवना	할 #:
এই ভিন আভিব লিখিবার ধারা	5- 5
ভূতীর বড়ের প্রথমাবদি যত যত পুরুষকে গ্রুকে	et:
जिराद्ध काशदमत स्वीदक निथिनात धाता	.≱
পুবেংছিডকে ভ্রাঞ্চ ঘৰুমানের লিখিবার ধারা	\$ 3
ব্রাহ্মণ যঞ্জমানকে পুরেকিংভর লিখিবার ধারা	€
পুনোহিছকে কলিয় ও বৈশাও পূল্ এই ভিন জ	fs
যক্তমানেত লিখিবাৰ ধারা	· Pa
চারিস্কাতি পুরুষের ওক্তীলোকের পরস্পার লিখিবা	तथा वाजी
ছিতীয় প্রকরণ।	
পুরাণ ভারণের নিময়ণ পর	6.0
পুরাণ সমাপন কালীনের নিমন্ত্রণ পত্র	· • • 8
ছুর্গা পূজার নিমন্ত্রণ পত্র	. A
পুত্ৰজাত ও কন্যাজাত সংবাদ পত্ৰ	(1) 物 (沙教
অন্নপ্রাশনের নিমন্ত্রণ পত্ত	₩ Û
চুডাকরণের নিমন্ত্রণ পত্র	4
छेलनबरसर सिम्ना लाह	1. 1. 1. 1 mg

	ξ '
ফুলবান ব্যক্তির শুভ সম্বন্ধ মির্ণর পর	
कम्। जन्य विजन्म गर्फा शक	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
পরিবর্তি সম্বটকার নমস্ক পত্র ও কারত ইত্যাদির সময	स्था क
বিবাহের নিমন্ত্রণ পত্ত	<u>ه</u>
কামাভাকে পুন:বিবাহ নিবিত কানরন পত	22
জ্ঞীজী প্রাধ্যি সংবাদ পাত্র	À
चांकाखारम्बर निगन्न शब -	**************************************
সন্পিত্তকরণ আছের নিমন্ত্রণ পত্র	3
একোছিয় আছের নিমন্ত্রণ পত্র	À
सुनल भारतात व्यक्तगाउँ छ।	
পীরমুরিদকে খাদেন্যের লিখিবার সেরেন্ডা	おう
चारमभरक शैरम्विरमतः विविवाद (मरतस्र)	. ८५
দাদোকে পোতার লিখিবার নেরেস্তা	78
পোন্ধাকে দাদোর লিখিবার সেরেস্কা	
দাদী নানীকে পোভা মাতির লিখিনার সেরেস্থা	7.R
পোতা নাভিকে দাদী নানীর লিখিবার দেরেল্ডা	. &
चिकाकी हाहाको अगायत्र मुलामि जावरद निवि	াবার
সেরেন্ডা	नेष '
লেজকা ভাতিকা গুগাররহ সুপাদি ভাবৎকে লিথিব	13
(मदत्रस्थ)	29
ৰভাশ্যাল। বভাৰক্লাইকে লিখিবার দেরেস্তা	· .
ছোটাবহাই ছোটাশ্যালাকে লিখিবার সেরেস্ক।	24
দোক্তকে লিখিবার দেরেস্তা	· 🗳
मामाको ७ हाहाको जाजिको अनावत् कार्यस्ट न	থিবার
किंद्र (मदद ्वा)	ه
বাণিজ্ঞা সম্পর্কীয়ের লেখাপড়া।	
क्षर्कात्र निकटके नामाटणत बकतात	466

विभिन्छ 📈		28 S	1100	,	s grit	প্ৰাক।
_	_	1,	, ,		,	31.74

দালাবের নিকট মহাজনের একরার	`\$ ¢ o
বায়নাপত্র ওসওমাপত্র	5 05
क्रमोमात्री कांत्रमात्र (नेशा পড़ा (एटत्रफ़ाः	7.3
क भौभारत्रत निक्ठे कालूकमारत्र क्वूलांक	>0>
रम्नामा -	308
छानू कमारि इस मर्थान	>69
ইজাদারের করুলভি	209
हेकाम्बाटवयं मसम्भ	\$ 63
ইজারদাহেরর দখলি	330
है स्वातमाद्वत मानजामिस	27.3
শঙ্গ পুণ্যবেহর চিটি	465
कांबुकमारतर भाषामान माथिया	232
খাশানা বাফীর কামণ তালুকদারের পর জলব চিটি	350
ভালুকদারের পর ই ভাগের	278
के स्थाराद्य विगम	224
कालुकमादवव काम्रामावस्य	
অবিলের আমীনের কর্লাভ	かなど
স্করিপের আমৌনের সমস্প	229
র্গন্ধিবীর ক্রুপ্তি	125
রসম্পিরীর সন্ক	272
জ্বারণের কারণ প্রজ্ঞা পাইকেন্ন পর খে'লাদা	279
হৈমভিক বোরধানা কুতের আমীনের কর্লভি	300
ধান্যকুত আমীনের সম্প এবং গোমস্তার করুসভি	252
গোমস্থার সমস্	755
গোমস্ভার মাগক্ষানি	250
পাইকের কবুলতি	258
পাইকের সন্দ	376

THE THE PARTY OF T	
পাইকের নালকামিনী এবং অকার থাজানার দাবিলা	150
क्षतिल क्यावली मुताक श्रकांत्र कर्सकि 🖟 💆 🕙 🖽 🤊	72.4
बरावको जूरीक श्रवाद शाहा	750
ংগামস্তাকে ভালুকদারের লিখিবার ধারা	300
শ্বাহ্ণানা বাকীর কারণ গোমস্তার পর ছলবচিটি	· 🕏
ুশহরের ভিতর শহরতার নিকটস্থ মাটীভাভার করুলভি	>>>
মাটিভাডার জমার পাট।	202
বাতীভাজার গিরিমেন্ট	३७३
্রাটীভাড়ার দথলৈ ও নিরিক বেশী সমার কর্লভি 👉	200
 निदिक (त्त्री क्रमां शांग्रे) 	200
ক্ষা নিশন্ত কারণ প্রকার পর ইস্তাহার	7.30
গোদভার পর ভঙ পুণ্যংর চিক্তি	Say
मारथेडोस सगैड कनत छाउ	Š
नाट श्रान अजार मर्जन करल छाछ निधिनांत्र गांदा	416
পরিমিটের পাশ ও পোলীদের সমন 💢 🤫 🔻	>8°
দানপ্ত্ৰ	185
খ্যিক কী ক্ৰালা	188
७ मः मू क	>8
কর্জা টাকার রসিদ ও কর্জা টাকার কিন্তীবন্দী	38¢
ক্লারখন্ত বিশ্বিষ্ঠ ধারা	288
रेक्ष्यालम कागरणत मृरलात कहिन	389
the state of the s	
৽ ৼৼৢ৾৾৾৽ৢ৾৽ড় ঢ়ঀড়৾৽য়য়৾৻ৼ৽৾	

खानरको मूली।

শ্রীপ্তর চরণে শিষ্যের পত্র লিখিবার ধার।। উৎক্লন্ত পাঠ।

১ প্র

किराविश्य सिनिस्कृतिक किन्द्रिक्छ सनम्बर्धः सामिश्य सिन्द्रिक्छ स्वनम्बर्धः सामिश्य सिन्द्रिक्छ स्वनम्बर्धः सिक्षित्रं स्वन्य स्वार्थः सिन्द्रिक्षः व्यक्षः विष्ट्रातं कावर्थः सामि क्षित्रं क्षित्रं क्षित्रं कावर्थः सिन्द्रिक्षः स्वार्थः स्वार्थः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्षः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्यः सिन्द्रिक्यः सिन्द्र

শিরনানা।

পরস ধার্তনর বাদেও জীত্রীপরাৎপত ঠাকুর মহাধার। জীচরণামুক্ পরাবেদু। গুকু শিক্ষার প্রতি প্রভাগের পত্র লিখিবার ধারা। উৎক্রই পাঠ। ২ পত্র।

নিতা কুশলাকান্তি কণ জীশিবশন্তর দেবশর্মণ পরম শুভাশীযু ক্ত ভরবরা বিজ্ঞাপনফাদৌ ভবতঃ কারিক বাচিক মানদিক দকলাভীক দিল্লার্থ একামনা পরদেবভা দমীপে ভানবত প্রার্থনা করণে জন্মাকক পরমানক মিতি। পরে ভব প্রণতি পুর্বক বচল বাচনপত্রী প্রাপ্তি মাত্র প্রমোলন হথা কংপ্রাপ্ত ভলাম একণে ভার্দেশ গমন প্রয়োজন তথা বৈশাখলানের ক্রেগদশ দিনে শমন কালীন দ্র্যাগ্রহা তব মনে ভিলাম প্রিপ্ত জিপ দ্যাপনাত্র গমন ইইবেক।

শিরনাম।

নদানুগ্রহ প্রিয় পর্মেক্তির গ্রিয়ুক কালীকিন্তর মুখোগা ধ্যায় বাবাক্তী মনোভিলাৰ পুনেনু।

শ্রীষ্টন চরণে শিষ্টের পত্র লিখিবার ধারা।

বামান্য পাঠ। ৩ পত্র।

त्रवकान् (मदक ोकानीक्षमाम धार।

শত সাহস্রিক প্রণাম। নিবেদ্ধানৌ সহাশরের জ্রানরণ গ্রান সদা সর্বনা প্রার্থনা করিতেছি ভাষাতে দাসামুদা-দের ঐতিক পার্বতিকের সঙ্গল হয় নিশেষঃ।

পতর আমার মধ্যম পুক্তকে মন্ত প্রদানের কারণ ২৪ ফাগুণ গুরুবার এ বা টীতে পদার্পণ করিবেন সাক্ষাৎকার দক্ষ । নিবেদন করিব ইভি ভারিখ ২ মাঘা।

শিরনামা :

পরম পুজনীর শ্রীষ্টাকুর মহাশয় শ্রীচরণ কমলেব।

গুরু শিব্যের প্রতি পত্র লিখিবার ধারা।

শাশান্য পাঠ। ৪ পত্র।

সম্পূর্ণী শিক্ষালয় কেবলি

नमा ख्लाबुधात्री शिमिनमञ्जत (मनमंस्यः।

পরম মহোনতি বিজ্ঞাপন্থানো তোমার বাঞ্ছিরিজ ফল কামনা সদা সর্বানা করিছেছি ভাহাতে জ্ঞানন্দ হয় বিশেষ। পরে জোমার পত্রের দ্বারা স্মানার ক্রাভ হইয়া পরমাপ্যারিত হইলাম আর জামাকে আপন বাটীতে যাই বার বিষয় লিথিয়াছেন ভাহা জাবতা মাইব জাপনি আহরণ করিবেন ইতি ভারিথ ১৪ মাঘ। শিরনানা।

পরম কল্যানীর জীবৃত কালীপ্রধান ঘোষ বাবাজী

জন্ধ পত্নীকে শিবোর উক্তি। হুকুণড়ীকে শিবোর পরি লিখিবার পালা। উৎক্রমী নাঠ। ৫ পার।

শ্রীপাদ পদ্ধ জ্ব গ্রাস্থান শ্রীরাম্মোচনণ শর্মাণঃ।
প্রশামানস্তব নিবেদনগোদৌ এ আজোনুবার জনার নিজার
কারণ অপার সংসারাণণ পারাধার জরণী শ্রীচরণ থালি
ক্ষান কোচন জ্ঞানাঞ্জন প্রদান কারতেছেন জন্ধে মঞ্জন
বিশেষঃ।
সির্মামা।

শ্রীচরণ শর্ণীজ্যোতিং প্রকাশ মন: ভিদ্র নাশিনী শ্রীমতী ঈশ্রী গুরুপদ্ধী মাভা ঠাকুরণী শ্রীচরণ মনোচকোর মকরন্দ পানেযু।

শিষ্যকৈ গুৰুপত্নী প্ৰাকৃত্তিৰ লিখিবার বার:। উৎকৃষ্টি পাঠ। ৬ পত্ৰ।

তব মঞ্লাকাড়ি কণী শ্রীমতী আনন্দ্র্যী দেবী। পরম শুভাশীবাং রাশ্যাগেন্ত ছোমার মঞ্জানন্দ্রনঃ সঞ্চয়ার্থে আশু বরার্পণ করিতেছি ভদর্থে অত্তানন্দ হয়

र्वरमय। मित्रनामा।

সদা সুখাভিলাবঃসন্ত শ্রীযুত রামমোহন চট্টোপাব্যায় যশোভাগ্যোদয়ে দু। ঐ পরিজের সামান্য পাঠ। ৭ পত্ত। সেরককা সেবক শ্রীরাধাবলত দাসবসু।

প্রণামনিস্তর নিবেদনগোগে আপনার শ্রীচরণ ধ্যানাস্ত দাধানুদাধের পারতিকের নিস্তার পরং ভদর্থে এখানকার মঞ্চল হয় বিশেষঃ।

শিরনামা :

পরমপুজনীয় শ্রীমতী গুরুপত্নী মান্ডাঠাকুরাণী শ্রীপাদ প্রমপুজনীয় শ্রীমতী গুরুপত্নী মান্ডাঠাকুরাণী শ্রীপাদ

ঐ নাগান্য পাঠের প্রভাতের । ৮ পত্র । জবফ পালনীয়া শ্রীনতী আনক্ষময়ী দেবী। পরম শুলাশিকাদ বিজ্ঞাপন্ধাদো বাবাজীন মঙ্ক নাথে বরা প্রদান নিয়ত করিতেছি ভদর্থে অব্যানক্ষ বিশেষঃ।

শিরনামা

পরম কল্যাণীয় জীযুত বাধাবলভ বসু বাবাজী চিরজীবেয়।

গুরুপুত্রকে শিষাদের পত্র লিথিবার ধারা। উৎকৃষ্ট পাঠ। ২ পত্র।

শ্রীপদ পক্তর ধ্যায়ীন জীনীলমণি দেবশর্মণঃ।
প্রাণামন্তির নিবেদনঞ্চানৌ মহাশব্রের শ্রীচরণ পদ পঞ্জ
মনঃ ভূক মকরন্দ পানাসক্ত মত্তরপে ভ্রমণ করিতেছি ভদর্থে সানন্দ বিশেষঃ।

भिरम्भा।

অপার দংসার সিন্ধু ভরণীরূপ জীগ্রীঠাকুর পূজ ঠাকুর মহাশর জীচরণ কমলে মনোর্গিভেরু।

গুরুপুজ শিষ্যকে প্রভাগ্তর লিখিবার ধারা। উৎক্লই পাঠ। ১০ পত্র।

जनमञ्जाकां हि क्याः श्रीप्राधाकां छ त्वनमर्मायः।

প্রম শুভাশীবাং রাশরঃসম্ভ ভোমার সুখাভিলাবীদক্ষ প্রদানার্থে বরার্পণ করিতেছি ভদর্থে কুশলহিশেষঃ।

जिल्लामा :

র্দ্ধাৰুষংগন্ত প্রীধৃত নীলমনি মুখোপাখ্যার। যশোভাগ্যের।

के शांत्रदखत मामाना भारे।

रा शबा

ज्ञान्ज्ञ श्रीनमिन मान धाव। श्रामन छत निट्ननश्यामो महामारसत श्रीत्रन धान रख भागन्तरित नमा सानक तिरमवः।

শির নামা।

পরমপুজনীয় ছিন্সীঠাতুর পুত্র মহাশয় শ্রীচরণ গঞ্চজে মনোর্গিভেষু।

ঐ সামার পাঠের প্রত্যুক্তর। ১২ প্রা

প্রতিপাল। জীরাবাকান্ত দেবশর্মণঃ প্রমণ্ডগানিকার বিজ্ঞাপন্ধানৌ তোমার মজনার্থে স্কান্ধর জন্ম করি তেছি ভদর্থে সানকা বিশেষ ইতি।

শিরনামা ।

পরম কলগাণী

তীযুক্ত নীমমণি ঘোদ
ভাইলী চির্জীবেলু।

গুরুর পিভামহ ও গুরুর মাতামহ এই চুই পরাৎপর গুরু চরুবে পৌজের শিব্য ও দৌহিলের শিব্য এই ছুই ঘাজির পত্র লিখিবার ধারা। উৎকৃষ্ট পাঠ। ১০ পত্র।

শীপদপদ্ধ क মনোজ গরোজে বিরাজ বাঞ্জিত শীগোপী মোহন দেবশর্মণঃ প্রণামানত্তর নিবেদনঞ্চাদৌ মহাশদ্ধের শীচরণ ধ্যান করণৈঃ এদীন দানের মঙ্গুল বিশেষ ইভি।

শির্মামা ৷

ভাদিকমলাবস্থিত মনোরপ্তানীয় পরাৎপর পদার্থ শ্রীযুক্ত তর্কালস্কার ভট্টাচার্য্য সধ্যম ঠাকুর মহাশহ শ্রীপদ পঞ্চতেষ্ট্র

ঐপতের গুজান্তর। গুরুর পিজান্দ ও মাতানতের উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ১৪ পর।

ভবং সুথাভিলাবাজাংকিন ঐকিবশক্তব নেবশর্থণ পর্ম শুভাগীবাং রাশরংগত পরং গোষার অভুবৈশ্রী রুতাহালাঙ্গর নিরন্তর ক্ষীভারে বর প্রদান করিছেছি ভদর্থে কঞানন্দ থিশেব ইতি।

শির্মামা :

সর্ক্রনা কুশলংশন্ত জীলোপীমোহন চট্টোপাধ্যায় মনোভীত পিছেমু

গুরুর পিন্তামত ও মাতামহাক পত্র লিখিবার ধারা। নৌত্রের শিষ্য ও দৌহিজের শিষ্যের উক্তি। সামন্যে পাঠ ্য পত্র

ভূত্যান্ত্ত্য ভারাধাচরণ দান দেবতা প্রণামা শতকোটি নিবেদনফাদৌ মহাশবের জীচরণ প্রসাদাৎ এ দাসানুদা-দের অহিক পার্ত্তিকের নিস্তার প্রং তথ্যৈতে জন্মাকং মক্ষণং বিশেষ। শির্নামা।

প্রম পূজনীয় মংপ্রাথনীয় জীজীযুক শার্রত্ন ভট্টাচার্যা নধ্যম ঠাকুর মহশিয় জীচরণ শর্মিরুহরাজের।

প্রসামান্য পরের প্রান্থার। গুরুর পিভাষহ ওমাভামহের উক্তি। ১৬ পত্র। ভবং শুভানুকাংকিন শীরড়েশ্র দেবলর্মাণঃ পরম সুখা- ভিলাষরঃসম্ভ প্রং ভোমার অচলা কমলা সর্বদাসকলা গিরিবালা পাদোপাত্তে একাতে প্রার্থনা করিছেছি ভত্তৈতে ভিত্তাসক বিশেষ ইতি। শির্মামা।

সংগ শুভাদৃষ্ট বিশিষ্ট ইন্ট নিষ্ঠান্তঃকরণ মৎ প্রজিপালক জ্ঞীল জ্ঞীযুক্ত রাধাচরণ সরকার। ভিরন্ধীবেদ্য

জার শশুরের পিছা ও গুরুর পিদেব পিছা ও গুরুর মেদোর পিছা ইত্যাদি লোককে পুজের জাম। ভার শিঘ্য ও শ্যালকপুজের শিঘ্য এবং শালীপুজের শিব্য এই করেক ব্যক্তির পত্র লিখিবার ধারা। উৎক্ষত পাঠ। ১৭ পত্র।

ক্ষিতা বিষয়াভিলাষ পাশ বিনাশ নিমিন্ত ছীচরণা-জিত ভূত্যানুভূতা ছীরামগোপাল বেবশম্মণ: প্রাণামাসংখ্য নিবেদনশ্বাদৌ মহাশংহা ছীচরণোপাত্যে একাও ব্যামাত্যে অশাস্ত মন: শাস্ত করিতেজি তথ্যতে অন্তামনদ বিশেষ।

শিরনামা।

পরমজান খান কস্পানীর শ্রীর্কুক তর্কালস্কার ভটোচার্যা মধ্যম ঠাকুর মহাশ্য শ্রীচরণে মনোর্গিতেমু।

ঐ পত্রের প্রভাবর।
উপরের লিখিত পুত্রের কামাতা প্রভৃতির শিষা
দিগকে পত্র লিখিবার ধারা।
গুরুর শশুরের পিষা গুগুরুর পিশেব পিতা ও গুরুর
মেশের পিতা ইত্যাদির উক্তি।
উৎকৃষ্ট পাঠ। ১৮ পত্র।
ভবানকা কুশলাকাংকিণ জীরামনারায়ণ কেবশর্মণঃ

পরম সুখাভিলাবংগন্ত পরং ভোষার মনোভীষ্ট প্রকৃষ্টকপ নিদ্ধার্থে জাত্মভত্তৈ চিত্রার্পিত ছারা নিভ্যবরার্পণ করিতেছি এতদর্থে অত শুভশ্বিশেষ।

मिद्रमा ।

তশেষ গুণযুক্ত ইউ পদাভিষিক্ত ভক্তমন শ্রীণ শ্রীযুক্ত রামগোপাল মুখোপাগায় দীন প্রকাশ যশোভালগাণ ছেণু।

উপয়ের লিথিক গুরুর শ্বস্তরেব পিকা ইভ্যাগিকে

পত্র লিখিবার খার: ৪

পুত্রের জামাভাদির উক্তি। স্মানা পাঠ। ১০ পত্র।

নাসানুদাস ভারাস প্রিগোরীবিলাস দেবশার্মণ সাক্ষিত্র প্রথতি পুর্ফাস প্রধামানস্ক সবিনর নিবেদনপালে প্রতীযুক্ত আরাধ্য সাধ্য ভব শীপদ প্রবহন আগ্রন মাত্রে শুরী শুভ বিশেষ।

भित्नामा ।

গতি মতি বিহীন দীন দ্বিত ভঞ্জন ধন শীশীবুজা বিদ্যাভূষণ ভট্টাচার্যা ভূতীয় ঠাকুর নহাশম শ্রীচরণায়ুকেনু।

ঐ ভাষা পত্তের প্রভ্যুত্তর। উপরের লিখিত ঐ পুজের জামাতার শিষ্য ইত্যাদিকে

গুরুর শশুরের পিতা ইত্যাদি পরিচেয় উক্তি লিখিবার ধারা।

.गामाना भाठ। २० भव।

নিতান্তাশীর্বাদক তব অতুল বৈভব চিন্তাকারী শ্রীগোরী শক্ষর দেবশর্মনঃ পর্ম শৌরুবাহ্নিত নৌতাগ্য প্রবাশসংগত্ত

পরং ভৌমার পরম কল্যাণ পরাৎপর পূজাকে প্রক্যাবিধি প্রার্থনা পুর্বক অত্র পর্যাপ্যারিত বিলেষ।

শিরনামা।

সর্ব গুণাবলয়িত স্বধর্ম পরিপালিত সুপ্রভিতিত জীল জীবুক্ত গৌরীবিলাস গলেপ্রাথায় भवम ज्ञानकि विग्।

প্রক্রর পিতামহী ও গুরুর মাজামহী ও গুরুর শন্তারের মান্তা ও গুৰুৰ পিলেৰ মান্তা ও গুৰুৰ মেলোৱ মাতা ইত্যাদিকে পত্ৰ লিখিবার ধারা : পৌজের শিষা ৩ দৌহিজের শিষা ও পুজেব জামাভার শিষ্য ও পুজের শ্যালকপুজের শিষ্য ও পুজের শালী পুডের শিষা এই কয়েক ব্যক্তিব উক্তি। उद्यक्ति भारता २३ गुरा

ত্ত্তত কভাত প্রশান্ত জন্য শ্রীচরণোপান্ত পির্যাদী ক্রিকাশীনাথ দেবশবাণ: প্রম চর্ণলাভ ভালার্থ ভতুজান पूर्वक अवस्थि गाउँ काहि सिटनमनकाटमी खनग्र शक्तक ভিমির দলিত তব জীচরণারুণ ঘ্যান জ্ঞান সেবন মাতে অত लातमार्थ कव खारसी विद्यार ।

শিवनागा।

ছন্তার সংসার পারকারিনী জীতরণ ভরণী প্রদায়িণী পরমঞ্জ প্রদ্বিনী শ্রীপর্বং পরা গুরুপত্তী माना शिकुतानी मध्यमन अनिहिरी मधार्कतन्तु। ঐ পত্রের প্রক্রান্তর।

উপরেম্ব লিখিক ঐ সকল পৌজের শিষ্য প্রভৃত্তিকে পরাৎপর গুরুপড়ীদের পত্র লিখিবার ধারা। পরাৎপর গুরুপত্নীদের উক্তি। ২২ পত্র। মেরুদণ্ডোদ্রবা মুরারি বলভা স্বভাব ভাবা ভাবাক্রমে ভবাশ্রমে বিরাজমামা প্রার্থনা কারিণী শ্রীমতী ভারিণী দেবী পরস শুরুলাজভের বিজ্ঞাপনখালো ভব অতুল গৌরবোদ্ভব ভবছর ভাগ্যোদয়ে ভাক্ষরনায়ে প্রকাশ করিতেছেন দৃই মাত্রে মনোভীষ্টোদরোচল প্রফুলোজ্জল সফল্মিশেষ।

শিরনামা।

দর্ক শাস্তাবদক্ত অশেষ গুণাবলফ্ত ইইজক্ত শ্রীল শ্রিক মুকারাম তর্কচুভামণি ভট্টাচার্য্য সংমধ শ্রুতি মুকারাম তর্কচুভামণি ভট্টাচার্য্য সংমধ

উপরের িবিত গুরুর পিভামহী ওপ্তর্গর মাতামহী ও গুরুর শশুরের মাতা ইত্যাদি প্রাৎপর গুরু পড়ীদিগকে পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত পৌজের লিখ্য ও দৌর্জির শিখ্যওপুজের জালাভার শিখ্য ইত্যাদি ক্ষেক ধ্যক্তির উক্তি। নামান্য পাঠ। ২০ পত্র।

ভূতানুভূতার ভূতা প্রীলামারাম নার মিত্র প্রণামা শতকোটি নিবেদনজাগে প্রীমতী ঠাকুরাণী প্রীচরণোপান্ত একান্ত চিন্তা পূর্বকে এ ছারভের ইহ পরকাল পবিত্র হুর বিশেষ।

चित्रमामा।

শ্বনান্যগতি মংপ্রতি আশীর্কাদকতী শ্রীপ্রাৎপর প মধ্যম গুরুপত্নী মাতা ঠাকুরাণী শ্রীচরণার্বিদ্যেত্ব।

ঐ ভাষা পাঠের প্রভাগত্তর।
পৌলাদির শিষ্য প্রতি পত্র লিখিবার ধারা।
উপরের লিখিত গুরুর পিতামহী ই ত্যাদি উক্তি।

1 ২৪ পত্র।

व्यक्ताविध शहार भेत कक नान खत्र निद्रस्त आणीर्वान

প্রদায়িণী শ্রীমতী কাত্যায়ণী দেবী পর্ম কুশলংগক্ত বিজ্ঞা-প্রথ ভাবে তবৈব কুশলাভ্যান্তরে অত্র কুশলন্বিশেষ। শির্মামা।

> নদা সাধুসঙ্গ প্রিয় সদা সদাব্রিয় পর্ম কল্যাণীয় জীল শ্রীবৃক্ত বৈকুণ্ঠনাথ কণ্ঠাভরণঃ মনৈব শ্বরণ ব্যক্তিভেয়।

গুকার পিতাকে প্ত্রের শিষাদের পত লিখিনার ধারা। পুজের শিবোর উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ২৫ পাএ।

मिल्दामा :

পরম জানোপিজি কুপাবলামিক নিজ্যাতা পৃথিতি নাপ্রমঞ্জ টাকুর মহাশ্য জীচরণ মন চিন্তনেসু। প্রভাতের।

পুত্রের শিষ্যকে পাঠ হিছিমান ধারা। গুরুর পিতাব উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ২৬ গত্র।

ভবৈৰ ষশঃ পৌক্ৰৰ প্ৰকাশ প্ৰিয়াশাবাবজিও জীপন্ধ-লোচন দেবশন্মণঃ পাৰ্ম কুশলংগড় বিজ্ঞাপন্ধানে ভোমার মহোল্লভি পশুপতি প্ৰকৃতি প্ৰভাগেৰি কৰিভেছেন ভাৱা-ভে অন্ত ভভ নিশেষ।

भित्रमाना ।

পরমপদ ভাবক স্থাবক প্রাণাধিকায় প্রাণাধিক দেবক মৎ প্রভিপালক শ্রীলপ্রীযুক্ত প্রভাপ নারারণ মুখোপাধ্যার চিক্কীবেযু। ঐ উপরের লিখিত

গুরুর পিতাকে প্রুচত্তর শিষ্যের পত্র লিখিবার ধারা।

পুত্রের শিষ্যের উক্তি। নামান্য পাঠ। ২৭ পত্র।

সেবকানু দেবক শ্রীমৃকুন্দরাম দাসবস্থু প্রণামা শভসহস্ত নিবেদনঞ্চাগে মহাশয়ের শ্রীচরণ ধ্যান পুত্রক এ ভূচ্যানু-ভূত্যের ঐহিক পার ত্রিকের নিস্তার বিশেষ।

[बादनाना ।

পরম পৃষ্ঠনতা পুজনীয় প্রতিটাণরমগ্রু ঠাকুর মহাশয় প্রতিদ প্রত্তির

ঐ গামান্য পাঠের প্রভাতার। পুজের শিলেগর প্রক্তি গুরুর পিতার পত্র শিগেবার ধানা। গুরুর পিতার উদ্দি।

। २४ भद्र ।

অবশা পুথা শীর্জাদক শ্রীজার্চরণ দেবশর্ত্তাঃ প্রমায়ু যঃসন্ধ বিজ্ঞাপনঞ্চাদৌ ভোমার সৌজাগোদয় যশঃ প্রদা-নার্শে বাজ্য করিতেছি ভদর্থে সঞ্জানন্দ বিশেষ।

পরম কল্যাণীর জীযুক্ত সূকুন্দরাম ঘোষ । বানন্দ বিলাপের।

গুরুর মাতুল ও গুরুর খণ্ডর ও গুলুর মেসে। ও গুরুর পিদে এই কয়েক গুরুলোককে পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত

ঐ গুরুর ভাগিনের প্র ছতির শিষ্যদের উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ২৯ পত্র।

ভবাশিত জন শ্রীচরণারবিন্দে মকরক পানানক কুল ' অলিকুল স্থলপ শ্রীৰূপ নারায়ণ দেবশর্মণঃ বৃদুমতি লুঠনা ভিদিক্ত প্রণতি সংখ্যাতিরিক্ত নিবেদনঞ্চাদৌ মহাশারের প্রীচরণ আরণ ধ্যান জ্ঞানোৎপলে আকর্ষণ মাজানুসারে অত্র শুভবিশেষ। শির্মাম।

প্রদান গুণ্ড খণ্ডন জনা প্রিরং পরস পুরুনীয়ন্ত পুরুনীয় জী জীত কাঁলন্তার ভট্টা চার্য্য মধাম ্ঠাকুর মহাশয় জী চরণ সরসিক্রহরাজেন্। গুরুর মাতাকে পুরুর, শিষ্যের পত্র নিথিবার ধারা। পুরুর শিষ্যের উক্তি। উৎকৃতি পাঠ। ২০ প্রা।

শীচরণ প্রয়াবকারা দাসানুদাস শীহরিমোহন দেবপর্যাঃ প্রথমা লক্ষ্য প্রভাকে কটাক্ষাবলোকনাৎ মোক্ষপদ প্রাপ্তি কামার্থে নিবেদনাঞ্চাদৌ শীশীমহাপ্তরুপায়ী মাতা ঠাকুবাণী শীচরণ অরণ করথৈঃ অজান তিমিরোভীণ পুর্ককে অপুর্কি জানারুণ মননাদ্যাচলে উদ্যাধিশেষ।

भित्रमाभा ।

ধর্মাদি চতুষ্টর সদা পর্যাজ্র প্রদায়িনী প্রাৎপর প্রন-বিনী শ্রীশুক্রমাত ঠাতুরাণী শ্রীচরণ তর্ণী

> ভবার্ণবোজীন সম্বাবনেরু। উৎকৃষ্ট পাঠের প্রভ্রাক্তর।

পুজের শিষ্যকে গুরুর মাতার পত্র লিখিবার ধারা। গুরুর মাতার উক্তি । ২১ পত্র।

জচুতিনিক অর্জনৈতির অতুল বৈত্ববর প্রাণ্ডোদ্ধর বর দারিক জীমতী হরসুন্দরী দেবী পরম কুশলঃসম্ভ বিজ্ঞাপন-গোদৌ ভোমার সৌভাগ্য প্রকাশার্থে স্বত্ত্থাবলম্বিত প্রকৃ ভিরমা পরমানক্ষে বিশ্রামে তবার্ত্রমে বিরাজমানা তবৈ তে অত্যানক্ষ বিশেষ।

चित्रनामा।

প্রাণাধিকাত্মজ আশীর্কাদ সরোসিজ আকাংকিত জন
সৌভাজন শ্রীযুত হরমোহন বন্দ্যোপাথায়

পরমাত্মতত্তে প্রমত্তের।

্ঞরুর মাতা ঠাকুরাণীকে পত্র লিথিবার ধারা।
পুজের শিব্যের উক্তি। নামান্য পাঠ। ৩২ পত্র।
অনিত্য সংসারান্বোত্তীন পদাবনত ভ্তাানুভ্তাস্য এতি
আনিক্ষ দত্তন্য প্রণান সংখ্যাতিরিক্ত নিবেদন্ধানে। প্রীমতীর
ক্রিরণসরোক্তে মনঃ মধুকর নিরস্তর ভৃগ্যান্ত্রিশেষ।

শিরনামা।

প্রচণ্ড ভগনামন সন্ধোচ সংহারক পরম পুর্বনীয়া শুশ্রিঞ্জুমাতা ঠাকুরাণী শ্রীচরণ শরণাকাংক্ষিভেন্ত।

ঐ সামান্য পাঠের প্রত্যুক্তর। পুজের শিষ্যদিগকে পত্র লিথিবার ধার।। গুরুর মাজার উক্তি। ১০ পত্র।

অতুল বৈভব ভবস্ত ভাবিমী প্রমন্তী হরসুন্দরী দেবী শ্রীক্রিমারদত্ত পরম মহত্বলাভঃসম্ভ বিজ্ঞাপন্থাদৌ ভোমার মঙ্গল পুর্বকে অত্যক্ষল বিশেষ। শিরনামা।

সাধনাৰ্থৰ সিঞ্চিত্তন স্মর্থকারী শ্রীযুত ভবানন্দ দাস দক্ত পর্ম কল্যাণ্বচেন্

গুরুর মাতৃলানী ও পিনী এবং মাবী এই করেক মহা গুরুপত্নীদিগকে পর লিবিবার ধারা। ভাগিনের স্থামাতা ভ্রাতপ্রক্ত এবং ভ্রমিপুজের শিষ্য এই করেক ব্যক্তির উক্তি। উৎক্রই পাঠ। ২৪ পরা।

প্রম্পদ দশিত্রন গেবিভ জ্ঞাপদারবিদ্য বাঞ্চি জ্ঞারমা

নথি দেবশর্মাণ: অত্মত্তত্মাজিত পাতিতা, নিবারণ নিমিন্ত। পদাবনত পুর্বক শতং নিবেদনগোদৌ শ্রীসভীর শ্রের আলী কাদে নির্ভ শীচরণাশ্রিতের নক্ষাগ্রয় শুভ্যিশেষ।

শিরনামা।

ভবঘোরভীষণ নাশন কারণ শ্রীচরণ স্মরণাবলম্বনদাতী ।
পরাৎপর পরাক্ত্রী শ্রীশ্রীপরম গুরুপত্নী মাভা ঠাকু
রাণী পারত্রিক নিস্তারেণু।

ঐ উৎক্ষ পাঠের প্রজ্যান্তর।

জাগিনের এবং জামাভার শিষ্য ইত্যাদি উপরের লিথিত
এই কয়েক ব্যক্তিকে পত্র লিথিবার ধারা।
উপরের লিথিত গুরুরমাতুলানী এবং শাশুড়ী ইত্যাদি
করেক ব্যক্তি মহাগুরুপন্থীর উক্তি। ৩৫ পত্র।

সদা কর্মনা জীকান্ত জীচরণারবিদ্ধ সেবিভা ক্মলাচরণ পরিপালিত। জীমতী কাত্যারণী দেবী পরম মুগাভিলাবো--দ্ভৱ ভাগাবর বিজ্ঞাপনকাদৌ তব শুভলাভান্তরে মুখ্য কুশলম্বিশ্ব। শিরনামা।

কীরোদার্শবোদ্যবাণাজ্পানি বল্পা স্থিরভবাইনং বৈভ্রা কীর্ণ মনৈব প্রতিপালনকারী জীর্মান্থ বন্দ্যে-প্রাধ্যায় পর্ম কল্যান্বরেয়।

छे भटतत विशिष्ठ।

গুরুর মাজুলানী শাশুড়ী প্রভৃতি ইড্যাদি মহাগুরু-পত্নীদিগকে পত্র লিখিবার ধারা। ভাগিনের এবং জামাভার শিষ্য ইঙ্যাদির উক্তি। সামান্য পাঠ। ৩৬ পত্র।

(तरकान्ट्रायक श्रीत्राप्रकाल मात्रवर्षः।

खनामा मण तर्यः निर्वमनश्रारण श्रीश्रीत्राप्रतागीत खोहत्।

श्राम श्रूसंक व मात्रानुमारयत गर्काविक प्रकृत देव विर्माय।

ে শির্মাম।

প্রামীপরম গুরুপত্নী মধ্যমা মাতা ঠাকুরাণী প্রতির্ণার্থিক্ষর্থয়েন্।

ঐ সামান্য পাঠের প্রভ্যুম্ভর। । গুরুর মাজুলানী এবং শাশুড়ী ইত্যাদি মহাগুরুপড়ীর উক্তি। ৩৭ পত্র।

ভক্তিরত্ন ভরণাকাংকিনী গ্রীমতী ভূবনেশ্বরী দেবী। পরম শুভাশীর্কাদ বিজ্ঞাপনঞাদৌ ভোমার মঙ্গল শ্রীগ্রীণ ভানে প্রার্থনা করিছেছি ভাহাতে অগ্রানন্দ হয় বিশেষ।

শিরনামা।

পরম কল্যাণীয় সদাঞ্জিয় স্বধর্ম প্রেয় জীয়ুক্ত রামত্লাল বসু সরলাভঃকরণেয়ু।

গুরুর ভগ্নীপতির স্থালিপতির শিষ্য ইত্যাদির উক্তি।

তি প্রা।

নিভাস্থ পদাবনত ভ্তা শ্রীহরেক্ক দেবপর্যাণঃ। প্রণামা পরমতজ্জনানিবেদনঞালে মহাশরের শ্রীচরণ স্মর পাভরণ গ্রহণমাত্রে সাত্র শুভ বিশেষ।

শিরনামা।

ভারাধীয় পরম পুজনীয় জ্যেষ্ঠ মুখোপাধ্যায় ঠাকুর মহাশয় জীচরণ কমলোপাত্তেরু।

> ঐ উৎকৃষ্ট পাঠের প্রভাবর। উৎকৃষ্ট পাঠ।

উপরের **লিখিত ত্যালকের শিব্যদিগের পত্র লি**থি-বার ধারা।

গুরুর ভগ্নীপভ্যাদির উক্তি। তন পরা।

माशताक विदायकात्रवनात्रं वृत्यामणिक क्ष्ममा वतमा कव हैव नक्षमः वाणीवीन क्षमात्रक व्यक्तकारण स्वयम्बनः शतम ্মকলংসম্ভ বিজ্ঞাপনঞাদৌ ভোমার বিপক্ষ প্রক্রিভাক শ্ৰুতি স্থাপকপকে জয়তি আঁআঁথ করিছেছেন জ্ঞুত্মাত্রে व ७७ वित्मव।

শির্নামা।

भारम शिवरंतर भगविन्माननिष्ठ औयुक्त १८तक्ष्य हत्या-शांधांत्र कमलान्ध्रीटउनु ।

উণরের লিখিত।

ঐ গুরুর ভগ্নীপতি এবং ফ্রালক ইত্যাদিকে গত্র লিখি বাব ধারা। শ্রালক ভ্রমীপত্তির শিষা ইভ্যাদির

উক্তি। ৪০ পত্ত।

প্রতিরণাপ্রিছ সেবক প্রীক্ষারাম নাস দেবস।। প্রণামা সম্ব্যাভিরিক্ত নিবেদমঞ্চাদৌ মহাশ্রের প্রীচরণারা-ধন মাজেঅত মঙ্গল বিশেষ। শित्रना मा।

মমার্জনীয় পরম পুজনীয় জীমধাম চট্টোপাধার टेक्त भश्यम खीहतनाम् दक्य ।

ঐ শামান্য পাঠের প্রভান্তর

গুরুর ভগ্নীপতি খালক ইত্যাদির উল্কি। ১১ পত্র : ष्विष्ठािष्ठा भूसंक नित्रणाणीर्भाषक खोर्गारलांकहसः (पर শর্মাণঃ পরম শুভাশীর্মাদ বিজ্ঞাপন্যগালে ভোমার সুস্থিরা াজলক্ষ্মী প্রীপ্রী। / করিতেছেন ভাছাতে অন্তানন্দ বিশেষ। শিরনামা।

পাপাংশ বহিত্বত অংশব গুণাবলম্বিত প্রীযুত আত্মারাম সরকার সদাশ্রমের।

গুরুর ভ্রান্তাদিগকে পত্র লিখিবার ধারা। ভ্রাতার শিষ্যের উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৪২ পত্র। ভবোভীর্বার বিনাশ আশখন্য শ্রণ্য দাস এক জিবাস रमयमर्थनः श्रीतमहत्रनाच छात्राची विकाशमध्यीरमी महाम रमत कीहत्रन चत्रभगरत खंबाशाहिक विरमय ।

भित्रनामा।

অনিত্য পাতিত্ব পরিব্রহাত্মক সুকৃতিজ্নক কর্তৃক পাসংহ পর ঠাকুরাপ্রজ জীজাঠাকুর মহাশহ জীচরণ স্মরণ প্রদানেয়ু

শুরুর জ্যেষ্ঠ ভ্রান্ডাকে ঠাকুরাগ্রন্ধ বলিয়া লেখা যায় যদ্মালি ঠাকুরের কমিষ্ঠ ভ্রান্ডাকে লেখে ভবে জ্রীজীচাকুরা-নুম্ম ঠাকুরমহাশয় শ্রীচরণ স্মরণ প্রদাদেশু

লিখির। অর্থাৎ শ্রীশীঠাকুরের অন্তর্মন। লিখিরা অনুস্থ লিখিবেক ঐ পাঠের প্রভাত্তর ঐ উপরে লিখিত।

ভ্রাতাদির শিষ্যদিগকে পত্র লিখিবার ধারা।

গুরুর ভাতার উক্তি:। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৪২ পত্র।

ক্ষ্ নিসরোসিজাবস্থিত বীজতন্তানি ব্যাপিত জন সাধনা নস্তর অতিরিক্ত বরপ্রদায়ক পরমতত্ত্ব লাভ ভাব প্রমাশী-ক্ষানক শ্রীকৈরবচন্দ্র দেবশর্মাণঃ চিভাতন্ম বিশিষ্ট নরপ্রেষ্ঠ ক্ষণাভীত অঙ্গনে প্রকৃতিক্পাংশে সদা বৈভব বিজ্ঞাপন্তা। দৌ ভোমার অনিষ্ঠকার জনার সংহারভাব গ্রহণে অত্রপক্ষে শুভহিশেষ।

পরম পদারবিন্দ ভাবকস্তাবক পরমপ্রির সেবক জীবৃত্ত জীনিবাদ গঙ্গোপাধ্যার সদা দানন্দবরেবু। উপরের লিখিত।

গুরুর জাঁভাকে পত্র লিখিবার ধারা। আছার উক্তি। সামান্য পাঠ।

ক্রিচরণাত্রিত দেবক **অন্ন**পুর্বার দাস বিভ্রন্য।

अशोबा लक्ष्मस्य विद्युत्तसमाद्या महोनंद्यत् विद्युप्तिया । अ मोगोनुमोदगद नम्ह सक्ष्मश् विद्युत्त ।

পরম পুজনীয় ঠাকুরা এজ কিয়া ঠাকুরা নুজ ঠাকুর ।
মহাশয় জীচরণে মনোপিতেব, ।

ঐ সামান্য পাঠের প্রভাগের। ভাতার শিষ্যকে পত্র লিখিবার ধারা। গুরুর ভ্রাতার উজি। ৪৫ পত্র।

নিভান্তাশীর্কাদক প্রীজভয়ানক দেবশর্মণ:। প্রম ওভাশীর্কাদ বিজ্ঞাপন্ধাদৌ ভোমার মলল প্রীয়ী/ ভারা প্রার্থনা করিতেছি ভাষাতে অত্তানক বিশেষ।

श्वित्राम्।।

পরম কল্যাণীর জীযুত অপুর্ধরাম মিত্র চিরজীবেদ্য

শুরুর জ্যেষ্ঠ জ্রান্ডার পারী ভাত্রবধু ভগ্নী শ্যালকপারী এবং শ্যালী ইত্যাদিকে পত্র লিথিবার ধার।। দেবরের ভাশুরের জ্রান্ডার নন্দাইর এবং ভগ্নিপ্তির শিষ্য ইত্যাদির উক্তি। উৎকৃষ্ট পাঠ।

85 MM

পদাঞ্জিত্ত গ্রীপার্বতীশন্ধর দেবশর্মা:। প্রাণামাস্ত্রা কোটি নিবেদন্ধাণে আপনকার ঞ্চিরণ আ-গ্রহমাত্রে এ দীন্দাদের শুভদুষ্ট প্রকাশ্য হয় বিশেষ। শিরনামা।

পরমাশীর্কাদ প্রদারিনী পরম পুজনীয়া এতিরপত্নী মাতা ঠাকুরাণী এচরণারবিন্দেষু।

গুরুর ক্যের্ডভাতার পত্নী মাত। ঠাকুরাণী গুরুর স্বদা মাতা ঠাকুরাণী গুরুর শ্যালকপত্নী শ্রীশ্রীমহাশব্দের শ্যালকপত্নী মাতা ঠাকুরাণী ইত্যাদি ক্রমে ক্রমে লিখিবেক।

উপরের লিখিক উৎক্ষী পাঠের প্রভাবর। ঐ দেবরের আক্ষরের শিষ্য ইত্যাদি করেক ব্যক্তি কে পত্র লিখিবার ধার।।

গুরুর জ্যেষ্ঠভাছার প্রত্নী এবং ভাত্তবধু ইভ্যাদি করেক স্ত্রীলোকের উক্তি। ৪৭ পত্র।

ভক্তি ভাবাদি লাভাকাংকিত। শ্রীমতী সুরধুনী দেব্যা পরমোৎকৃষ্ট সুখলাভ ভাবে সুখী ভবতীতি বিজ্ঞাপন কাদৌ তোমার প্রকৃষ্টকাপ মঙ্গলাচরণ চিন্তাপূর্বক ভাত্র মঞ্চল বিশেষ শিরনামা।

পরম পদাংবিন্দবলম্বিত সুপ্রতিষ্ঠিত ভ্রীযুত পার্কতী শঙ্কর ভট্টাচার্য্য মৎপ্রতিপালকেণু। ঐ উপত্রের নিখিত।

পুরুর জ্যেষ্ঠভাতার পদ্ধী ভাদেনগু শ্যালকের ক্রী শ্যালী এবং ভগিনী ইম্ফাদিকে পত্র লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত দেধরের ভাশেরের শিষ্য ইম্ফাদি কয়েরু ব্যক্তির উক্তিঃ। দামান্য পাঠ। ৪৮ পত্র।

পদাব্যিত সেবক জীবলরাম দাস ঘোষতা। প্রধামা নিবেদন্ঞাগে আপনকার শ্রীচরণ ধ্যান পুর্বক এ সেবকের মঙ্গল হয় বিশেষ।

শিরনামা।

পরম পুজনীয়া পরাৎপরাগ্রজপাত্নী কিয়া জীকর স্বসা কিয়া গুরুর শ্যালকপত্নী ইভ্যাদি রূপ লিখিয়া যাভা ঠাকু-রাণী জীচরণ সরোজেয়।

উপরের লিখিত ঐ পত্রের প্রভাৱর। ভাসুরের এবং দেবরের শিষ্য ইত্যাদিকে পত্র লিখিবার ধারা। সামান্য পাঠ।

গুরুর ল্যের্ডভাতার পত্নী ক্লুরুর ভাত্তবধু গুরুর শালী ওশ্যা-

লকপত্নী এবং ভাগিনী ইত্যাদির উক্তি। ৪৯ পত্র।
সদা ভভানুখ্যায়ী প্রীমতী হরসুন্দরী দেবী।
পর্ম ভভাশীযাং রাসয়ঃসম্ভ বিজ্ঞাপনগালো ভোমার মঞ্চ ল প্রীশ্রী/ করিভেছেন ভাহাতে অত্রানন্দ বিশেষ।

शिवनाया ।

পরমকল্যাণীর শ্রীবলরাম গড় চিরভীবেষ্।

শুরুর ভ্রাভঃপুত্র ভাগিনের শ্যালকপুত্র শ্যালিপুত্র এবং ভামাভা ইত্যাদিকে পত্র লিথিবার ধারা।

খুড়া ও জ্যোঠার মাতুলের লিনের মেসোর এবং স্থভ্রের শিষা ইত্যাদির উক্তি।

উৎকৃষ্ট পাঠ। ৫০ পত্র।

শ্রীচরণারবিক্ষ হাঞ্ছিত পদাবদত জীবুত গ্রন্থাপনারায়। দেশপর্মণঃ পরম চরমকাল ভাবার্থ পুর্ণাণভাহং নিবেদন-ফাদৌ মহাশ্যের শ্রীপদ প্রবাশ্রয়মাত্রে অত্র শুভ্দিশেষ। শির্মামা।

বিমল কালকল কলুশান্ধ্য নারভত্ত হত্ত কি প্রির শীম প্রমার র ঠাকুরপুত্র মহাশর কিয়া ভৃতীর ঠাকুর মহাশর কিয়া যেমন পরিজের হন গুরুঠাকুরের আতপ্পুত্র দিগকে এই রূপে লিখিবেক। আর গুরুর ভাগিনের এবং শালক পুত্র প্রভৃতিকে মধ্যম চট্টোপাধ্যার ঠাকুর মহাশর কিয়া জ্যেষ্ঠ বন্দ্যোপাধ্যার ঠাকুর মহাশর খীচরণোপাত্তে নিভাত্ত মুজনেব্।

ঐ উৎকৃষ্ট পাঁঠের প্রভাগতর।
খুড়া জোঠা মাডুল এবং খন্তর ইন্ডাদির শিবাদিগড়ে
পত্র লিখিবার ধারা।
গুরুর ভার্তপাক্র ভাগিনের এবং জামাডা ইন্ডাদির

्रें के पुर पिका । १९ शब ।

সুমকলার্থ উদ্ধ নিভাগাধক নিভান্তাশীর্কাদক প্রীক্ষানন্দ চন্দ্র দেবশর্মণঃ প্রম শুভাংশু আশু প্রকাশ মনন বিজ্ঞাপন গোদৌ ভোমার ঐহিক পার্ত্তিক গাড়িক স্থাপনামঙ্গলে আন মকলং বিশেষ। শির্মামা।

মন: নম্বনোৎপল প্রফুলাকার সৌরভ প্রীযুক্ত প্রকাপ নারায়ণ চটোপাধ্যায় চিরজীবেদু।

গুরুর জাতপাত্র ভাগিনের এবং জামাতা ইত্যাদিকে পত্র লিখিবার ধার।

খুভার জ্যোঠার মাজুলের এবং শক্তরের শিষ্য ইক্যাদির উক্তি। সামান্য পাঠ। ৫২ পত্র।

শেবক জীরাধানাথ দাস ঘোষস্ত :

धार्गमा निर्वयनकारमः महाभरत्रत्र की हत्रराशीरस अकास धान शूर्वक व मांगानूमारमत्र ममस मक्त रहा विरम्य।

শিরনামা।

পরম পূজনীয় জীযুক্ত জ্যেষ্ঠ ঠাকুর পুক্ত মহাশয় জীচরণে মনোর্পিভেচু।

গুরুর ভাতপু জনিগকে এই কপ লিখিবেক আর গুরুর জানিনের কিয়া জামাতাকে মধ্যম চটোপাধ্যার কিয়া বল্লোপাধ্যার মহাশর জীচরণ কমলেযু।

ঐ সামান্য পাঠের প্রভারত ।
বুড়ার ক্ষোঠার মাতুলের শশুরের শিষ্য ইত্যাদি
কয়েক ব্যক্তিকে পর্ত্ত লিখিবার ধারা।
গুরুর ভাতপুজ এবং ভাগিনের ইত্যাদি করেক
ব্যক্তিরুইউজি। ৫০ পর্ত্ত।

व्यक्तिशानाभी की पक धीवाननगढ (प्रवस्त्रीतः।

পর্ম কুশলঃসম্ভ বিজ্ঞাপনঞালো ভোমার মঙ্গল জীজী।
করিতেছেন ভাষতে অতানন্দ বিশেষ।

শিরনামা।

পরম পূজনীয় জীযুত রাধানাথ ছোষ চিরজীবেছু।
গুরুর পূজবগু ভাজপা,জবগু ভাগিনেয়বগু শ্যালকপুত্রবগু
এবং শ্যালীপুজবগু এই ক্রেক ব্যক্তির গুরুসম্পর্কীয় স্ত্রী
লোককে পত্র লিথিবার ধারা।

জীলোকের জ্যেষ্ঠ শশুরের খুড়া শশুরের মামা শশুরের পিশশুলরের এবং মাসখশুরের শিষা ইত্যাদি ক্ষেক কাজিন শিষ্যের উজি। উৎকৃষ্ট পাঠ। ৫৪ পত্র:

জীচরণ জিত ভূতা শ্রীরন্দাবনচন্দ্র দেবশর্মণঃ। প্রণামাসন্থ্য নিবেদনগোদৌ শ্রীমতীর শ্রীচরণোগান্তে ভ্র বাত্ত শ্রুষ্টান্তঃকরণ মিদং বিদেশ ষঃ।

मित्रनामा।

পরম পুজনীয়া জ্রীমতী ঠাকুরপুত্রতথু আতঃপুত্রতথু এবং ভারিপুত্রবধু ইত্যাদি সাতাঠাকুরাণী জ্রীচরণ পদ্ধকে মনোপিতের।

ঐ উৎকৃষ্ট পাঠের প্রভাগ্তর। উপরের লিখিত গুরুর পুত্রবগু আদি করেক। স্ত্রীলোকের উক্তিঃ।

ec পতा।

অওভ সুকুশলম্থ ভবতি ইতি বদতি শ্রীমতী তারিণী দেবী পরম শুভাংশু সুধাংশু জুলা যশোভব প্রিয়াস বিজ্ঞা প্নঞাদো তোমার সুমকল ঘটিতাক্ষর বাটিত পঠিত পুর্বক অপুর্বানশোদ্রব মিদং বিশেষঃ।

ा भित्रनामा ।

স্থাপ দক্ষতা অনকতা শক্তি বিশিষ্ট অনুরক্ত বিমৃক্তান্তঃ করণ জীবুক্ত গৌরীচরণ মংচটক নাট্যাদি অন্তাদশ

পুরাণ প্রমোগেণু।

উপরের বিধিত ভক্র পুজ্ঞবন্ধ এবং জাতঃপুজ্ঞবন্ধূ ইত্যাদি ঐ পঞ্চ স্ত্রীকোককে পত্র লিখিবার ধারা :

স্থীলোকের শশুরের শিখ্যাদি ঐ উপরের লিখিছ পঞ্চ জনার উল্লিঃ। গামান্য পাঠ। ৫৬ পত্র।

বেবক জীদেবকরাম দাস মিত্রস্থা।

প্রণামা শতসহস্ত নিবেদনকালে আপানকার শ্রণমাত্ত অত নহল বিলেধঃ।

भित्र ग्या।

পর্ম পুজনীরা এমতী মধান ঠাকুর পুজ্ঞপত্নী মাত। ঠাকু-রাণী কিয়া উপরের লিখিত ঐ সকল উল্লেখ করিয়া লিখি-বেক জয়কী মাতা ঠাকুরাণী প্রীচরণোপাত্তেযু।

নামান্য পাঠের প্রভ্যুত্তর।

জীলোকের শশুরের শিখ্যাদির উপরের লিখিত ঐ পঞ্জনাকে পত্র লিখিবার ধারা।

গুরুর পুত্রবধু ইন্ড্যাদি উপরের লিখিত পঞ্জন। জীলোকের উক্তিঃ। ৫৭ পত্র।

অবশা তদ্য প্রতিপালিত। শীমতী পার্মতী দেবী পরম শুরাশীর্মাদ বিজ্ঞাপন্ধাণে তোমার মঙ্গণ নিয়ত প্রার্থনা করিভেছি ভাগতে অত মঙ্গল বিশেষঃ।

শিরনামা ।

স্বৰ্গাপ্ৰসাদি প্ৰয়াদ নিমিপ্ত দত্বপথাবিলয়িত শ্ৰীযুক্ত শীতানাথ চটোপাখ্যায় সুভ্ৰৱেলু।

গুরুর গুরুপিতা গুরুর গুরুষাতা এই করেক ব্যক্তিকে

निर्मात निमा भूका এवर भिर्मात भिना है छ। भित्र छ जिन्न । छेट कृष्टे शांठे। (नथक छ नामाना

लिथक हेक्यां कि।

লকলে লিখিলে সম্ভৱ হয় একারণ বাছলা না করিয়া সংক্ষেপে লিখি। ৫৮ পতা।

ভূত্যানুভূত্য জীবসন্তক্ষাক দেবপর্যাণঃ
প্রকাশ শক্ষরতা নিবেদনগায়ে আপনকার জীচরণ ধ্যান
্কাদ হ দীন্দাবের জহিক পার্ডারিকের নিস্তার হয় বিশেষ
গুরুত্ব গুরুত্বিভাকে হবং গুরুত্ব গুরুত্ব ।

শিরনামা।

অসার সংশার নিস্তারকর্তা কর্ত্ত পুলিত জীজীমহাগুরু ঠাকু রমহাশর জীচরণোপান্তের ।

のかな おしまになり

শিৱনামা।

অনার বংগার তারক কর্তৃক পুদ্ধিত। শুশ্রিমহাগুরুপরী মাজা ঠাকুরাণী জীচরণোগান্তেম্বু।

ঐ পরের প্রভাতর।

গুরুর গুরু গুরুর গুরুর গুরুর গুরুমাতা এই ভিন ব্যক্তির উক্তিঃ।

সৌভাগা সৌরভ গৌরবাতুল লাভ জব ভবইব চিস্তা-কারী প্রীমূরারিচরণ দেবদর্মাণঃ কিয়া যদি জীলোককে লিখেন ভবে শ্রীমভী অন্থকী দেবী প্রম গুভালীযাং মঞ্চলঃ সম্ভ বিজ্ঞাপনঞানো ভোমার ধন জন নক্ষন দিন শ্রীর্ছিক

क जादन आर्थना भूकेटक शत्रमाशात्रिक विरमय।

े पुरे र प्राप्त में **मित्रमंत्री**य असेत करणा है।

ভাবক ভাবকু -প্রাণাধিকবর প্রিম্বর সৈবক জীযুত বসস্ত কুমার বন্দ্যোপাধ্যার অন্যের গুণারভেষ্ণ গুরুর গুরুপুত্র গুরুপুত্র ব্যুগুরুর গুরুকন্যা এবং গুরুর ভাষাতা পিতার পিযোর শিষ্য এবং

নেবকাজিত গেত্তপা লেবক জীনেবকরাম দেবলম্মণঃ
প্রাণমা পরাৎপুথ প্রযোগ প্রার্থীয় পদার্থিকে নিবেদন
কান্দী মহান্ত্রের কিন্তা জীলোককে যদি লিখিতে হয় ওবে
জীজিটাকুরের ঠাকুরকলা কিন্তা ঠাকুরের ঠাকুরপুজ্রপু
নাভাঠাকুরাণী জীজিলবর অন্ধান্তরণ থারণ করন মাত্রৈব
কলেবর প্রিত্ত বুলোভিত বিশেষঃ। নির্মানা।
তপ্নাম্মজা সজ্লোচ বারিভ জনার মনার্থিকাব নিহাপ্র মহাশ্র কিয়া
কিয়া ঠাকুর মহাশ্রমা ঠাকুর পুজ ঠাকুর মহাশ্র কিয়া
কিয়া ঠাকুর মহাশ্রমা ঠাকুর পুজ ঠাকুর মহাশ্র

শ্রীচরণ সর্গার্ভরাকের ,
প্রায় ঠাকুরের ঠাক্র পুজর্গুকে শির্নামা লিখিবে ঠাকুর
শহাশায়া ঠাকুরপুজ্বপু মাতা ঠাকুরাণী

শ্রীষ্ণর শোপাত্তে মনোর্গিভের।
ঠাকুর মহাশহঠাকুর কন্যাকে লিখিবেক ঠাকুর
মহাশয়ত্ত ঠাকুর কন্যা মান্ধ। ঠাকুরাণী শ্রীচরণ
ক্মলম্বরে মনঃ সংযোগেন।
প্রাকৃত্রের ঠাকুর পুত্র ঠাকুরের ঠাকুর

পুতাবধু ঠাকুরের ঠাকুরকন্যা ঠাকুরের ঠাকুর শাসাভা ইভ্যাদির উক্তি ॥ ৬০ পঞা।।

অগাপবর্গ সৌজাগানি প্রাপ্ত ভর্ট্র চিন্তাকারী জীয়-কুন্দবল্লভ দেবশর্মণঃ অভিন্তা চিন্তার্গর সিঞ্চিতেত্রির ধন थाल करा कम कम कार पूर्वत्क निश्तक वाशी कि कवि

পরমাজভজ্ব ভাবক মিভ্য সেবক জ্ঞীনেরকরাম চট্টোপাধ্যায়

ঐ প্রক্র সম্পর্কীয় অন্তঃক্র ভাবং ব্যক্তিকে পাঠ ও শিন্তিনাম। পৃথক পৃথক লিখিতে অভিশ্যা বাছনা হন একারণ গুরু সম্পর্কীয় সমাপন করিলাম কিন্তু সংক্রেণে মংত্রাই পাঠা দি হইছে নির্মান্ত করিলা বিবেচনা পূল্লক কিখিলো গুরুর নৈকটা সম্পর্কীয় ও অপরাপর জীলোকে ও পুরুষ ভাবং কে পত্র লিখিবার পাঠাপাঠ প্রক্রুত হাল সমাধান ইইছে পাত্রে অভ্যাব গুরু সম্পর্কীয় সামান্যকং রচনা করিয়া অন্যান্য পাঠাদি বাছলা ত্রাপ হিবেদন করিছেছি।

अथम श्रु नमालः ।

'লতীর খভারডা

আত্র সলাকী র

পিতামহকে ও নাতামহকে পত্র লিখিব'র ধারা।
পুক্ত ও দৌহিজ এই তৃই নাক্তির উক্তি।
।। ৬১ পত্র।।

শ্রীচরণাপ্রিত ভূতাানুভ্তা শ্রীরজেখন বেবশর্মাণঃ
প্রণামানস্কর নিবেদন্ঞাদৌ মহাশ্যের শ্রীচরণ ধ্যান পুর্বকে
এ শিব্যানুশিধ্যের মকল বিশেষঃ পরং নিবেদন পুর্ব পত্রে
অবগত করিয়াছি যে প্রাণাধিক শ্রীসুক্ত নরনারামণ চট্টোপাশ্রাম ভায়ার শুভ সহক্ষের বিষয় বরাহনগর গ্রামের শ্রীমুক্ত

ट्यीरी मेखर विम्युनायत अञ्चिति महायटहर मधाम कमार् ं गरिक स्टिजीक्तरे स्टेझाँछ धरः अ वाजित गकरन गमा हरू प्राट्ट जड वर महीचटमर बाखा वाकिरतरक कि श्रकात किया সমাপন করিতে পারি যদিস্থাৎ অনুমতি করেন ভবে নি ভর দেওয়া যায় আর শিবকেতা নিবাসি তুই বিপ্রা সন্তান জীত্রীপাদপটেম পিওপ্রদান মনন করিয়া অর্থ সমর্থে অসমর্থ निमिश्व भश्मारप्रत निक्षेत्र स्टेट्ड्स विद्वहमा क्रिंड्ड আক্রা ইটবেক পরে নিবেদন বক্তালাবধি মহাশ্রের প্রিচ-রণ দর্শনাভাবে অন্তঃকরণে যে পর্যান্ত বেদনা ভাষা লিপি खोंक्री विटमंद अल जनेशक कहिटन मीमा ११मा इग्रमा ७ छ ভাকে যে পর্যন্ত ভারে ভারাক্রান্ত করিয়া লাখিয়াছেন ভাষ্ তে निराज्ञ को नाम काल माध्य काइट हि निक्छे छ হইয়া জীচরণ দর্শন করি এভাদুনী দাবকাশ নাই মহাশ্র यमार्शि शैकिशां में नार्ष अक्टक्टमा आंग्रमन करतन करव প্রভাক প্রীপাদপদাবলেকন পুর্বকে ক্রছ ক্রডার্য দুই निट्रमन मिडि।

শিবনামা

পর মন্তান খ্যান কংশনীর শ্রীযুক্ত পিতামই ঠাকুর মহাশর শ্রীচরণ সরসিরুহরামেন্তু "কিছা মাতামহকে লিখে,, ভবে শ্রীযুক্ত মাতামই ঠাকুর মহাশর শ্রীচরণ সরসিরুহরামেন্তু।

> ঐ পত্রের প্রভান্তর। পৌজ ও দৌহিত্রকে পত্র লিখিবার ধারা। পিভামহ ও মাভামহের উক্তি। ৬২ পত্র।

অবশ্য পুয়ানুপুষা শ্রীবৈক্তবচরণ দেবপর্যাণঃ। বর্ম কল্যাণ্যন্ত বিজ্ঞাপন্ধণার্কী ভোষার অভুল যদঃ গৌরবার্থে শ্রীশ্রুথি বারা প্রার্থনা করিতেছি ভাষাতে পরি দুর্থ পূর্ব কে পরমাপ্যারিভ চ্ইলাম শুল সমলান্ত ও পরী দুর্থ পূর্ব কে পরমাপ্যারিভ চ্ইলাম শুল সমলের বিষয় যে লিখিরাছ ভাষা বিবেচনা করিয়া পরোন্তরে লিখিব পরমপ্রায় প্রচল আছি বিস্তানাগর ভট্টাচার্যোর সে মধ্যমা কন্যার নমন্ধ মূচ না কত স্থানে হইরাছিল কোথাও শ্বির করণ হর নাট ইয়া-ভে বোধ হয় কোন দোঘাশ্রিভ হইতে পারে অভগ্র বিশে রূপ বিবেচনা করিয়া যাহা কর্ত্বরা হয় করিবে আর শ্রীশ্রীপাদপন্যে পিগুদান কর্ত্বক ল্রান্থণিগকে পজতুদ্রা দাহ ব্য লাবা পরিভোষ করা গেল জ্ঞান্ত কারণ লিখিলাম অন্-শেষ যে বিষয় লিখিয়াছ গে অভিমান করা মিখ্যা সংলাবি কার্বে নিরন্তর অভীকৃত ভিলাদ্যি অবকাশ নাই যদিস্যাহ শ্রীশ্রী করেন ভবে ঐ শুল বিবাহের কালীন প্রম্পাব মন্যাহি

श्वित्रनामा ।

গ্রাণাধিক প্রিয় পরম কল্যানী ম জীযুক্ত রয়েশর বন্দ্যা-পাধ্যায় অভুল নৈভবে চির্ফীবেয়ু দ

পিতার জাঠা ও পিতার খুড়া ও পিতার মাতৃল ও পিতার মেনো ও পিতার পিনে মাডার জোঠা ও মাতার খুড়া ও মাডার মাতৃল ও মাতার মেনো ও মাতার পিনে মন্তরের পিতা ও মন্তরের জোঠা ও মন্তরের খুড়া ও মন্তরের মাতৃল ও মন্তরের মেনো ও মন্তরের পিনে ও মন্তরের মন্তর পিনের পিতা ও পিনের জোঠা ও পিনের খুড়া ও পিনের মাতৃল ও পিনের পিনে মেনোর মেনো পিতা ও মেনোর জোঠা ও মেনোর খুড়া ও মেনোর মাতৃল ও মেনোর ন্ত পিলেও নেবার মেনো ঐ উপারের নিথিক এই পি ক্ষার্থক ভাজিকে প্রত বিধিয়ার ধারা । দ পৌর ও দৌবিজ্ঞা ইড্যাদি নাডি পরিজে-

The Mark of the Control of the Wall of the Control of the Control

्र त्यक्षानुद्रमयक किन्स्यदमाश्म द्मक्ष्मर्थनः। अगामा शतमश्रम खाल कना निर्वत्रमक्षादमा महाणदमत्र कीव तगुन्मतन् भागन कान गायन माटक खाल मक्ष्म विद्रागय।

> পিতামহ ও মাতামহের জাতাদিগতে শিলনামা। পরম পুজনীয় মমাচ্চ নীয়

জীরুত মধ্যম ঠাকুরদাদা মহাশম কিয়া কৃতীয় ঠাকুরদাদা মদাশর কিয়া যেমন গরিজের হন সেই রূপ উল্লেখ ক রিয়া লিখিতেক যে অধুক ঠাকুরদাদা মহাশয়

श्रीहत्र द्वाप्तरत्रम् ।

भित्रनामा।

উপরের লিখিত পিতামহ ও মাতামহের ভাতা ব্যতিরিক্ত উদ্দেশ করা ঠাকুরদাদা পরিজেয় ঐ যে শকল ঐ সকল ব্যক্তির পক্ষে

- শিরনামা।

পরম গুমানস্য পৃজ্ঞায়

শীর্জ মধ্যম চট্টোপাধ্যার ঠাকুরদাদা নহাশর কিয়া
ভিতীয় ঘোষাল ঠাকুরদাদা মহাশয় কিয়া চতুর্ব গড়গড়ি
পিতমণ্ডী ঠাকুরদাদা মহাশয় কিয়া চতুর্ব গড়গড়ি
ঠাকুরদাদা মহাশয় কিয়া বভ্তম ঘোষর বসুরু মিত্রজ
ঠাকুরদাদা শহাশয়, জিপদ প্রজ্ঞ কারজ মনোক্ত

A PIER IN

ভাষার পৌজ ও ভারের পৌজ শালীর পৌজ
ও শালকের পৌজ ভাষার ক্ষেষ্তিত ও ভারের নাহিক ও
শালীর নাহিক ও শালকের ক্ষেষ্তিত নাহীলালাত। ও ভা
লার নাহীলালাভাভভারের নাহীলালাভাও শালকের নাত্রী
লামাতা ও শালীর লাহীলালাভাও লাশালার লাশালার
পুজের শালীপুত্র ভাগের ভাগালীপুত্র ভারের শালীপুত্র
শালকপুজের শালীপুত্র শালীপুত্র শালীপুত্রর শালীপুত্র

এই করেক ব্যক্তিকে পত্র লিখিবার ধারা।
উপরের লিখিত ঠাকুরবাদা পরিক্রের ঐ কয়েক
ব্যক্তির উক্তি।
41 88 পত্র।

প্রতিবাল্যানুপ্রতিপাল্য তবত কুশল চিন্তাকারী
নিবরণগীচরণ দাস মিত্রস্য পরম শুরাশীবাং বিজ্ঞাপন
কানো তোমার অচলা কচলা সরলান্তঃকরণে তানবরত অম
রবর অর্চনাশ্বর বর প্রার্থনঃ প্রক্ষে মনৈব কুশলবর্বিশেষ
শিরনামা।

প্রম জিম্বর গুণ্শাগর

श्चितुक मदीन हक्ष मिळ मरेमव डिल्ड्र्यूनक कर्ड्क सम हिन्न्सीरनहूं।

পিতামহ ও মাতামহ ইত্যাদি সম্বন্ধ স্ত্রীলোকের পত্র লিখিবার ধারা। পৌজী ও দৌহিত্রীর উক্তি। ১৫ পত্র।

नानान्निगानीकानाराध्यको श्रीमठी जनकमञ्जती त्वती धनामा नाच्यक्तपतायक श्रीक जित्तपनकारमे वर्गमाप्तत शिवद्वताद्याय नुभन मानदगद्याद्य जाकर्ग मादन कालीक कांत्रक मदनाक नतरक विवासकाती शाविकारभेक्षरम भूकिक मर्स एक विस्तार । ११ कि का विश्व विश्व

, रे अर्थ के कि निवस्ताना ।

📆 अतम अक्तमा भूकनोत्र मनावाधीत গ্রীযুক্ত পিতামহ ঠাকুর মহাশন্ন শ্রীতরণার বিজ मर्भनामम् अनाम कर्जु दक्षु ।

মাতামহ পক্ষেত্র শিরনামা কিন্তু মাতামহ উল্লেখ করি য়া লিখিবেক এযুক্ত মাভানহ ঠাকুর মহাশ্ম আর খভরের পিতাকে লিখিবেক শ্রীবৃক্ত শঞ্চাত ঠাকুর মহাশায় মাত্র,প্রভেদ মাত্র আর সকলি ঐ মাত্র।

अवाख्या

रिशोकी कोहिको ७ भूरकद भूकदद् वहे किन घरा জীলোককে পত্র লিখিবার ধারা। পিকামং ও মাজামহ ও শক্তরের পিতা ইত্যাদি ঠাকুরদানা পরিজেমের উক্তি।

1 35 ME 1

 कि बाव पृशेष कर्ज्य श्रवनागानी मिंगक **একমলাকান্ত দেবলর্মণঃ পরম শুরুমন্ত বিজ্ঞাপনঞ্চাগে** তো মার স্বধর্ম সমজাবাচল ছাইভা প্রারবিন্দে প্রার্থনা স্থাপনা भूकंटक कां कि विद्यार ।

· শিৱনামা।

नवनानम नाविका आनाधिकता आनाधिका अपनी मिलका रमवीगाविजीनमभाष्ठव शकितका श्लीवदत्र स्नीतरक ्हित की दवसू।

পিডার (আঠাঞ-পিডার বুড়া পিডার মাতুল পিডার নেলে পিভার পিতে মাতার লোঠা ও মাভার শুড়া মাভার

মাতৃল ও মাতার মেনো ও মাতার পিনে ও মাতৃলের বঙ্কর ও মন্তরের পিতা ও মন্তরের জ্যেতি বঙ্করের মাতৃল ও মন্তরের মেনো ও মন্তরের পিনে ও মন্ত রের মাতৃর এই করেক ব্যক্তিকে ক্রীলোকের প্র লিখি বার ধারা

जाङ्कारकात कमा। ६ जंडीनातम कमा। भागीशृत्कत कमा। ६ भागिकशृत्ज कमा। और करत्रक नाकित ' छेकि। जाङात भोगिजी थे जग्नीश्राज्य होगिकी मानीश्राज्य भोगिजी ७ भागित्कत भोगिजी ६३ करत्रक वाकि जीत्यांटकत छेकि।

করেক ব্যক্তি জালোকের ভাকত।
ভাতপাজের পুত্রবধু ও ভাগিনের পুত্রের পুত্রবধু শালীপুত্রের পুত্রবধু জামাতার
পুত্রের পুত্রবধু এই করেক ব্যক্তির উক্তি।

109 751

শ্রীচরণারবিন্দ দেবনাভিলাধী দাসানুদাসী শ্রীমভী লবজলতা দেবী প্রশাসা পরম হিভার্থে নিবেলন কাণে শ্রীযুক্ত ঠাকুরদাদা মহাশয়ের শ্রীচরণাবস্থন মাত্রে ভার শুভ বিশেষ।

শিরন গা।

পিতার জাঠা ও পিতার খুডার প্রতি পরম প্রতিষ্যা পুজনীয়

শ্রীযুক্ত মধ্যম কিম্বা ভৃতীয় ঠাকুরদাদা মহাশম শ্রীচর: সরক দ্বমেরু।

ঐ পিতামহর ভাতা ও মাতামহর ভাতা ব্যতিরিক্ত উপরের লিখিত আর বকলকে শিরনামা দেহ ঐ মত বিশেষ লিখি ভিতীয় মুখোপাখ্যার ঠাকুরদাদা মহাশন্ন কিয়া চটোপাখ্যার ঠাকুরদাদা মহাশন এই বংশ নাম উল্লেখ করিয়া সকলি ঐ পিরসামা সভ

ে ু ী প্ৰতির প্রত্যন্তর।

উপরের ক্রিখিত ভাতঃপুজের কন্যা ও ভাতার দৌহিজ্ঞী ও ভাতঃপুজের পুজর্য ঐ তিন সম্পর্কীয় যে কেই নাড্রী পরিজেয় স্ত্রীলোক ক্রীলোকের প্রতি

भळ निथिवात थाता।

পিতার জোঠা ও মাতার জোঠা খাশুরের পিতা উপরের লিখিত ঠাকুরদাদা পরিজেয় ক্রেক

ব্যক্তির উক্তি।

। ७० भेज ।

সর্বদা ভবজা মহৎ সুখাজিলাধী শ্রীট্যাকান্ত দেবশর্মণঃ। পরম শুভাশীধাং বিজ্ঞাপন সিদং ভবত্যাতুল গৌডাগ্য সর্বাক্ষণ বাঞ্ছা করিছেছি ভাষাতে অত্রানক্ষ প্রং।

· শিরনামা।

পরম যশঃশতি সুক্জনানকর্মণীয়া
শীমতী লবক্লতা দেবী সাবিত্রী সদৃশাঞ্চনবরাধু।
বিধবা পক্ষে শিরনাসা অনবরত ধর্মারভাবু।
পিতামহী ও মাতামহী ও শ্বশ্বের মাতা এই তিন
ব্যক্তি স্ত্রীলোককে পত্র লিথিবার ধারা।
পৌজী ও দৌহিজী ও পুজের পুজবধু এই জিন হাজি
স্ত্রীলোকের উক্তি।

া ৬৯ পত্র ব

कित्रगांत्रविक एत शांतावत कामा विक्रम ममावलशिए क्रियको हुन्श्रवतका (भवी क्ष्रक्या नःश्राक्रितिक निर्वयन-कारमो क्ष्रीमकीत क्षित्रभावतिक्षम्बतः समाव्यमापात निरुद्धतः क्षरत नरताक्ष्यस्य विज्ञास माह्य मगाकः एक विरुद्धतः

一个 计算法

শিরনামা ।

नूबरमाय कठोष्कां निकाम कनाश्टम क्षत्रावि शिवा निका भिटामरी ठाकुतानी किया श्रीमणी माञानरी ठाकुतानी किया अका जनमी ठाकुतानी मिमी ठाकुतानी श्रीमत्रानी

अज़ाख्त ।

পৌজী ও দৌহিন্দ্রী পুজের পুজরধু এই ভিন ব্যক্তি জ্ঞানোককে পত্র লিখিবার ধার। পিতামধী ও মাজাখনী ও বশুবের মাত। এই ভিন বংক্তি স্তাবেদ্য উল্লি।

1 19 10 10 13 1

, भाग करामि मासिएक कार्यक्कारितक विश्वकी व्यक्ति। मधी मध्यकक्ष्मानः मधु विकालिन क्षांति व्यामात करिक श्रीत किमानक व्यक्त मेथी तुम्यक्ष्य द्विता कर्द्रम क्ष्याति । कुल चित्रका ।

श्चित्र देश।

পূর্বান্দ অনত গ্রান্থিক হব প্রানান্ত বিশ্ব বিদ্যান্ত কর্মানার প্রাণ্ডন কর্মানার ক্রাণ্ডন কর্মানার বিশ্ব বি

পিনের মানী পিনের পিনী মেনোর জাঠাই ও মেনোর
খুজা ও মেনোর মাজুলানী ও মেনোর পিনী ও মেনোর
মানী এই করেক ব্যক্তি দ্রীলোককে পত্র লিখিবার ধারা।
উপক্রের লিখিত ঐ চারিকলা ঠাকুরাণী দিদী
বস্বীয়া দ্রীলোক দিগকের অনুন প্রকীয় বাতিনী
পরিজেয় স্তীলোকদিগকের উক্তি।

१ १३ शक

पाणिसीमाजिनाविनी की हतरनाशास এकास खाविनी कीमणी जनकरमालिनी प्रियो क्षणामा मखरकाणि निर्वापन-खारत कीमधीत की हतन सूनारक कुलाररम ममान्यम श्रवतमान हाम क्षकामशिरमावः।

শির্না :

পর্য পূজনীয় কন্যোধ্য সাণ্য প্রকৃতী শ্রীমজী মধামা কিমা তৃতীম্ঠাকুয়ানী বিদী শ্রীচরণামুক্ষেয়

वाक्ष्य ।

নাতিনী সংক্রিয় ভাষৎ ক্রীমোডে পড় লিখিবার ধারা। উপরের লিখিত ঐ গকল ঠাকুরাণী দিদী সম্বন্ধিয়

1 42 92 1

ভক্তি ভবারবিন মুকুলে প্রতিপাল্য। শ্রীমতী কৌশল্য। দেবী মনোভীষ্ঠ নিদ্ধিত্বভূ বিজ্ঞাপনখালো ভোমার অধর্ম নৌরভ সন্মান গৌরব জনবরত সভত পরত প্রার্থনা পুর্নকে জনতভ্তিশেষ।

्रित्र**नामा।**

गडीय वर्ष शतिशामित्य खिडिहिड श्रिम्ही सनकटमासिनी त्वरी सत्त्रवागरण्यु । পিতা ও জাঠা ও খুড়া ও মার্ল ও মেগোলু ও পেনে ও,খণ্ডর এই করেত বাজিকে পত্র লিখিবার ধারা। পুত্র ও ডাঙ্গংপুত্র ও ভাগিনের ও আল'পুত্র ও ভালক পুত্র ও জামাভা ইভ্যাণির উল্লি। ৭০ পত্র।

পদাবনত ভূতা ঐ কিথা দেবক জিংবদোহন । বশস্থানঃ
প্রথামা পরমাজততে সকল নিমিস্ত নিবেদ্নঞাগো মহাশত্রের জীচরণ সংগ্রাক রজে। শির্ধার্য্য মাত্রে এ ভূতভার স্বাক্রিক মঞ্জ বিদেশ।

निवनामा।

প্রমার্কনীয় কিয়া প্রম প্রদানীর প্রীযুক্ত পিতা সাক্র মহাশার কিয়া কনিও পিত্বা ঠাকুর মহাশার কিয়া মাজুল মহাশার কিয়া পিলে মহাশার কিয়া মেলো মহাশার জীচরণ সর্সার্করালেয়ুঃ

প্রভূতির। উপরের লিখিক

পুত্ৰ ও ভাতপাত্ৰ ও ভাগিনের ও শানীপুত্ৰ ও শালক পুত্ৰ ও শামাতা ইত্যাদি কয়েক বাজিকে পত্ৰ

পিতা ও জোঠা ও পুড়া ও মাদুণ ও পিলে ও মেনো ও শশুর ইঙাানি কমেক থাজিন উজি ।

। १५ मता

ভাবশা পুষাশীকাদক শীক্ষণাহান্ত দেবশর্মণঃ পর্ম শুভাশীবাং রাশয়ংগত পর ভোমার গৌরব সৌরভ উত্তৰ সর্বদা প্রার্থনা করিকেছি ভাষাতে অত্র শুভ বিশেষ,।

र्मत्रभाषा ।

পরৰ পোজারৰ প্রাপ্ত হরমোহন চটোপাখায় কিছা ঘোলাকৈছা নমু বানাজাত চিরজীবেয়ু । নাভা জ বিশাভা ও ভোঠাই ও গুড়ী ও পিনী ও

वानी ७ मांच्यो इंग्रानि क्टर्स अदिलाक्टक मञ्जू निश्चित्र स्वित्र

भूख । सभी भूक कार देवत भूक ए एम रहत शूक कारण के कारण के अधी भूक के भागार है जाति

क्रिक्षक आक्रित के कि। १० शब

भागितक एका के दिश एतदक की बादक छाए (स्व नर्भारः व्यक्तिमा श्रद्रभाग क्या अका कि पछ निर्द्रमणकारमी की की व किंद्रमणका नदक भावत मार्ट्स अल्ट्डाइ म्हांबिक स्थम विरम्भवः भिद्रमाथा।

प्रमाणमीत किया प्रमाण श्रमणीया श्रीमणी माणा ठीडूतांनी क्या विमाणको हुनांभी किया प्रमाण हो ठीडूतांनी किया माल ख्या ठाकूतांनी किया शिष्यमा ठीकूतांनी दिया माल जानी ठाकूतांनी छ ख्यालजी माणा ठाकूतांनी कित्रन महाभिक्षतार कर्म

व्यक्तित्व ।

त्रक ६ वर्ग हो अ छा छ दाई शूख ६ तमरदाव शूक ६ जाणः शूख ६ जा निरमम ६ खामाछा हेणानि करम वार्षि खोरगाकरक श्रेत निर्मित्व धादा माछा ६ तिमाछा ६ तकार्राहे ६ थूछी ६ माङ्गाही ६ शित्रो ६ मानो ६ माञ्जो वह कर्मक वार्षि खोरगारक स्ट्रोक । १७ श्रेत

भवना भूषा मेहाब, शांतका श्रीयको प्रदानमंत्री त्राची शवमस्यामीयाः वामसःग्रह श्रीतः एकास्त्रिक स्थाना अस्त्री श्री चारन गर्मका श्राचिमा कडिएकहि कार्यएक अवस्थल दिएलार

वर्षत व्यक्तिमांवर श्रिष्ट चान-महत्त्व प्रदेशनायाव

शिका (काठा ७ भूजा ७ माक्स ७ विट १ वर्ग), ७ समा देशा स करहू का विकास है । स्थार

शत कि विशेष भोड़ा।

कना। ७ डांडकमा। उसी कमा। ७ भागनर हमा। ७ नावित्र कमा। ७ मृद्धवत्र अहे करहत वाडि श्रीरणारकत डेजि।

199 951

প্রিরণ কমলালিকে দালা শ্রীনতী নক্ষারী দালা। প্রশাসা সভস্প নিবেদমগালে সহাপায়ের প্রিরণ স্বরণ মাত্রে অর নঙ্গে বিশেষঃ।

बिवसम्बा ।

প্রাজনীয় পার্য পুজনীয় জীয়ুত্য শিকা ঠাকুর মহাশ্ব কিয়া পিতৃত্য ঠাকুর মহাশ্ব কিয়া শিকে
সহাশ্ব কিয়া নেতৃয়া মহাশ্ব কিয়া খণ্ডই
ঠাকুর মহাশ্ব জীচরণান্লয়ত্মশ্

প্রকার ব

कता। ह जाककमा। ए छादी ध नातिक कता। ह नाति। कता। ह गूख्यध् और अरमक गालि खोलावरक अब सिसिस्य भागा।

লিছা ও জোঠা ও খুড়া ও মাজুল ও পিলে ও মেনো। এ মাজুর ইত্যাপি কমেক ব্যক্তির উক্তি নি

। कि भीवा।

क्षरमा प्रमानि स्वर केवाकी परमाहत होते हैं।

পরম জভাশীর্বাদ বিজ্ঞাপনজানে ভোমার মুবাভিলাব পূর্বাশীর্কাদ করবে জামার সর্বত কুপল বিশেষ।

भावसभा ने वाहर के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र है।

বিধিবাকে লিখিবে জ্যোকিংন্যান্তিত্ব।

মাতা ও বিনাছ। ও ভোটাই ও খুলী ও মানী ও পিনী
ও মাজুলানী ও মাত্ৰী এই করেক তাজি ত্রী
লোককে পত্র লিখিবার গারা।

किया ७ चभड़ीकमा ७ ज करतत क्या ७ त्वरतत क्या ७ जावी ७ जाककमा ७ जवी क्या ४ भूजवर्ष करे करहक राकि व्योग्यादकर किंकि। १२ श्रेष्ठ।

প্রামাণত সংলাপ্তকে নাগা ক্রিক্টা বালক্ষারী দাবল প্রথামাণত সংলাপতে নিবেদনহলতে শ্রিক্টার ক্রিটার ক্রিটার করিব লাল্ডির বছানিবসার্থি শ্রিম্টার ক্রিটার করিব লাল্ডির করিব তে পর্বাহ্ধ বেলনা তারা নিবিধার করিব লাল্ডির পুর্বাহ্ম বেলে মতাল লামার প্রতি থাকিত তেরে ইতিমালে বারেক তুইবার জনেক লোকের বারি করিব করিব প্রামার তাদুকে প্রামার তাদুকের করি নাল্ডির করিছেন সে কিনল ক্রামার তাদুকের করি করিব স্থাবন করিছা নহনের বারি নরনে সহরণ করি বলন নিকটারা ছিলাম ভ্রম বালিকা ক্রামের করিয়াম ভালার বিদ্যালয়ের করিবাম ভ্রমান্তরে বিভাগির নাম্থিত নমন করিছাম ভ্রমান্তরে করিয়া করেব মান্তর করিয়াম করিছাম করিয়া করিছাম করিছাম করিছাম করিছাম করিছাম করিছাম করিছাম করিছাম করিয়া করিছাম ক

शाम कर माहे अध्यय निकाशकित मरामग्राक कहिटवन अक यात मन निगरतं क्रवा क्राधारक लड्ड स्ति क्रांस क्रमक कमनीत क्षिप्रता कर्मन करिया उक्तिकी छही खिवडी एक्क्रेक লভার সহিত বির্লে ব্যিষ্ঠ, অন্ত:করণের গোপনীয় ভাগের कथा करिया मध्यत्र अधिनाच मुत्र कॅलिव मिटवमन डेडिं।

भटजेत इंडांड ्य निधिनाम व किरम बनने ह श्राह কন্যার উন্দি পুজাবধু প্রভৃতি যে ধর্মন মাহাতে পঞ্জিলি-विक भाषा विषय केरिया किरिया किरिया केरिया विविद्ध है। है। শিরনামা।

> शतम दक्यांद्राधीरम भवम शूक्रवीरम जीमकी भाषा-रेड्यानी क्या गुष्ते शक्तानी क्या माद्यानी तिल्डानी किया अधिमाकाठीकृहानी शिह्यन चरम्।

व्यक्राखत् ।

कता। मल्यो करा ६ खाखरहर ६ (मबद्देश क्या) अधीत अगा खाककना क कांगे क मुद्रवद वरे रहाइक वान्य द्वीरताकर रहाश्वीरताहकत পত্ত লিখিবার ধারা।

भाषा व दिमाचा अध्याताई अधूषा क मानुगानी क्य मांगी व लियों व मालकी वह कट्यक वार्तिक औरगारकत छेन्ति। ॥ ०० भड ॥

श्रीश्रथ मञ्ज्ञाबरमाकमार्थ गाकुन श्रामा मनना मनना শ্ৰীনতী তিত্ৰাক্ষমা দ্বাস্যা পরস শুসামতি লাভভবতি বিজ্ঞা श्रमकारमा कामाव क्रियकम लियकमा आगिममा क्रमक करवा सूक काविरमंगर केशमात्र ध्यरमाहित भक्त आंख हात्त्व सनुन 5 1

निवासिक श्रविद्य बक्ताश्वास श्रांशना श्रांश छिनित नाश्वः स्वतः
नीटन श्रेवांत श्रार्थनाञ्च श्रद्ध क्याल सृत्यिश विद्युक्त साद्ध्य
कामात्र करूना श्रिमिक एक त त्रहमावटना कर्माय श्रार्थिक श्रिका ।
तिका श्रेवाम रामवित श्रुवि श्रांगि शिका (भावाश्वत श्रेवा ।
त्रिका श्रेवाम रामवित श्रुवि श्रांगि । श्रांशिश श्रुवा (वर् नर्वेत क्रिया नर्वे । वर्षा नर्वे । वर्षा मित्रा ग्रेवा । वर्षा नर्वे ।
विवास मित्री । श्रुवा हरे । वर्षा किर्द्धिक रामानि श्राप्ता का ।
व्याप श्रिका श्रुवा वर्षा स्वत् । वर्षा क्रिया । वर्षा श्रिका श्रुवेद ।
श्रिका श्रिक देकारण क्रिय । विद्री श्रुवा भित्री श्रुव श्रवेद ।

चिद्रमागः।

ক্ষণ নৰকা প্ৰিকে প্ৰাণ্ডিৰ বিকে প্ৰাণ্ডিকে প্ৰিমনী নাজকুমানী জানকুমানী মুনশাংগ্ৰী লামনা পূৰ্ণেছু। কোৰ্ডিৰাছা সংলাদৰ এবং বৈমাজেন ও লোচিন খুড়কুছ ও মামাক ওলিজন ও মাজত ইন্যাদি কলেক। ব্যক্তিকে পত্ৰ জিভিয়াৰ খালা।

ले मलाबी व कहिए छाउन छाल । में नहां।

• সেবক শ্রীন করুমার সামবস্থাণামা সংখ্যাতিবিক্ত নিবে দন্ধাণে মহাশধ্যের জীতরণ আর্থাণ একুরীতি জ্ঞান রহিত ডুড্যের অহিক পার্ত্তিক স্থায়িক বাচনিক দ্র্যাথে ওভচ্চ ভবতাথিপুশ্বঃ

चिह्नामा।

পরিশ পুজনীর জ্ঞীয়ুক্ত অত্তন্ত লাগানহাশর
ক্রীগরণোপাত্তবু
ক্রোকির ও গুড়হত ইত্যানিকে জ্ঞীয়ুক্ত গ্রেক্ষ বসু
বাদা নহাশর কিয়া জ্ঞীয়ুক্ত রাধাক্ত সর্কার
ভূতীয় কাশা মহাশিষ জ্ঞীচরণ কমলেবু

ক্ষিত ভাতা সংহাদর ও বৈদাতের লোঠতত ধুড়তত নামাত ও পিসতত ও মাসতত ইত্যাদি করেক ব্যক্তিকে পত্র লিখিবার ধারা। ই সম্পত্নী য় জোঠ ভাতাদিগের উক্তি।

॥ ५२ लेख ॥

অত্বিশ্বৰ্য প্ৰদানাৰ্থ ভৰ্ত্ত্ব্যধনাৰ কৈ শ্ৰীনহেন্দ্ৰনোচন দানবনু পাৱন শুভাশীৰ্কাণ বিজ্ঞাপনঞ্চালে ভোষার রাজে। দক্তি শ্ৰীক্ষী করিভেছে ভাষাতে অত্তানন্দ পারং।

হিসা অবশ্য প্যা শ্রীগহেন্দ্রমোহন দাসবনু পরম গুড়া শীকাণ বিজ্ঞাপন্দাবে ছোমার মঙ্গ শ্রীশ্রী করিছেছেন আলাতে অভানক পরং।

শিরনাম।

खराधित क रवाकिक साराधिक सीयुक्त मन्त्रकृत्रात मानवसु कारामीणे विरक्तीत्वतु।

শ্রেষ্ঠ নহোদরা ভাগনী ও বৈষাত্তের ভাগনী ও জাঠভত ভাগনী ও খুড়তত ভাগনী ও নামাত ভাগনী ও মান্তত ভাগনীও পিতত ভাগ্নী ইভাগে জীলোককে পত্ত লিখিবার ধাবা।

करिये जाशास सेकि।

一十七の 外海 「

পদাবনত ভ্তা জীশিবসকাণ দেৱশর।: প্রথামা শৃতকোট নিবেদন্ধানে জীমভীর জীতরণ ধ্যাম করণাৎ এ ভ্তোর স্কালিক নিভাব সম বিশেষ।
বিরন্ধা

शहराजनीय जीमकी (कार्य) कृषिकी विकि शक्तु होती

वे शुद्धाः अनुष्टत

कृष्णि जाचा ग्राह्मक इतः देशारकत । व्यावेश्व शुक्रक अर्थाक शिल्यक । सामक रेशांकि स्वतंत्र शांकित्व जोत्नात्त्रत्र ग्राह्म

ि निविधाः अभा।

ক সকল: সম্পদীধ জোগ ভায়ি নহোত্র। ও বৈদাতের ক্রেন্তিভ ক ব্যুক্ত ও মানাত ও পিনক্ত মাস্তত ইকান্দি করেক বাজি জোওভারিত

ः केंग्रिस भन्न भन्न ॥

भारता श्राहितामा कियांक सामस्त्रकारी (मरी) भारत कालीकाम विख्यांत्र प्रधारको स्थापाद सम्पूर्ण सन्त्री माजार्व केशियारम श्राहिता क्रिट्टिक स्थापक स्व स्थ-विस्मारी

প্ৰম কল্যাণীয় জীবুজ শিকালকাণ ভটাচাৰ্য্য কলিও লোভা চিন্তিব্যালয়

ক্ষিত্ত লিক্ষেত্র ও বৈমাত্রের ও আঠ চক প্ থুড়ত ও মামাত ও পি সভাও ও মানত ত ইত্যাদি করেক বাতি প্রীলোকক প্রামিকিরে বারা।

शेष्ट श्राह्म । शेष्ट श्राह्म ।

भारत छान्। स्थान के शिल्लाहरू का के स्वतंत्रकार । जन के अन्यत्रकार विकाशनकार को लिया है कहा एक इस का का का का समावार ।

निवस्ता ।

शातम ताहा कि विकार को सामा का प्रतिका की मही अमर्थन। दस्ती महिन्य व्यक्ति वार से मुक

क्टानद्वीमुगी।

প্রভাউর।

জার্চ ভাতা নহোদর ও বৈমাত্রের ও জাঠতত ও ই তত্ত ও পিদতত ও মামাত ওবাসভত ইডানে থয়েক বাজিকে পত্র লিখিবার ধারা। ঐ সকল কমির্চা ভায়ের উল্লি

11 65 PE 11" 5 1000

(त्रश्नुवश्काशिकनी क्षेत्रको अवभूती (क्यो धाराम शक महास निटबनकाटश महासद्यत किन्तुर्ग धानि काटन सात महास डिटमंगः।

শির্কামা ।

পরম প্রনীয় প্রীযুক্ত ভোওঁলাভা দাদা নহাশর কিয়া মাগ্য দাদা মহাশ্য প্রতরণ কমলেণু। ভোড়াননী বংগাদরা ও বৈমাতের ও জোঠতত ও খুড় ভঙ্ক ও মামান্ত ও পিরহত ও মান্তত ই চ্যাদি কংক্রবাজি কোর্ডাভিনীকে পঞ্জ লিখিবার ধারা। ভ সকল কনিষ্ঠ ভাগীর উক্তি।

॥ ४१ भंड ॥

লাগা প্রণতি ন্থতি মিনতি পুতার শত শত নিবেদনটালো
লাগা প্রণতি ন্থতি মিনতি পুতার শত শত নিবেদনটালো
লীমতী পদপলবার্তার সমাপ্রায় মাত্রে অন্ত কুশ্র বিশেষঃ
লারে নিবেদন মধাম তথ্যীপতি মহালার সাংগ্রের কৃতি কিন্তবিদেশ গিষাছেন ভাষার চাকরির কি হইরাছে সংবাদ না পাওাতে ভাবিত আছি লরে আমার শুভাশুভের বিশ্বর সকলি জাত আছেন লিখিয়াক লাবাইব চারোগ্রাম হইতে চাকরি করিয়া গুলে আনিয়াছেন ভাষা প্রশারাক শিলা

MINICALE CO.

নীর বাাবি মালাল চারা লিইবাই বিবেচনা করিলা সমোচিত চিতি- নালাল করিলার অন্তবন বাজনন্দ বছক বানিলা বাই শ টাকা আনাই প্রিকাশ ভাষার মধ্যে বারোটাকা মূল লাইলা কানান্তবে সিলালে অভ্যান মধ্যে বারোটাকা মূল লাইলা কানান্তবে সিলালে অভ্যান করি আনান অদৃষ্টে কি লিখি মালে আমাকে কোন বিধাভার গড়িয়াত ছিছি এখন প্রেকাশ করিলাল কিলালে বিধাভার গড়িয়াত ছিছি এখন প্রেকাশ করিলাল কান্তবাছিলাল যে এক সিন্দ মনের মুখে রাজ শেতি কলালে কান্তবাছিলাল যে এক সিন্দ মনের মুখে রাজ শেতি কলালে কান্তবাছিলাল যে এক সিন্দ মনের মুখে রাজ শেতি কানাল কান্তবাছা নালের আহে বিধাভার ছিলাল কান্তবাছা নালের আহে বিধাভার ছিলাল কান্তবাছা নালের আহে বিধাভার ছিলাল কান্তবাছা বাজনার বাজীতে বিদ্যাল কান্তবাছা বাজনার বাজীতে বিদ্যাল কান্তবাছা বাজনার বাজীতে বিদ্যাল কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা নালের আনি কান্তবাছা নালের আনার বাজীতে বিদ্যাল কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা কান্তবাছা বাজনার বাজনার কান্তবাছা কান্ত

चित्रवाश।

मन मुवाबिनावानिकान नातिका पर श्राविशाधिकां (बार्ववयो विया दिजानी श्रीभनी वर्षक्रमा वेक्तिनी सिवान स्वटब्या

किन्छ। मटश्मना ७ देवगाद्वम ७ ट्याठेड ७ ७ थुए ०० च मामा ७ शिन्छ माम ७ है। कि करस्क राजि कमिछा डमीटक लक लिखितान थाता। च वे मकन मुक्तारी में खीन छेकि। ४४ लख।

ाउमा निकास धारा निका मार्ग मा मार्थन जावितक के मार्थ करू रूप। मानी शत्रम का निकास विकास स्थापन शत्रम शिक्ष र तम। शिक्षकत कावना ज जब करेगारक स्थापन स्थापन र नर्थन।

विक्रीय भारे।

विषा अ विश्वासी अमेरी एक स्था स्वापः शतम अधा-

नौकांच विकालनकांदश दर्शमाव मकल जैजीकारत आक क्षिर्क्षा कार्राटक कर्ज बक्क विटमभः दर्भात जीक्त्रः क्ष लाह किलि वृक्षे कतियां श्रीदर्ग शतम इःचिक स्टेनाम हाताबि बिली हेक्। जीय धानाहिटक किन्ही किनी भानम किराबा-जिमिटक दिलाजियक अध्वेह लोहे व्हेटक श्रुमवाह आ মাৰ ভূঃখের কৰা ভোষাতে ল'নাইয়া ছোমার ভালিক আৰু বিজ্ঞা জালিত করা আমার উচিত নতে তথালি সং ্ষত্প ুলিপিলার: ফিঞিব জ্যাত করিতেছি ক্ষামান ভাগি নীপতি নাহের্বর মকে যে চাক্রি করিতে বিয়াছেন গুলি-য়াছ দে চাক্রিডে বিপরীত চাক্রিউপজ্জি শ্রহাতে হয় वेनकः। त्वांककाव कविषाधित्वस काश् विमुखाकेटेराव योगः। चंद्रप्र क्रीट्स्ट्रास्ट्र स्थान्। क्लेक ज्ञांच क्लाइन काला केलिक स्हेट्नमहि स्थानाता स्परम नाचमा करिया व्यक्ति शांक (यम्ब (बाम इनेटन्ट्स १० याहार केक (अमान नर्मक অতি কুম্বানে চট্টে পাদ্যান মহাসংগ্র পুরুত্তরা এক এব জন इक अक बद्धित भगाना वाद्धितक साकाबाद करान मधा ाव धान शांकिटन आणा कर्नाटकर कालि वक् वियम । नवांदन नरमात द्वार्थ भारत नामातक विभिन्न त्याम व्याप वस लक्ष्या विद्वहमा कविच मध्या भाषात्र । ए प्रणा । श्रीमात रमहे नभा छहे क्विनीट धूरे एउका बनाय दानिया अस्म श्रीदेश मार्ड किनिएशकायांग कवित विकि कि निवित ि निहमागा। 要fa 1

लागानित्क श्रीमञ्जी अस्तिकामी मानी कि श्रीमिन नर्स मुद्रथ नमस्त्राप्य विश्वसीद्वस्ता

জীলোকের স্থামীকে পত্র লিখিবার ধারা। জীর উক্তি। দম পত্র।

किहतन नवती निवानिना नादन (अवनी माती किन्छ)

মালভীনপ্রী দেখা প্রণারহা থিয়বর প্রাণেশর নিবেদন
কানো মহানুরে প্রাণার সরক্ত অরণ সাত্রে অন্ধ্র প্রভাগ
শেষ পরং নিবেদন মহানার ধনাভিলাবে পর্যেশে চিত্র
কাল কাল্যাপন করিছেছেন যে কাল হবণ করিয়া ছিভী
ল ক্তিলর কাল প্রণার হিইভেছে ফত্রর পরকালের কাল
কাবকে কিছুভাল সভ্তনা করা ছুইকালের মুখোদর বিবেচনা
ক্রিবেন ছিভীর কালের সাধনের ধন আদরামুভ ভূভীর
কালে কালানুশারে কালকুট বোধহইবেক অভ্রব বহুকাল
কালন্ধ মনে উদ্ভব হয় যে আগত কালে আগত প্রায় এই
রেপে আগত আগতে ভাবিতেই হাল্যাগত উন্নত্ত্র অধ্যাত্ত
প্রায় হইয়াছে অভ্রব লাগ্রত নিজিতা নাায় সংযোগ সপ্র
লম প্রভাগে পুর্ককে প্রতিরণ যুগে স্থানই প্রশান করু

ब्लिज्ञामा ।

জাহিক পাছিত্রিক নিজার কটুদ ভবার্ণব নাবিক প্রিযুক্ত প্রাণেশ্বর মধ্যম উটাচার্গ্য মহাশ্ব পদপ্রবাজ্যর প্রদানেশ্ব।

> ঐ সম্প্রকীয় খিতীর পাঠ। স্বাদীকে স্ত্রীর পত্র লিখিবার ধার।। স্ত্রীর উল্লি। ১০ পত্র।

শ্রীচরণ দেবলাকাংক্ষিদেবিকা শ্রীমকী গোরীবনি দানী শ্রুণামা শভসংস্তা নিবেদন্ধানে সহাপ্রের শ্রীচরণ স্থারণ মাত্রে অত সঞ্চল বিশ্রোমঃ।

শিরনাম।

প্রম প্রদীয় উত্ত মধ্যম ঘোষক মহাশয় মুমাক্রেষ্

कान को प्रती।

প্ৰভাৱৰ।

প্রথম পাঠের আপন জ্রীকে পত্র লিখিব'ব ধারা।
শামীর উক্তি।
। ১১ পত্র ।।

रेमा दस्त्र स्वा

म्हा का नाम मुस्ति । स्थापिकः स्थापः अतिका निका हो मही भागकी मुक्ति । भरी गाविजी

वर्गाखंड कर्।

স্থামীর জ্যেষ্ঠ ভ্রান্ডাকে স্ত্রীলোকের প্র নিবিধার ধারা। ভাতন_{্ত} উল্লিখ

॥ ५० माज ।

मानानूमानी (सशक्तिम्यी कीमकी श्रीनंभानी (मवी।

कामर केंग्जी।

প্রণামা শক্তকাটি নিবেরনঞ্চাদৌ মহাশহের ইচরণ করে। মাত্রে অত্ত ভাউ বিশেষ।

मिहनांग!!

भारत भूकतीय खेयूक प्रशासक केक्ट्रिक ग्रामह

প্রভাগাইর !

জানসংক্রেপ্ত । লখিলার ৮০০। অধ্যুত্তের উচ্চিত্র ১৮৮১, না

नमा २ वर प्रतामाभागक विद्युष्ट ब्राम्पनात । १२ श्रही १० श्रीम खन्न निकाल्यानकारमा है ५६ देव है। अर्थानी ५ काम खनान माद्य अद्व अनाराभय।

শির্নাম্।

मनः खनान्छि चनमं स्किन्। जिल्हे दिश्वी कृतिक खाळ्यती कि. की.वर्

(मात्रसारक्ष्णित्यम् १००० । १४४।त मारा । जनत्मन देखि । ५८ १७० ।

शिव्यविष्ट पृष्टा है। दिया त्यक में व्यक्षिण नामवश्च खन्यामामचत नित्यमनकृष्टमी की वर्षीत मिक्का खनामार क एटकात कांत्रिक भागनिक विषयिक मानादिक खडिरताम्ह। सित्रमाभा।

গ্রন পুজনীয়া শ্রীমড়ী জোষ্ঠ লাতপারী বিদ্যা মধাম আছ পাড়ী নাভা ঠাকুরানী শ্রীররবোপাঞ্চেদ্র: প্রভারের নির পাত্র,

तका महाभोगीक पाहिता जीएकी विश्वा अखिशालिका वीत्र हो आनकारही माही शहर खडाभोगार हामग्रहमञ्जू शहर कार्यात आन्या विविद्ध देवा भीजी कविष्ठ हम कार्या क

ब्रान्टकार्गी।

1

भित्रामा ।

পর্ম থিমবর দেবর প্রীযুক্ত রুক্ণানন্দ দাবিসু

শতেনী তে চিন্নজীবেষু।

ক্ষার্থ শ্যালক ও জার্ঘ ভগ্নীপতি এই দুই ব্যক্তিকে

পর লিগিবার ধারা।

ক্রিক ভগ্নীপতি ও কবির্দ্ধ শ্যালকের উচ্চি।

১৮ পরা।

নাক্ষাজ্যনী শ্ৰীপঞ্চ কিলোক দান ছোষ্যা। সহিন্যা পুলিক সমক্ষাতা বিধেননক্ষাপো মহাগ্যের অনুটা। জন্ম মাত্রে ধরু শুভিহিত্যদ।

रिमाद्रमामा ।

সংক্ষেণ সময় সমাজ্য প্রিক্ত কারু গোলিংসকলে করা হা ছত্তিক মংগ্রেক সংগ্রেক করা

CHETTER !

ক্ষিষ্ঠ দলী বৃদ্ধি ও কনির্দ্ধ শাগুলককে গড় 'লিবিষার দ'র।। ্ড ই শাগুলক ও জোই ভগ্নীপাছি দিন্দি।

३,७ शक्ति ।

खनना भुषा शिर्माविक्षाच्या प्रश्न वसू गरेन सुका जिलाय ज्य विद्धार्गानकारमो स्थापात सूचिता क्यारा अवन पार्ख खड खडांवरमव। सिन्माना।

गर्काळपाडिविक श्रीमुङ शङ्गाकिरणाः । भागक श्रमाखरस्य।

জৌলেনদ ও জোক। ভাজু এই চ্ছ ব্যক্তি স্ত্রীলোককে স্ত্রীলোধের পত্র লিখিনার ধারা।

किमर्थ भगम ७ कमिले। जालू এই छूहे खीटलाटकत्र छेजि।

अनुबर्शाबदक अकिलानिटक दीमकी कुरूमनि मानी ।

े श्वनामा निट्यमनकारमा श्रीमिक्ति श्रीजश्मामीकारम अब ७७ चिरमधः। अस्ति भित्रमामा।

পরম বন্দনীরা জীর্মতী জ্যেষ্ঠা ভ্রাতপ্পত্নী কিয়া প্রতিষ্ঠা । ঠাকুরাণী আশীর্কাদ প্রদারিনী সুপ্রসন্মায়।

প্রভার।

किन्छ। नमन ६ किन्छी डाख्नु এই छूई, वाक्ति औरगांकरक भव्य जिथियांत्र थात्रा ।

(कार्ड) समय ও कार्ड। जाजू এই एरे और शादकत

লোক্তালাড়কে ভবইব ভাবিকে শ্রীমতী রাধামণি দংশী। পরম মুকলাজ বিজ্ঞালনফালো তোমার প্রিয়বর প্রাণেশ্র নির্ম্বর কৰাক্ষর ভাব ভব ভবৈশ্বতে অত শুভ বিশেব ৮

শিরনামা।

নিবাদক হয় প্রিয়বরা জীমতী রুজমণি গাবী বিবাদিশি আদরামূহাভিহিজেলু। অধাপক ভট্টাচার্যাকে পত্র লিখিবার ধারা। চাতুর্বিধ জাভীয় চাত্রের উক্তি।

१०० वास ।

পদাবনত ভূত্য শ্রীষ্ণবিচরণ দেবশামাণঃ। প্রেমা পরিমাণাতিবিক্ত নিবেদনগোনো শ্রীঞ্জনদেব ভট্টা-চার্ব্য মহাশ্যের শ্রীচরণ কণা কির্নাঞ্জন গ্রহণ মাজে দিব্য জ্ঞান লোচনান্ধকার বিমোচন বিশেষ।

শিরনামা।

দেহান্ত মরণ অধীর দোষ বিদাশ জ্ঞানাভিলার প্রকাশ করা কর্তৃক সদা শুভাশীর্বাদক প্রত্যাধিক শ্রীগকা কিশোর উটাচার্যা গুরুদের ঠাকুর মহাশহ শ্রীচন্ত্রণ সর্বসক্ষরাজের।

क्छांनदकायुनी।

্ প্রভাব ।

ा। ३०५ अखा।

সদা শুভাশীবাদ দামক জীগঞ্চাকিলোর দেবশর্মনঃ।
পরম প্রয়োজন লাভ ভাব বিজ্ঞাপনকাদৌ তথানার সুধী
রঙা নৌরভ গৌবব কাভুল বৈত্তব ভবদারা ভবাদর নিস্তুল
প্রোধনা পূর্মকে জন্মকিং শুভদিশেষঃ।

सिंदनाया।

নান্য শাস্তাদি ভূমিত আজিত গুণসাগার পরম তিচারের জীলে জীলুত অধিকাচরণ বিধ্যাবাণীশ

श्रीतका स्वितः

কিয়া **ত্রীযুক্ত রাপ্তিনাহন** লেও কলা চিন্তুশ্লীকে

विकीत येख गमाल .

war the think

ভুতীয় ধন্তবিদাং।

প্রান্থ দিবাকে শুক্তর পত্র নিষ্ণাধ্যা। প্রান্ধণ ক্ষতির বৈদ্য এবং স্ক এই চারি এ(চি পুরুগ ভাত্তের উক্তি: ১০২।

অদাননত ভূতা এটে ভরবীশরের দে।শর্মণঃ । কিয়া দাস ঘোষাগ্রণামা সংখ্যাতিরিক্ত নিবেদনগাদৌ মহা শবের এতিরণ অরণাভরণ করণ নাত্রে ভাতসিদেশব।

শিরনাম।

পরমারাধনীর পারম পুজনীয় শ্রীযুক্ত গরারাম চক্রবন্তী জ্ঞানোপদেশক গুরু ঠাকুর মহাশ্য শ্রীচরাগারবিদের বু

অবশ্য পোষ্য জীগশারাম দেবশর্মণঃ। भारत करा नी सीम विद्धालनकारनो का मात महल औष्टी। স্থানে নিয়ত প্রার্থনা করিছেছি ভাষ্তে আমার স্কার্থে मक्त इस विटम्स

শির্থামা।

পরম কলাণীয় শীযুক্ত ভৈর্বীশক্ষর চট্টোপাণায় ' मत्नाजीके मिटक्षम ।

ক্ষাত্রিয় বৈশ্য এবং খুদ্র এই ভিন জাতি শিকাপ্রকাকে পত্র লিখিবার ধার। ব্রাক্ষণ ছাত্রের উক্তি। ১০০ পতা।

আজাকারী জী অশোশরাম দেবশর্মণঃ। भ्रव खल्मी हार वा भारत्य श्रतर महा भट्दत अनु धर्थिह बाद्ध एक श्रिटमंग ।

मित्रामा।

জানাকি প্রদায়ক জীয়ক ঘটের মাংক্র শিকাশুর মহাশয় নমাশ্রের।

এই शिवनामा धावाट कमा कमा भिका शक्रक छैल। ধি বিশেষ করিয়া লিখিবেক।

ক্ষতিয় শিকাঞ্জুকে ক্ষত্রিয় বৈশ্য খুদ্র এই ভিন জাভি हात रमवक छी भारत थाता माफिक विस्थि कतिया निश्चित्वक ।

্ পুরুষ্টের।

ব্ৰাহ্মণ ছাত্ৰকৈ প্ৰত্ৰ লিখিবাৰ ধারা। ১০৪ পত্ৰ। ক্ষতির বৈশা পুত্র এই ভিন্ত লাভি শিক্ষাগুরুর উজি। मित्र के बाल्येश्वत बारहास क्रिया देवणावटर्ग निविद्यक किनामदलन, मान् किया दनन कर किया एकदर्ग लिक्टिक

দান ঘোষ কিছা দান বসু প্রণামানস্থর নিবেদন্দারে আপনকার অনুগ্রহাশ্রেমে মাত্রে অত শুভাঘনেষ :

পরম পুজনীর শ্রীযুক্ত অংশাকনারায়ণ চট্টোপাধ্যার বাবাজীউ মমানুগ্রহিতেষু !

মুসলমান শিক্ষা গুরুকে পত্র লিখিবার থারা। প্রাক্ষণ ক্ষরিয় বৈশ্য এবং পৃত্র এই চারি ম্বাভির উক্ষিঃ।

1 ১০৫ পত্র ।

ধাত্তরদার বানল জিটকলাশচন্দ্র দেকশর্মণ:।
কিন্তা বর্মাণ: কিন্তা দেনস্য গুপ্তান্য কিন্তা দাবস্য ঘোষন্য
নেলাম বহুত বহুত ছাত্তেবের ক্রম পাহনারতে বান্দ্রান্ত ভা মাম প্রেএবেধাবিসোদ।

विवत्रामा ।

्रणां को कारमणातमा शमार्यत (किन्छ) श्रीरेहरकत्रोयस् आणि अञ्चान को गाउट्य कण्टयम् । अञ्चलका

ব্যাকাৰ ক্ষাত্ৰিষ্ঠ হবং শ্ব এই চতুৰ্বিপ সংজ্ঞান পাত্ৰ নিধিবাৰ ধায়া। মুসলমান শিক্ষা প্ৰকৃত উক্তিঃ।

1 ১০৯ পুর :

বাদওলত প্রবেশে একজার ফেরনার জীমিরকেরাম-ভালি দোরা বছত বছত ভোষার হক আদাধ এরদান হক ভালা দরওগার হামেহাল হোনজ বনিগা বাহাল ছুরভ বমোস্তবে গরিব দোয়াকোনেন্দার গ্যার ছুরভ বেহেতর গোদ। শিক্ষাগা।

নেক কেরগার জীযুক্ত কৈলাশচন্দ্র চটোপাধ্যায় বাপামান মেনেগানি থোন্তাবা বাহানের শিক্ষাঞ্জ ভাত্মণকে পত্ত লিখিবার ধারা। ভ্র.কাণী ক্তিয়াণী ইয়েখানী এবং শুদ্রাণী এই চাতুর্বিধ ক্ষাভি প্রীলোকের উক্তি।

া ১০৭ পত্ত !!

कानाक्षत्र छेशार्कन विभिन्न शर्मायम् । भागा। शिवशे प्रदम्भती (पत्री खनाया नाष्ट्रकाष्टि विद्रममक्ष्रीरभी यश्चारम् क्षेत्रक खनारम् अ त्यवदक्त कारीत्रक कृत्वव विद्यास।

भि:तमांभः।

পারম পুজনীর শ্রীসুক্ত নিরপ্তন চক্রবন্তী শিক্ষাগুল্ল মহালয় শ্রীচরণ সংগ্রেষ্টা

প্রেক্।স্তর:

ভ্ৰাৰাণী কাজিয়ালী বৈখ্যালী এক প্ৰচাণী এই চাডু কিং তাতি দ্বীলোককে পজ বিভিয়ার ধার। . লাক্ষণ পিক্ষাগুরুয় উক্তিয়া

।। ५०% शख् ।।

পর্ম শুভাশীর্কাদ জিনিরঞ্জন দেবসর্গাংঃ পর্ম শুড়া। শীষাং রাশয়সেত্ত পরং প্রিমভীর শ্রীয়াংশ সফলভা সর্বাদ্য প্রার্থনা পুর্ককে কত্র শুভ'দ্বনেষ।

শিরনামা।

পরম কলাণীয় এমভী ভূবনেশরী দেবী কিছা দাসী শাবিত্রী সদৃশাভব কিছা যন্তাপি বিধবাকে লিখে তবে লিখি বেক ধর্ম সমানভিব।

হুদলমান শিক্ষাগুরুকে পত্র লিখিবার ধারা। ঐ চান্ধবিধ শান্তি স্ত্রীলোকের উক্তি:। ১০৯ পত্র।

रमाश्चा रमोलंक देशांकन अवस्थितवननी क्रिमको खन्नमात्री

क्रानिकारी।

দেবী বন্দিগী বেছদা আরজ বছত শ্রীযুক্ত ওস্তার নাইইংবের কদম পাহানা ছুবতে জোমার খেয়ের খোবিবোদ।

भिवन्या ।

হরহৌনরে গোলরবাগ ছএল কোনেন্দা শ্রীদেথ আসকালি ওস্তাদ ভার্থে

कम्ट्रमम् ।

চাভু বিধ আতি স্ত্রীলোককে পত্র লিখিবার ব্রার মুসলনান শিক্ষাঞ্জন উল্ভি।

। ১১০ পরা।

সেক্রকোনেনা জীনের আসরকালি দোবা বক্ত বহুত ভাগে বদৌলাত ভাতেশেগানি ভত্তক জিমহাত ক্রম্মন বালার বেতেতের গোর।

শিরনামা।

वरशंक माकांक वरनक नरक्षणभागि छेशांश्र करवा है। क्षिमकी खक्षणाती स्वती सांछेश्रल सकतरू

(यटकटकट्रम् ।

ব্ৰাক্তন রাজাকে পত্র নিথিকার ঘার। । ত্রাক্তন প্রকার উক্তিন

1 555 解選 !

অধিকারত প্রান্তর্ভাগান্তঃ তিতঃ তঃখিত ভিকাইারী আক্রাকারী জ্ঞীদন্তত দেবশর্মাণঃ শীগনাংবালার বিপাক পক করতি আশীর্জাদ নিবেদনজানে মহাশন্মের ভিরত্তর কমলা প্রিয়না দক্ষল মাত্রে সর্বত্তি শুভড়িংশেবঃ।

मित्रगम।

ধনেশ জুলা ধনী যতি শিরোমণি নৃপ্মণি শ্রীল শ্রীযুক্ত জনমেজয় ভটাচার্যা জনীবার মহাশর প্রবল প্রভাপেয়া

क्षां नद्वीप्रणे।

े १ कि के प्रमुख्य । असू विस्तित ।

ভালা প্রকারে পর লিখিবার ধারা। ভাষ্য কলে কলে উ'কে:।

1 552 844 1

आनी की नांका शिक अन्तर करण अजिला कि की जनरम बह एमने अर्था कि विवास स्थापनी महाभारत विकास तथा कि स्थापनी की पूना स्थापन सम्बद्धिक स्थापन

TREMITTE

কলুন বিষয়কোনকাল পাষ্টক ভাতক ভাৰক ঘৰিদ শুভাগীকাদ চ শীনুক চন্দ্ৰত চাটোপাখা।। ভন্দত্ত চিন্দ্ৰমেণ্ড

ঐ আহিংগ রাভাচিত পাজ জিবিবাৰ ধারা। ক্ষাত্রিয় বৈহা এবং গুল এই ভিন জাভিঃ উক্তিঃ। ১১১ পাজ।

्त्रकान् (भरक खन्न्तियक भिर्माणीलक्षण नर्मानः। किन्ना मान किन्ना मानेरम् च প्रप्या भारत्मण्य निर्वणनकारण श्रिषुक कार्युक्तात ठाकृत प्रश्नातंत्रत श्री>वरण्यारस्य श्रक्ताः कार्य भावना मार्ख काष्ट्रास्थ कार्यस्थ

[MARIN: 1

াতি মতি বিধীন দীন আকিঞ্চন জন জনক তুলং প্রতিপালক তিপুত জনীধার ক্ষনমেজগ ভট্টাচার্ঘ্য মহাশার জীচত শেখু।

প্রক্রান্তর।

উক্ত এই ভিন জাতি প্রজাকে পত্র লিখিবার ধারা। আন্দাং ধাজার উক্তি।

ममा , मुशां जिलाय धात्रा मध्ये । ज उरेर जानी सानक

श्चिमरमम्बद्धाः स्तम् कारीवार प्रायहण्याः चामात मूचे अञ्चलकामणाम्बद्धाः श्रामण विरूप

ा । श्रीमात्रका ।

সদাভ ভানু চিভির পরমকল্যানীর প্রীমৃক খোপালরক বর্নাণঃ কিয়া শুপ্ত বসু পরম কল্যানীরেছু। ঐ প্রাক্ষাৰ আঞ্চাকে শক্ত লি বিধার ধারা। মুসলমান প্রভাব উ কে।

北京企門衛出。

शित्रक्ताः ।

কাউরল আধিবতবাধ্যি হক্তাল। ভাছানেশন্তি বজাও-বারদার অমীদার তিযুক্ত কান্দেজর ওটাচার্ব্য মহাণার গভীর প্রবেজপরেযু

> প্রভাৱ। ধুনলমান গ্রহ্মাকে পত্র লিখিবার ধারা। বিংক্ষা রাজাঃ উক্তি। ১৮১৬ পত্র।

বৈখের জিলার ওরবল ইয়াক্তা লোহাকে নৈন্দা

ক্রিকার মজর দেবলর্মন: ভোনার দৌলত খেতর থোকি

ক্রিয়াল বেহেতেরি ক্রিক্রী দরওয়াপার বরওজ মনাক্রিক্র

भवशमदमात्रा कादमन्त्रा बिट्यन कवित्री का छाट्डम स्मार्थिक स्मार्थिक

कवित्र ও देवना अन्य धरे कित काकि क्रमीमात्रक भव किथियात भारा ।

बाक्तरवत्र के लि। ३३१ शव।

শ্রী অর্চনানস্কর নিরম্ভর আশীর্কাদ শ্রীউমাকান্ত দেবশর্মণঃ পর্ম শুভাশীর্কাদ বিজ্ঞাপনক্ষাদো শ্রীযুত মহারাজর
অতুলৈশ্বর্যা গান্তীর্যা ধীরস্তার প্রাথব্য দৈব শক্তির আশ্চর্যা
জ্ঞানম্বোদ্ধের মাধুর্যা সুবিচারের নৌক্ষর্যাতা বসুমতী বাহ্ন
লাভা কমলায় জান্ততা অচল ছহিতা সক্ষরতা ক্রণাৎ এ
অধিকারক আশীর্কাদকের সমস্ত শুভাগিশেশঃ।

শির্মামা টে

বদা অচ্যতানক ভাবক ভাবক ক্ষণথ্য দীন প্রতিপালক শ্রীল শ্রীযুক্ত বাবু স্বর্যাকুনার মাহাতা কিয়া বাবু চন্দ্রকুনার রাম কিয়া বাবু গক্ষাকুনার ঘোষক ক্ষীদার মহাশয় নোর্দ্ত গ্র প্রভাপ ভাবে গভীর গৌরবেয়ু।

व्यक्रावन ।

ভাজাবক পাত্র লিখিবার ধার।। ক্ষত্রির ও বৈশা ও পুদ্র এই ভিন কাভি ক্ষমীদারের উক্তি। ১৮ পাত্র।

नर्समा आगीर्वामाकाशिक हिङ्कि बीहरनाविक बीच्राक्यात वर्त्सन किया हस्पक्यात त्मन शश्च किया नव्या-क्यात मान त्याय व्यनामा नश्याचितिक निरंबसम्भारमी बीयुक करीहार्या मश्रामाद्वत व्यवश्याभीर्वादम व्यक्ताम व्याख माद्र माधिकात मञ्जद स्ववित्यम्य।

शिवनामा ।

সন্তিকে জিন প্রিম প্রম প্রনীয় প্রীবৃক্ত উমারীত ভট্টাচারী মহাশার সমর্থিকার প্রিত্তেম।

ক্ষতির অমীদারকে পত্র লিখিবার প্রারা। ক্ষতির প্রকার উক্তিঃ।

্ত ১১৯ পত্র ৷

আজাকারি প্রতিপাল্য শীন্তমনরাম বর্মণঃ প্রণাম। সংখ্যা বৈভব দত্ত নিবেদনকাদৌ শীমুক্ত জমীদার মহাশ-মের অভুলৈম্বর্য শীমী করিছেছেন ভব্মতে অত্র শুভরি-শেষঃ।

भिद्रमाभा।

প্রবল প্রকাপাত্তি জীল জীযুক্ত বাবু গিরী শগন্ত মাহেক্ত ক্মী দার নহাশর অচল। কমলা তেত্য ।

৺ প্রকার ।

ক্ষত্রির প্রজাবে পত্র লিখিবার ধার।।
ক্ষত্রিয় শ্বমীদারের উভি:।

३२० श्वा

ভবশাক্ষণাকাজি শীপিরীশচন্দ্র বর্ষণঃ নমকারা বিজ্ঞাপ্র গ লাদৌ ছোমার গৌরকাদি সকাধিপ্তাপ্ত কল্প প্রদায়ক। পদারবিশে প্রার্থনা পুর্কত স্বত্র শুভবিদেশ্যঃ।

শিরনামা।

নান। গুণাতরণ ভূষিত। সুপ্রতিষ্ঠিত শ্রীরুত নছমনর্ম মাগাতা সদাশায়েষ্।

ক্ষত্রির জমীদারকে পত্র লিজ্যির ধারা বৈশ্য ও শুদ্রের উক্তিঃ

निकान्तः श्राकिताना श्रीनवस्ताम तम स्था किया मान चाय श्रामा पूर्वक निर्वनमधारनो श्रीयुक्त क्योनात महामा त्रत कुकून देवजव मन। मक्त कन श्रार्थन। पूर्वक क्या मक्ता विरम्पः।

कानिद्रकी हुति।

শির্মামা।

পরমার্চনীর সৃষ্ঠির শীয়ুক বাবু গিরীশচন্দ্র মাহেন্দ্র অমীদার মহাশীর অসংখ্য দীন প্রতিপালকেযু প্রভাৱর।

বৈশ্য ও শুদ্ধ প্রজাকে প্র লিখিবার ধারা।
ক্ষরিয় জ্পীলারের উজিঃ।

५२० भव।

ভবৎ মুখাভিলাদ প্রিয়াসকারি জ্রীপাচন্দ্র মর্থা। নসকারা নিবেদন্মিদং ভোমার অভুলোদ্ধর গৌরব জ্ঞীত ক্রিতেছেন ভাক্তি অত্র শুভারিশেখা।

শিরনানা। 🦡

সদাসুজ্বার পর্ম শ্রেমবর জীযুক্ত পরতরাম দেন কি মা বসু অভুল বৈভব প্রাণ্ডেন্তু।

নেশ্য 🗣 শ্ব এই ছুই জ:ভি জর্মাদারকে পত্র লিথিবার ধারা ক্তির প্রজার উক্তিঃ।

১২৪ পত্র।

ভবন বৈভবাভিলাধ প্রিয়াসকারি শ্রীপঞ্চর্জারী বর্মাণঃ নসকারা নিবেদনগোদৌ শ্রীযুক্ত জ্মীদার মহালায়ের মহো-নভি শ্রীণাতি অহরহ করিতেছেন তক্তৈতে জ্ঞা শুভরিশেষঃ।

श्विताया।

সদা সদাজির অধকাপ্রিয় জীল জীয়ুক্ত বাবু বিনদ-বেছারি দেন কিয়া বসুজ জনীদার মহাশয় বশ শৌজন্যতা সফলতা প্রাপ্তেয়ু।

প্রজ্ঞান্তর। '

ক্ষত্রির প্রজাকে পত্ত লিখিবার ধারা। বৈশা ভশুত্র এই ছুই জাভি জ্ঞাদারের উক্তি:।

१२० भजा।

সর্ব স্বচ্ছনদ ভবন কুশলানন্দ ভাব শ্রীবিন্দবেহারি সন গুপু নমকারা বিজ্ঞাপন্ধানো ভোগার মনগভ ভিনিরভ দুবভা স্বাদা প্রাথিনা অনু মঞ্চল বিশেষঃ।

चित्रनामा ।

মার্কবিদ্যাভিধিক গুণাভিরিক **শ্রীযুক্ত** পঞ্চালারী মাহাতা বদা বং চরিত্রেণু।

মুনলমান ক্ষমীদারকে পত্র লিখিবার ধারা। বাদ্দণ ও ক্ষত্রিয় ও বৈশা ও শ্য় এই চাতৃর্বিষ প্রকার উভিন

वरभम्भदण वरश्रक शृद्धतवाला श्रीमानवानक (मर भाषा किया वर्षानः किया समस्य किया मानवसू (कण्णा वक्त वक्क वाम श्रीवृक्त समीमांत गादश्वत (मद्गनक मृत्या वादश्वत वाक्षात (वरश्कत लाम।

बिह्नामा ।

পরেওরর বরজনী । জিলেশ মেনাজনের হা কর্মী দাই সাহেবের বজাবেলিকেন্দু।

क्षडावन ।

ভাজাণ ও ক্ষাত্রয় ও বৈশ্য ও শুদ্র এই চ'ভাকিব প্রজাকে পত্র লিখিনার ধারা। মুসলসান জমীলারের উক্তিঃ।

१२७ शब।

वषत्रशाहतकूल त्यामक छेश्वल कारमणा वीष्णा श्रीरमध क्षमाक्रमका वाष बहुलगी लागाता व्यटप्तत थाविषापन मूतारक वास्नात थिरप्रत थावि लाग।

भित्रगमा।

मत्रवाश (कटन्मशानी शानदत्रमहानि त्रअपन (क्रमात

वहर्यात्रमात श्रीयुक्त यामवातन्त घटछोशायास-দিগ্র স্নে গ্রা ইয়া দাস ঘোষ হকতা ভোহত नक् क्रियान्य !

রাজাধিরাজ নহারাজাতে পতা লিখিবার ধার।। অধিকারশ্ব প্রাক্তার উল্লি !

1 320 5 3 1

অধিকাৰত প্ৰতিভাগাখাত্ত ভবন অভ্নাগৰার বাহিত সমতি তিক্ষাল্ডাই ইতি বাকেন প্রিপালিক এলার खनाम (प्रविकास भारत भारत अधानी तार तामसम्ब ४,वर विश्व প্তার্ণি নরেন্দ্রকৈ কেশরী নর্প্তি মণাশ্রের মহোক্তি देवस्य मर्माएटम् शामक स्था स्वर्धास्त्र व (कमर,५४१८) বিক্ষে প্রাথন। পুর্বকৈ ভাত্র শ্বল ছিলেবল।

निम्बन्दा ।

ন প্রারম্ভ অবল প্রচার প্রচারা বিভ জীল জীয়ুক্ত মহাবাক। भित्रोक्ष किराक्डल वास स्वाप्त अगरा मीन व्यक्ति भारत्यकृत

खेशर सत्र तिशिष्ठ। महोडोकारक कवित ७ रेक्षा छ सूत दह किन ক্ষাভর পল লিবিমার খারা। 1 2 b dec

অধিকারভিপ্রার ভাগান্তকির দূরিত কলাংশে রুলার-নে কনাধিপতে প্রভিগালিত গ্রীপত্মপলাশলোচন, নর্মনঃ কিমা সেন গুপ্ত কিমা দাসহোড় প্রনাত নরেক্রকেশরী নর-ণতি মহাশারের মহোমতি বৈত্র স্ক্রিশ বাস্থ ভুলা ভবাভিলাষ কেশৰ পদারবিন্দে প্রার্থনা পুরুকে জত্র গুড়-ALMINS 1 শিরনামা।

উপরের ঐ প্রাঠ।

न्छार्थ अरम अरु अन्मानित कीन कीर्क मराताका ধিবান ভিলকচন্দ্র রাধবাহাত্তর অসংখ্যাদীন প্রতিপালকেয়ুঃ।

> ভাক্ত মহাজনকৈ পত্র লিখিবার ধারা। ব্রাহ্মণ খান্তকের উক্তি:। ১০০ পত্তা।

खाळाडांकी कीलोडीमक्षत (स्थमर्मानः मनिमन्न भूखक सरकारा जिट्टमभक्षात्मी महाराटवत कृतान्द्रमा करण रहे श्वांतलप्रम भारत खाल अञ्चित्भाषः।

भित्नामः।

কমলাপ্রিত মুর্যাভিন্তিত জীয়ত মুভ রাপকর পেটি পরী সহাশ্র সং প্রতিপালকেণ্

প্ৰস্থাত্তৰ ৷

ল'ক্ষণ আভকাকে পত্র লিখিবার সাহ[া]ঃ ভালা মগ্তনের উত্তি।

1 369 別图 11

पुषः **श्रिष्ट्रका**नफद **रावभूषानः मध्यक्तिः** (स. इस्मणः (सन् ংখালার তুমজল এতিকিরিভেচ্ছের ভারতে আরানফ বংগেঃ

भित्र भा !

· शास्त्रे बाब 🎒 मुक्त (भोती मक्कार देव न वर्षे । "মহাশার সন্সাশং তরিতেও

অ'মাণ মহাজনকে পত্র লিখিবার ধারা।

क जर स देवना स चूछ बहै, जिस काहि श्रांक दिन है जिस 1302 931

निवक श्रीत्थानश्लहस्त्रवर्षाः किया कर्छछ किया मान मिज धार्गमा मञ्जाहत निर्वत्मकारमी महामरव्रत 🕮 हत्।। শ্বিকালেএগেরকের অধিকপার্ত্তিকের নিস্তার হয়বিশেষ: 🖯

শিরনামা!

পরম পুর্কনীয় জীঘুক্ত শিবলক্ষণ কুশড়ি মহাশয় জীচরণ বুগলের :

প্রক্রান্তর ।

ক্ষত্রিয় ও বশ্য ও খুদ্র এই ছিন জাতি খাড়কে পত্র লিখিবার ধার।

।। ५०० भव ।।

ত্রাজণ মহাজনের উক্তি।

নিভান্তা বিজ্ঞ শ্রীশিষলক্ষণ দেবশর্মণ: প্রম শুভাশীবাং রাশয়ংগন্ত পরং ভোমার সুন্ধিরা কমলা শ্রীকিরিভেছেন ভাষতে অত্য শুভায়শেষঃ। শিরনামা। মহাসহিমাপর সর্বাঞ্চন শ্রীল শ্রীকৃত্ত খোলহালচন্দ্র দেন

कियां कशा मिळ हित्रकीरतय ।

ভালাণ মহাজনকে পত্র লিখিবার ধারা।

নুসলমান ধাতকের উজিঃ।

३०४ भुद्ध ।

করমাবরদার শ্রীণেথ হবিভোলা ছালাম বছত হ আরোজ নিবেদনঞালে প্রীধুক্ত ঠাকুরজীর নেক শ্রীশ্রীদরগার হামে-হাল মেরত করণে বান্দার ঘোকরর হর বিশেষঃ।

विद्रनामा।

্খোদা যেগানি নেক জেলেগানি জীযুক্ত শিবলক্ষণ কুলুড়ি মহাশয় নেক নজর করমুদরেবু।

প্রভাতর।

মুগলমান থাভককে পত্র লিথিবার ধারা। ব্রাহ্মণ সহাজনের উক্তিঃ।

- 300 PM

प्राप्तादकारमा श्रीक्षिणकान रमवनकानः वरमानी विका

পন্ঞাগে ভোষার খেরের খোবি জীতী করিছেছেন ভাহা ভে অত্ত মকল বিশেষ:।

শিরনামা:

নবিন নয়া জেব কোনেন্দা . জ্ঞী দেখ হবিভোলা গোকর বরেষু।

ক্ষত্রির ৩ বৈশাও প্রা এই ভিন ক্ষাভি নহাজনকে পত্র গৈথিবার ধারা। ভাকাণ থাতকের উত্তি।

५०७ शख् ।

শীলীঅজনশিরে নিরম্বর স্বাশীর্বাদক শীকুবেবচন্দ্র দেব শর্মণঃ পরম শুভাশীর্কাদ বিজ্ঞাপন্দাদৌ ভোমার গদা নুসকল শ্রীশ্রী করিতেছেন ভাগতে অত্র মকল বিশেবঃ।

[महनामा

প্রিয়প্রির ধান্মিক শ্রীযুক্ত অপুর্বলাম জাভা কিন্তা কর গুল গালিত মহাশহ মধ প্রক্রিণালকেণু।

প্রকার্তর !

ভাদ্মণ খাতককে পত্র লিখিবার দার!
ক্ষত্রিধ ও বৈশা ও প্তা এই ভিন জাতি মহাজনের উক্তিঃ

১০৭ পত্র !

শ্রীচরণাপ্রিভ শ্রিহরদরাল বর্মণঃ কিয়া কর গুপু দাস পালিভ প্রণাদা নিবেদমঞ্চাণে মহাশ্রের ঐচরণাশীর্কাদে এসেবকের সঙ্গল হয় বিশেষঃ।

শিৱনাম:

পরম পুজনীর জীবুক্ত কুবেরচন্দ্র গড়গড়ী
নহাশর জীচরণেষ।
ক্ষত্রিয় মহাজনকৈ পত্র লিখিবার ধারা।
ক্তিয় খাতকের উক্তিঃ।

64-

300 ME 1

জ্ঞাকারি জীপিবস্থাপাল বর্মণঃ নমস্কারা নিবেদন-ফাদৌ বাবুজী মহাশয়ের জনুগ্রহাশ্রম মাত্রে,জ্র শুভবি শেবঃ। শিরনাশা।

ন্ধ্রণাবলম্বিত শ্রীযুক্ত বারু বালগোপাল মেহের মহাশয় মমারাদেয় ।

পাত্যন্তর।

ক্ষতির থাজনতে পত্র লিখিবার খারা। ক্ষতির মহাজনের উক্তি:।

५०० शहा

ভবন মঞ্চাক্তি। জীবালগোপাল বর্মণঃ পিড়া নম' কারা নিবেদনঞ্চানী ভোমাব সুমঞ্চলে আসব সর্বাদ। মঞ্চ লম্বিশেষঃ।

-িশ্বনামা

গুণ্ভিরিক্ত দৌজন্যভা বিশিষ্ট শ্রীযুক্ত শিবংগাপাল মাংখিতা সক্ষণাবলহিতেই।

ক্ষত্রিয় মহাজনকৈ পান কিথিবার ধারা। বৈশ্য ও খুদ্র এইড্রই জাতি খাতকের উল্জি।

১৪° পতা!

প্রতিপাল্য শ্রীপুরন্দর দেন গুণ্ড দাস পালিত সাবন্ধ পুর্বক নমকারা নিবেশনক্ষাদৌ শ্রীবৃক্ত বাবুলী মহাশ্যের অনুগ্রহাবলয়নে অত্র শুভ্রিশেষঃ।

मिहनामा।

পরমারাধির শ্রীবৃক্তি বাবু জালমচন্দ্র মেহের । মহাশয় পরম ধার্মিকেরু। প্রভাবর।

বৈশা ও খুদ্র এই ছুই জাতি থাক্সককে পতা লিবিবার ধারা।

क जित्र महाकारत व छ जिः।

১৪১ পতা !

পোষ্য শ্রীঝালমচন্দ্র বর্মনঃ পরম প্রিয়বর বিজ্ঞাপরঞ্ছ। দৌ ভোমার মঙ্গল শ্রীনী দারায় প্রার্থনা করিতেছি ভাষাত্ত

শিরনামা।

শর্ক ধর্মা আছে জীবুক পুরন্দর শেন গুণ্ড কিছা পালিত শদা শং চরিত্তে হু

বৈশ্য ও শুদ্র এই স্থই জাতিশহাজনকে পত্র গিখিলার দার্গ ক্ষাত্রিয় খাতকের উক্তিঃ।

उतर शबा!

প্রতিপালিত জীউমেশটক্র বর্মাণঃ গরমাপ্যারিত পুলক নিবেদনঞ্চাদৌ আপনকাব অতুল বৈত্তব তবদার। পদ প্রান্তে প্রার্থনা পুর্কক অত্র কুশলঘিশেয়ঃ।

मित्रामा !

সমাজার কর্তৃ হ জীকৌশলগাকিশোর ক্রারি মহাশয় সদাশরেয়।

প্রভারে ।

ক্ষাত্রের খাতককে পত্র লিখিবার বার!। মহাজন বৈশ্য ও শূদ্র এই তুই জাতির উক্তি। ১৪০ পত্র।

্ ভবন সুখাভিলাবাকাজি। শ্রীকৌশল্যাকিশোর কর্প্তথ্য কিছা দাসবসু প্রম ভাজনবর বিজ্ঞাপন্ধাদৌ ভোমার রাজপ্রভাপ অনবরত প্রার্থনা পুর্ককে অত্র শুভিছিশেষঃ।
শির্নামা।

সর্ব গুণার্ছিত প্রীযুক উমেশচন্দ্র মাহাত। পরম প্রিক্রান্ত:করণেয়ু।

" WHEREALT !!

अन्त्रमान महास्मनत्क शब निश्चितात यात्रा। ব্ৰাহ্মণ ও ক্ষুত্ৰের ও বৈশ্য ও খৃত্ৰ এই চারি জাতি খাতকের উক্তি।

্ৰ জন । জন । ১৪৪ প্ৰা

वरकत स्मरहत्रवामि अत्मायनाथ (मतमस्रान: किश वर्त्रान: কিষা দেন গুপ্ত কিষা দাস মিত্র ছেলাম বেসুমার বাদ সাহৈ বের মেহেরবাণি ছাদের সুরাত এ গরিবের গমরা বেহে-**८७**त (माम्)

শির্নামা।

. भदिन अत्रक्षत्र शिरमथ आंत्रक्रमीन झाटहर (नक्त्रअग्रान्यु

প্রকারণ।

बाका ७ एम ७ कवित ७ रेवना धरे छाति वा कि খাতককে পত্র লিখিবার ধারা। स्मनमान महाबदनत छेलि।

1 580 93 1

न ७ शांद जन र प्रत्र करकादन जा। बीट गर्थ जांग क की न वाक विन्तिशी हेबालुन क्त्रबूम्। (वट्ट्डित व्याम्हिन्ता मात् (बरहरकत (माम।

शिवनामा।

- वश्रानिवम्बरम्ल (थामरक्वमाव

हि गूल (गामनाथ मुधर्का किया माहाका किया (गम खर्क কিছা মিত্ৰ খোস্তাবা বাহালেছু।

ভাকণ মনিবকে প্র লিখিবার ধারা 🌣

बाचान होकदब्द छेकि।

11 789 AM 11 194

व्यक्ताकाती कित्कतातनाथ स्तत्र भूगिः निवस भूगिक

নমকারা নিবেদনগোদো মহাশরের জীয়ুখমগুল ক্রুরিছ জীআজা প্রতিপালক মাত্রে অত্ত শুভিষ্ঠিশেষঃ।

শিরনামা।

পরম বন্দনীর জীগুকু শিবটৈতন্য কুলভি মহাশর মং প্রতি পালকের।

প্রভারর ।

ব্রাহ্মণ চাকরকে পত্র **লিথিবা**র ধারা। ব্রাহ্মণ মনিবের উক্তি।

11 389 93 11

ভবন সুথাভিলাষ জ্ঞাশবহৈতনা দেবশর্মাণ: প্রাণ প্রিয় জনাত্ত নিবেদনঞ্চাদৌ তোমার মনোভাঁই সং ফল মাত্রে অত্র শুভাগ্রিশেষ।

শৈরনানা।

পরমন্ত্রাজনবর প্রিয়ুক্ত কেলারনাথ পাক্তা দি দিল। নিশি কাশীবাদী প্রশাসিবদেও।

ব্ৰাহ্মণ শনিৰকৈ পত্ৰ লিখিবাৰ ধাৰে।
ক্ষত্ৰিয় ও বৈশ্য ও পুত্ৰ এই ভিন জাভি চাকরের
উ ক্ত । ১৪৮ পত্র।

পদাবনত ভ্তানিভ্তা প্রবাদে পরিপালিত জ্ঞানাকী ছলত বকান। কিছা কর তথ্য কিছা দান নিত্র প্রণানানংখ্য-কাটি নিবেদনপ্রানৌ সহাশদের জ্ঞাচরণ প্রবাশ্যর মাজে হাত শুভিয়িশ্য। শিরনাম।

ভাহিক পারতিক নিজার কর্ত্ত শ্রীযুক্ত কোকিলকণ্ঠ দীর্ঘাঞ্চ মহাশয় অসংখ্যাদীন প্রতিপালকেছু।

প্রভাব্তর |

क्वित्र अरेवना अ गूंखे এই छिन आछि চाक्तरक

कानद्रवास्त्री।

পত্র লিখিবার ধাঁরা। ্রাক্ণ মনিবের উক্তিঃ।

। ১৪৯ পত্র।

श्रुवा बीटकांकिनकर् एवदमध्येनः श्रुवम खडांनीयाः तामग्रः সত্ত পরং ভোষার কুশলারবিন্দ মকরন্দ সৌরভ গ্রহণ মাত্রে खब ७७ शिटमवः।

শিরনামা।

यनमाञ्चिल छीयुक कानकी पूर्वल एमट इत किया धना কিয়া মিত্র অতুল গৌরব সৌজন্যভাগ্রিতেবু : ক্ষরিয় ৪ বৈশা ও শূত্র ও ব্রাক্ষা এই কর্মাতি মমিবকে পত্র লিখিবার ধার।। ্র মুসলমান চাকরের উভিন।

11 200 可遇 11

क्त्रमावद्रमात् औटन्ध नारसम्प्रिन वन्तिशी वद्यक वस्र বাদ আরোজ বরোজ মহাশয়ের বেছেভরি শীছীএলাহি দর शाम शास्त्रहान तक्षान करवाटक वांग्यात (बट्हटकर भाष ।

শিরনামা।

পরবাক্ত কোলেন। এীযুক্ত রামলকাণ চাটুব্য। মহাশ্র গরিব পরওয়ারশেষু ৷ প্রভাবত ।

মুদলমান চাকরকে পত্র লিখিবার ধারা। बाका उक्क विष दिन्या अ श्व वह गांति कार्कि ম্নিবের উত্তি।

्।। ১৫১ পত ।।

खडान्धाती बीतीयलक्षर (प्रवस्त्रीतः প্রম হিতার্থ বিজ্ঞাপন্ঞাদৌ ভোমার সুমঙ্গল এইছারা স্কলা চাহি ভাহাতে অত্ৰ মঞ্জ বিলেব।

राह्यकार्थक होता स्थापन है। राह्यकार्थक होता स्थापन है।

त्थामाञ्जानि श्रीत्यः मास्यमिन कत्य

ক্ষত্রিয় মনিবকে পুত্র বিশ্বিবার ধার। । ক্ষত্রিয় চাক্রের উজি । ।। ১৫২ পত্র ।।

आक्राकाति श्रीमानिश्व वर्षानः मनिनद्र भूर्तक नम्भात। निव्यवनश्रीदमे श्रीपुक बात्की महामद्यत श्रीकाक। श्राहित्यः सन पूर्वदक्षणासाद गर्वाजिक मध्य इस विद्यावः।

शिव्या मा

প্রতিপালন করা প্রায়ুত গোকুলচন্দ্র মাহাত। বাসুলী মহাশর সর্বাচ্ছাদকেনু। প্রক্রান্তর।

ক্ষতির চাকরকে পত্র লিখিবার ধারা। ক্ষতির মনিবের উক্তি।

১৫৩ পত্র।

কলা দুমজণাকাং কিড জীগোরুকুত্র বর্মাণ: পরমাধ্রিয়বর বিজ্ঞাপন্ধাদৌ ভোমার পরম কুশল জীগ্রী অনবরত করি-তেছেন ভাষতে অত্ত শুড়মিশেষ।

ां गहनामा

तुर्वीच तुजासन शिपुक मानगिर्ह स्मरहत नमा गरण्डित जुला

ক্ষত্রির মনিবকে পত্র লিখিবার ধার।। বৈশ্য ও পুঞ চাকড়ের উল্লেখ

भारत क्षां क्षांना की पुरस्करण्य एमा क्षा विसा बार्ज त्यार

गविमत्र श्रृक्षक नमक्त्रंता निध्यम नक्षारमो क्रीयूक वायूको महा नद्यत कृशावदलाकम क्लांश्टम मक्लविद्यायः

भित्रमाभा :

পরম বন্দনীর অধর্মপ্রেরজীবৃক্ত বাবু গোকুলচন্দ্র মাহাছ। মহাশর অসংখ্য দীন প্রতিপালকেরু।

क्षकाख्य।

বৈশ্য ও শুদ্র এই ছুই জাছি চাকরের পত্ত লিখিবার ধারা। ক্ষত্রিয় মনিধের উক্তি।

344 四国!

না সুমঙ্গলগায়ী জীলোপালচন্দ্ৰ বৰ্মণা পৰ্য স্থাতি ফিচ ভব বিজ্ঞাপনকাশৌ ভোষার সুমঙ্গল সদাবৰ্মদ। প্ৰাৰ্থনা পুৰুকে অন্ত মঞ্চল বিশেষ।

শিবনামা।

পোরম হিত্তকালী ওণসাগন প্রীযুক্ত পুরন্দরচন্দ্র গুণ্ড কিয়া দান গোষ অতুল গৌরব প্রাণ্ডবরেমু।

रेवना ७ च्य ब्राह्म काकि मनिनदक नेज निकि

वात थाता।

কতির চাকরের উক্তি।

See ala

आक्षाकाती श्रीमुख्जाक्रमात वर्षाः विमन्न भूर्वक मिटवन निकारने महानदन्त्र नर्साजिक स्वाध्यम खाद स्वविद्याचः।

्राणित्रनामा ।

मीन श्राष्ट्रिक्षाक्षक क्षेत्रदेशकाश्चात्र विभावत किया नह-काल्यास्त्रकाल गर्मका जाकरम् ।

ेश्रक्तिक प्राप्तक नाम विश्वतिक स्थाति। इंडिक्टिक प्राप्तक नाम विश्वतिक स्थाति।

रेवणा क मूख वह प्रहेश्यांकि मन्दिनत के किया । अक्षणाबन

সদা সুমকল চিন্তাকারী শ্রীনরেন্দ্রনারারণ বিশারদ গুণ্ড কিয়া দাস পরম প্রিয়বর বিশ্বাপেন্দ্রাদেশ ভোমার সুক্ষা শ্রীশ্রীকরিতেহেন ভাগতেগ্রের মন্ত্রল পরং।

বিরনাম: 1

নানা গুণাতিবিক জীযুক্তযুক্ততাকুমার মাহাত। পরম ধার্মিকবরেয়।

বৈশ্য ও শুক্ত এই ফাডি সনিবকে পত্র লিখিবার বার। : বৈশ্য ও শুক্ত এই ভুই ফাডি চাকরের উক্তি।

। उद्या श्रेष ।

আজাকারী একালী নিভাই বিশায়ন গুরু কিয়া দান নিংছ সবিনয় পূর্কক নমকারা নিবেদনকালে। মহাশংগ্র মহোরতি শুশ্রীভারা প্রার্থনা পূর্ককে অন্ত সঙ্গল বিশেষ।

चित्रमामा ।

ন্দাশ্রর সদাশ্রম প্রীযুক্ত নদনশন্তর সেন কিয়া বসুজ নহাশন দ্ধীন প্রতিপালকের। বৈশ্য ও পুত্র এই ছুই জাভি চাকরকে পত্র লিখিবার ধারা। বৈশ্য ও পুত্র এই জাভি ননিবের উক্তি।

ভানুধ্যায়ী প্রিমনশক্ষর দেন গুপ্ত কিয়া দাস বসু পর ম প্রিয়ক্তম বিজ্ঞাপন্ধার্গৌ ভোসার সুমঞ্চল প্রিপ্তী করিছে হন ভাহাতে অত্য মঞ্চল বিশেশঃ।

गर्यक्षामक् के क्षेत्रामी (मक्षेत्र)

- The market

कवित्र अदिना के चुंचे के जिन कार्कि मनिवर के শতি লিখিবার ধারা। া সংগ্ৰাক্তিক বৈৰ উজিং THE OR IN THE PART I THE TOTAL

আজাকারী জীউদ্ধবন্ধুক দেবশর্মান পরম শুভুমিতি বি-कालनकारनी महाभारतत भूगालनराखंद मारज जब एड शिट्लंबः !

শির্মামা।

আঞ্জিত পরিপালিত শ্রীযুক্ত বতীসুন্দর মেহের কিয়া সেন किया वसूज अशामेत्र भेतम कलागिवदेवु।

প্রাপ্তর ।

ভাক্ষণ চাকরকে পদ্ধ লিখিবার ধার।। क जिन्न । देन्ना । एड । अहें किन क्यां के मनिद्वत छे किन

मुबक्ताकाशीकक श्रीमृकुम्बक्क वर्षानः किया रोन खिस किया मान मिल खनामा निटतमनश्रादमी महानद्यत जाकाः-कः गरुलका श्रुक्तिक काले खर्छ शिर्मिय।

्र जिल्हान वा ।

পরম সৌভার্ম জীযুক্ত উমাকান্ত চটোপাখ্যার ा अंग राज्य । अस्ति । अस्ति । अस्ति ।

यूगलयान मनियदक अंदे लिथियांत धाता। প্রাহ্মণ ও ক্ষরির ও বৈশ্য ও পুত্র এই চারি লাভি W 1900 DIRECTOR IN COLUMN 1995

ल्यमानवनात्रं अद्यानद्वार्थका देशमान्यनः किया वर्षानः क रमन ७७ कराम नवका राज्यस रहकर महिल्ला मार्टिश के मार्टिश ---- जनकाति । अध्ययः दशक्या वाष्ट्रीत (वटक्टकत्राणः

শিৱদাৰা।

कबरण अगरियद्र(बटरहे सरमना क्रिट्रकान्छन रहिक्य गार्ट्स आख्रिक काकंदर रशांत्ररक्ष्या अकाष्ट्र ।

ভাৰাণ ও ক্ষত্ৰিয় ও বৈশ্য ভাষ্ট্ৰতেই চারি কাভি ठाकतरक शब मित्रियात थाता। इगलमान मनित्वत छे छि।

11 280.9国 11

वरकत दिकांकक छ बन कारमका खेनावपुल ट्विम বাজ বন্দিশী দোরা বছতং আপনকার থেছের খোলি সুরা তে বান্দার বেছের বেছেছের সোদ।

रेगेट अस विकत्।

পিতামহ ও মাতামহ ইত্যাদ্রি ঠাকুরদাদা সম্পানীর করেক ব্যক্তিকে যেহ পাঠ লেখা বায় ভাহারদিংগর স্বন্ধাতি হৈত্র क रमहे मछ शांठ निशिद्वक।

শিরনামা।

ভূতীয় চট্টোপাধ্যায় ঠাকুরদাদা মহাশর কিছা বিভীর ঘোৰত ঠাকুরদাদা মহালয় কিয়া नन्भकींत्र सामाजिदतक वृक्तिता नाम छे. स्त्रिय करिया क्यां वे ठाकुत्रमामा मश्रामम् कित्रद्राम् ।

প্রকারর।

नकाकि रेमरजब (शोक ७ कोश्व केशांकि करत्रक वाकिएक गांकि शतिरक्षत्रत (के शांक · काराहे निविद्यक्त

I INTREME

साम खेरहाथ क्रिक्श अमूक घटडाश्रीशांत्र किःश अमृक ...

পিতা ও পিতৃত্য কিংবা মাজুল অখনত এবং মেনে৷ পিনে
ইত্যাদি সম্বন্ধীয় যে কেহ ভাষাবদিগের মৈত্র শ্বকাতীয় অথ
বা অপরাপর জাতীর কিংবা স্বনাধিকে ভদনুষপ গৌরব
বুঝিয়া পাঠ লিবিবেক ও লিবনামা দিবেক যেমত উপরের
লিখিত পিতামহ মাত্রমহ ইত্যাদির মৈত্র পক্ষে ও পক্ষেও
গেই কপ আনিবেন ইন্ডিয়া

क्षेत्र ।

পিড়া ও পিতৃষ্য উভ্যাদ উপরের কাষিত করেক যাকির নৈত্রের পুত্তামুরাপ স্থান সম্প্রীরতক বদাপি কিটের ভবে প্রভাবের নামে বাংকার বাকারাকার পুত্ত আভন্স ত্র কিয়া ছাত্রে ও নামিরাক উভ্যানিত সগকে বেম্বর পাঠ- त्नरथ । भित्रमामी हरमम रक्त्रक निविद्यक हैकि गर्ड

ভারতব্যে প্রচলিত যুদ্ধ সম্পর্কীর আছে সকল বিস্তার করিয়া প্রাক্ষণ সকলের মৈত্রনাক্ষে প্রশ্ন প্রভাবের লিন্দি ভা রাম বিস্তার বাহুল্য হয় প্রকারণ সংক্ষেত্প নিবেদন করিছে ছি যে হিন্দু ও যুগলমান স্ত্রী অথবা পুরুষ সকলের মৈত্র গৈ-ত্রনীকে মূল সম্পর্কের সম্পর্কীয় গৌরক রাণিয়া এই পুস্ত কের ভাবত সম্পর্কের পাঠাপাঠ বিবেচনা করিয়া পত্র লি গিবেক লিখিলে সমস্ত সমাপন হইতে পারে।

আপন মৈত্র যেনন ক্ষাতি উদ্ধাহন ভাহান বিবেচনা করিয়া কোণাপ্ত গেবক আনিকোখাও আজ্ঞাজারী কোখাও পোষ্য আ শেখানে খেনন মন্তব হল নেক্স লিখিবেক ইতি বৈবাহিকের পিতামহ ও মাভামহ ও বিভামতী ও নাজা

> মধ্য ই জ্যাদিকে পঞ্জ লিখিবলয় বার।। পৌজ্ঞ ও গোহিতেলীয় বৈন্যাহ্যকর উপিতা।

一部でりかん

এই উ ওক্ত শাটাপাত বৈন্দালেল। গাঁৱত ভাষ্টা আন্তর্জনে বিস্থাবিস্থাবিস্থা করিয়াছি বুলোচরাথেঁ পুনরায় নাজেলে লিখি ভ্রচানুভূত্য কিয়া দেৱজাতু দেৱক বলিছা পাঠ লিপিবেক শিক্ষানা

लोक के स्माहिट्स देवराहित जन्मकी में हैं जाहि स्मिट्क लोक निचित्रहार मही देवदाहिद्रकत शिकांबद ६ साठायह ६ शिकांबही ६ माठा-यही हैज्ञाष्ट्रिकदब्रक ठालित जिल्हा

পুরুষ উক্লি। প্রতিপাল্য শ্রীজনুক দেবনর্মণ: কিয়া দাস ঘোষ স্ত্রী উল্লি প্রতিপাল্য শ্রীমন্তী জনুক দেব্যা কিয়া দাস্যা এই কপ লিখিবেক। শির্মাম:।

প্রম কল্যাণীর ্য ধারা তাহাই সিথিবেক। বৈবাহিকের শিকা ও মাজা ইত্যাকি সম্প্রীয়কে পত্র লিখিবার ধারা।

भूरकात देवनाहिएकत इंड्यांकि मन्त्रकीरहरू छेल्छि।

১৬৫ পত্র।

সেবক শ্রীক্ষুক দেবশর্মণঃ কিয়া প্তামদাপি ক্য অবে শ্রীক্ষুক দাস ঘোষ এই কপ পাঠ লিখিবেক।

শিৱনামা:

পরম পুঞ্জনীয় হেমত ধারা ভাগ্টি লিনিবেক।

প্রকার।

পুজের বৈবাহিক ইভ্যাদি সম্পকীষ্ককে পত্র লিভিবার ধারা। বৈবাহিকের পিতা ও মাতা ইভ্যাদি সম্পকীশ্বের উজিঃ। পুরুষের উজিঃ।

১৬৩ পত্ৰ I

পোষা জী অমুক দেবশর্মণঃ শুদ্র ঘলাপি বন্ধ তবে অমুক দাস ঘোষ জীউজি প্রতিপালা। জীমতী অমুকী দেবী কিয়া শুদ্রাণী যদাপি হন্ন তবে অমুকী দানা।।

नित्रमाम।।

পরম কলাণীর বেসত থারা ভাষাই লিখিবেক। কুলবান এবং ব্যোধিক বৈজ্বাহিক সম্পর্কীর ইঞ্চাছি দিগকে পত্র লিখিবার মারা। 299 ME 1

আজ্ঞাকারী নমক্ষার পাঠ লিখিবেক। শির্নামা ঐ মজ্ঞ।

বৈবাহিককে পত্ৰ লিখিবার ধারা বৈবাহিক পত্নীর উল্জি:

পাঠ শিরনামা ঐ কুলিন মৌলীক জোর্ড কনির্ছ নির্বে-চনা করিয়া উপরের জিবিছ যেমত পাঠ শিরনামা ভারাট লিথিবেক কনির্ত ভারাপত্র বৈবাহিককে পত্র লিথিবার বারা দ্বনীর জীপাঠের যেমক গারা ভাহাই লিথিবেক শিরনাম। সংস্কে সদর লিথিবা দিবেক।

ন্দার বৈবাহিকের স্ত্রীকেও ঐসত পাঠ লিখিবেক। শিরমামা।

বৈবাহিক পড়ী ঠাকুরাণী সন্ধানৎ চরিতের্। বলিয়া শিৱনামাদিবে।

श्रद्धात्वर ।

বৈবাহিকের পুত্র ও আভপ্পুত্র ও কন্যা ইত্যানি দিন কে আপন পুত্র ও আভপ্পুত্র ও কন্যাকে যেমত পাঠাপাঠ লিখিবেক।

বর্ণবাধাণ ও অপ্রবানি ইত্যাদি নিগকে পত্র লিখিবার ধরে।
ভাষাণের উক্তিঃ।

100 PE 1

सूमकल जावक श्रीश्रम्क (प्रवन्धानः कियः। विनय श्रूक्क

चित्रमामा।

मूश्राक्षिक श्रीयृक देकना मा हन्त हक्कव ही । नंत्रना खाकत दग्यू ।

প্রভাৱে ।

खाकारक शक निचितात थाता ।

😁 বৰ্ণৰাক্ষাণ ও অগ্ৰদৰ্শনির উক্তি:।

ा कार दर्भ । १५७२ शता ।

আজাকারী জীঅয়ক দেশ বিশেষ নমস্থানা নিবেদন্তা-

चित्रमाथा।

বংশাহিম জীবুত অনুক চট্টোলাধানে মহাশর নৎচরিতেত্ব।

বৰ্ণভাষ্ণা ও অৰ্থানি ইছ্যাপিকে প্ৰ নিশিখার ধারা।
ক্ষাত্তির ভ বৈশ্য ও শুক্তের ক্ষাত্তিঃ

190 ME 1

পেৰক জীলায়ক বৰ্মণ কিছা কেন গুল্জ কিছা সাম ছোছ শুণামা নিবেশমঞ্চ বিধেশনঃ।

भित्र भा।

পুৰনীৰ গ্ৰীৰুক্ত অনুক চক্ৰবৰ্তী মহাপত্ত গ্ৰীচন্দেশু।

ফারির ও বৈদ্য প্রবেদ পর লিখিবার ধারা। বর্ণনাক্ষণ ও কার্যদানির উজি:।

595 空间 1

প্রতিপালা শ্রীজনত দেবশর্মণঃ পর্ম ভরাণীর্কাদ বিজ্ঞাপনক বিশেষঃ। শিরনাম।। গরম কল্যানীয় শিবুজ অমুক মাহাতা কিয়া অমুক লেন গুপ্ত

কিছা বসুজ মহাশম চিত্তীবেশু।

नर्गं व्यक्त । अध्यम् निक्ष हे आपित अप्रोप्ति अपर भारे विशिद्धक निव्नाशिय मध्य एक वर्षी अप्रो शेक्तारी इथ्यं व्यक्तिशालकाष्

ত্তীর কাণ্ডের প্রথমাব্ধি য়ত যত পুরুষকে পত্রলেখা গিয়াছে তাহাদের জীলোককৈ স্থ স্থামীর মত লিখিবেক अवः के जोत्नारकडा समामित्रके नेकारक भव किर्चन करन के कामीन मक लाड चित्रकार किथिएन

भूद्राविष्ट्रक गम्भारतक शक्तींग विशेष वाहा । स्रोक्षण गम्भारतक शक्ति किला

A CONTRACT OF SHAPE O

ব্যেসের ভাষাতি নিজ বিবেচনা করিলা বধ্যান ও পু ব্যোছিত ব্যেসের জ্যেষ্ঠ কমিষ্ঠ বিবেচনা করিলা শেবক জ্ঞি বিঘা ডাঙ্গাকারী বিদ্যা জ্ঞিপাল্য জ্ঞি যেনভ গাঠ মঙ্গ হয় বেট পাঠ ও শিৱনামা বিধিবেক।

প্রকৃতির।

793 Mar 1 1

एक्रानिट्क स्थमक भावेदकथा द्वितार ए तिहास वर्षरमञ् स्थानक्रिक विद्युष्टमा क्रिया निश्चितक।

পুরোহিন্তকে পত্র শিবিবার ধারা।
ক্রিয় ও বৈশা ও খ্র এই ডিন জাতি গ্রহানের উবিশঃ।
১৭৪ পত্র।

গুরুকে যেকণ পাঠ ও শির্মাখা লেখাগিয়াছে দেই কণ শিথিকে প্রভাজর প্রোহিতের উজি শিন্তকালেরের পাঠ ও শির্মামা বোধাগিয়াছে সেই রূপ কিবিট্রুকা ব্রু

ব্যালাণ ক ক্ষিত্ৰ ও বৈদা ও প্ৰত এই চাহিলাকি প্ৰ-বেয় যে ৰূপ পাঠাপাট লেখা মিয়াছে ঐ চকুজিন স্থালোন কেয় প্ৰশাস উদায় পাঠাপাই ঐ শিবনামা ঐ ৰূপ নিৰ্দি বেক। ।। ১৭৫ পত্ৰ ।।

CHE MATERIAL OF BOOM OF A PROPERTY SHIPS

A STATE OF THE SECOND

सहित (वसम लोड विश्विष्ट हो जह सहित के स्वान को हो ने स्वान के स्वान को स्वान को

भवस श्रुक्तीत विश्व स्थान प्रतिभाषात श्रेष्ट्रकाण सरामत विद्यार क्या स्थानीयत सियुक करमञ्जत बन्

। इ.क. म. श्राक्ता ,

ते गृहांन मणांगत्र कालीन यम्। लान्यश्रम श्राह्म कार्य कार्यकार्य वे साजा विभिन्नक।

স্থিতিয়া পূলা ও জীকালী পূলা উদ্যাদি ভাবৎ, পূজার মিমান্তর পত্র বিশিল র মানু।।

কৰা কণ্ডাম কলি:

1 240 MM

" डिनारं प्रशिवासिक नुजानानि अवद्यत लोक त्य क्रिकेट्रिकथा निपाद्य त्यके स्वर्थ अक्षिकि अक्षिक्यां क्रिकेट्रिक्या করিয়া পাঠ শিরনামা লিবিবেক সেবক ব্রী কিন্তা আজান কারী প্রীগকাজকৈ দেবশর্মান প্রথামা কিন্তা নমকারা নিজে দনক বিশেষা কিয়া পরম গুলামীবাং রাশার বৃদ্ধ বিশেষা ২২ লাখিন মজস্বার প্রশ্রীশার দারা মহাপুলা হইবেক কিয়া ৫ পাঁচই কার্ত্তিক গুলুবার প্রিপ্রীকেনী জঠনা কিয়া ২২ বারই অগ্রহারণ মক্তবার অমুক্ দেবাটেন হইবেক মহাপ্রেরা কিয়া আপ্রারা মাহেশের বাতীতে আসিরা দর্শনাদ ক্রিবেশ পত্রের ঘারার নিমন্ত্রণ করিলাম নিবেশ্য মিতি বিশ্বালাপন মিতি।

গ্রন্থান্তর।

্তিপরের লিখিত পুরাণের পিরনাম। মত। পুরুজাত ও ক্ল্যাকাত সংবাদ পরে।

পুরাণাদি ভাবণের নিমন্ত্রণের পত্রের পাঠাপার বেমক লেখানিরাছে নেইরণ স্কাভি ও জন্মকাভি লবু ওক বি-বেচনা করিয়া পাঠ ও শিরনাম। লিবিবেক ন্যতুষ্তেপ পিভামহ মহাশম্বের ও মাভামহ মহাশ্রের পতা উভন্ন পত্র লিখিবার ধারা।

ं । ५११ भेज । 🎠

 लाई रगानि इत एटन निश्चितक श्रीगंधिक श्रीयुक्त अवक् हरग्रीमाधात छाइबोह এक नवक्षात श्रेताह किया नव-द्वादतत थुका राष्ट्रील जिल्ल छाउ निश्चितक श्रियुक ज्वाई ज्ञादत प्रमाद्दत किया यधारनामा मश्चादतत अक सवक्षात श्रेताहरू किया करता इह निश्चितक अक सवक्षाती श्रेताहरू सश्चितका सकता इह निश्चितक अक सवक्षाती श्रेताहरू सश्चितका सकता का निश्चितक अक सवक्षाती श्रेताहरू

अशहम भूषानीम किया परमक नमा श्रीयुक्त समृक वरमा। भाषाम श्रीवद्रश्यू किया नमानदास्।

েন্সত নতার্ক হর বিবেচনা করিয়া লিখিবেক ইতি। অন্প্রাশনের নিমন্ত্রণ পঞ্জ লিখিবার থারা। ১১৭৮ পঞ্জ।

ভিপরের লিখিছ ঐ বাপ নংগক বিবেচনা করিব। পাঠা পাঠ লিখিবে ক আর লিখিবেকসংবারটিটার সোনবার মধ্যম দালা মহালারের কিছা প্রাণাতিক তীয়ুত অনন্তরাল প্রভিত্ন লোষ্ঠ পুরুক্তি কিছা জ্যান্ত কলার ভয়প্রাল ক্টবেক মহাল দেরা কিংবা ক্ষাণানারা সকলে আসিরা আলীকাদ করিবে পত্র ছারায় নিমন্ত্র করিলাম নিবেদন মিভি।

শিহনাম।।

ঐ ক্রণ সম্পর্ক হিসেচনা করিয়া লিখিবেক। চুডাকরণের নিমন্ত্রণ পত্র লিখিবার ধারা।

खेशदात निश्चिक के किन गण्यके विद्यवन। कतिया भागाणि निश्चिद्यकं विद्यापितिश्विद्यक ३० शनदार देखार्थ भागाणि किविद्यकं विद्यापितिश्विद्यक ३० शनदार देखार्थ भागाणि किविद्या विद्या व

जासकोइसे ।

ः निहेमामान्त्रीतः । १०० महाराज्य

न भके विद्युष्ठना कतिया छुणद्युष्ठ मण लिखिएमक। छेलनस्टमक निमहण श्राह्म

-11 See Ma 11 4

উপবের লিখিছ ভানামুগারে স্পাক বিবেচনা করিয়া পালপাঠ লিখিয়া নিগেগঃ ওপ আষাত বুধবার নিযুক ক্ল-কাছ বল্লোপাধায়ে বাবা জীর উপন্তনা দি কিলা নমাপন করা ভাইবেক সহশেলয়েলা তিওীজলার বাটীতে অংশিয়া আশির্কাদাদি করিবেন পারের দ্বারার নিমপ্রণ ক্লিলাম নিধ্বদন মিতি।

শির্মামা ব

राज्यक निरंपणमा कविश्वा छेशरतत निर्विष्ठ मेळ निर्विद्यक। बाक्यरमञ्जल अध्या निर्वित्र शब्द।

প্রকাপতরে ন্যঃ !

কুলবান পাত্রে কন্যা পাত্রত করণ নিমিত গুল সর্যাদ। গৌরবাণ্য মৌলিক কন্যা কর্তার দাত্রত পত্র লিখিবার।

त्र व रच प्रकार जिल्लाम्बर्ग स्थापना বরকর্ত্তার উক্তি

1,363 93

यक्तिः गरुन महतागर

প্রীয়ুক্ত গোবিদ্দশক্ষর বন্দ্যোগাধার মহাশর বরাবরেমু।

লিখিতং জীভরতমুক্তর মুখোপাধ্যার করা শুভ সম্বন্ধ নিশ্ম প্রানিশং কার্মনাঞ্চালে মহালহের মধ্যমা কল্য জী

मही क्रमत्क्रादीय मेरिक लामात्र कार्नाक विमुख कन्। त हस्य मुटबाशाक्ष्माद्यात छ च मशक चित्रकतन श्रूक्तिक वत्रानु-शमन वास्त्रितर्गत हो कहा अवत्रभारतत मन्त्रामात भग नर्क मुका बवलद्या हो।। नाकानि होता बाहे बाने हिक्क किया প্রশার টাকা অভ্ন পুরাকে বাহাল ভবিয়তে পশুবদ্ভ ं द्ववाक तहेलाय र खबर्द्र के लामबाद बाबि एवं नरखः प्रमाय श्रम दिवार एवं जाय चित्र इहेल छ।तिथ मस्कूरत्व ग-कार्व जनम नाटक अंजि अक एए कि ना इहे पटछत नमम महानदेशत नाजिटक् वद्रभाज मझतुर्वाक ग्रजाक विदिश्रा निर दिशाटक जागश कवि अन्तर्भ मस्कूती आह सुम ७ मशामा-टब्रंब द्वांगनाई चंत्रक आर्टग्रंकन चंत्रक ख्रावतक ख्रांवतकत निमा कवित अक्षर्ध श्रम ताहात है। ल लहेत्रा मुलध मय-िलिक खडनपण किन्य भाव लिलिश मिराश है कि नम ३२७० ज्ञाल जाहिय २५ आयाह अहे भएत स्थाप शिक्लक्रिक তক চুড়ামণি সাংআমতা আমি এই লগ্নতে মধ্যুত্ব রহিলাম বরকরা লগাবুদারে ব্যপ্তি সজকুরকে সভাত না করেন ्र बाहारक महालदम्र य लाकगान हरेत्वक आमि बाहान विना करिय है जि।

हेमांकी।

শ্রিমনীবন ঘটক সাং ভৌগ্রাম শ্বীর্ষেমাহন ছোববাল সাং কোলগাড়।

প্রিপ্রাণ্ডক ঘোষবাল সাং হুড়া।

লিখিতং শ্রিক্তিরাম খোষাল করা রাগদ প্রমিদং কার্ব।
নঞ্চানে উপরের লিখিত প্রবাহার ২৫০ ছইপক পঞ্চাপ টাকার মধ্যে নিজ রোক্ত নিকা ৫০ পঞ্চাপ টাকা পাইরা র্নিদ
লিখিয়া বিধাম ইতি নম ১২২২ মাল ছারিখ ১৮ জাই ।

क्या कर विकरशत नम्यु नज निविचान मोहा ।

के शत्य मधार शिश्चानित ठकवली लदानुसार कुछ्द्रस् नमाश्च क्याह्या किंव लाहा

सकार्णस्य विश्वक गमाध्य हरू वजी महाभन्न तहासद्वस PINCE STATE OF THE PARTY OF THE

जिविक शिक्ष विद्याम (पार्टाण करा छक रायक निर्मेस लख मिन कार्यानकार महाभारम्य मध्यम शूख शिवालादान करामार वर्षमा कना। शिम्रकी नुप्रामिशो कार्य वर्षमा कना। शिम्रकी नुप्रामिशो कार्य विद्यान वर्षमा कना। शिम्रकी नुप्रामिशो कार्य विद्यान है है। वर्षा वर्षमा कार्य कार्य

লিখিতং জীঅভিয়াম স্বোক্ষণ ক্যা রসিত্ব পত্র সিত্তং কার্যান্থনাচন উন্তেম লিখিত ক্ষাবাহার ফুরু আছেই প্রত होकात्र सर्था निक्रीतीच किहा ६० होका भाहिता तिम जि-विग्रा निवास हैकि मन ५२०० मांव ५२ छोछ।

हेशांगी ।

শ্রীকুড়কান্ড ঘটক বাং জামতা জীবাসরাস ঘোষাল সাং ঘণস্ক শ্র

পরিষর্ভ ধনকোন প্রক লিখিবার ধার।

১৮০ প্র I

ি উপরের লিখিত যেনত ধারা লেখা গিলাছে ঐ সভ কিন্তু উভয়ের পুত্রকে উভয়ের কন্যা সংগ্রাদান করিব এবং ফরিবে এই মধ্য নিথিবে।

> করিও ইত্যানি সর্ক জালির পাচ সমস পর লিশিশ্য থাসা।

100000

উপারের লিখিত প্রান্ধা পালে বেমক লেখা গোল । ই মক লিখিবেক ইকি :

শুভ বিভাৰের নিমন্ত্র 🦏 লিখিবার খার।।।

কর্মকর্তার অফাতি ও জনা আতি ধানার সহিত বেয়ত সম্পদি তালা বিবেচনা করিয়া পাট লিখিয়া বিশেষালি-থিবেল ১২ মাঘ লানিবার জামার আঠে পুক্র প্রাণাধিক আইনিবারায়ণ মুখোপাধাার শুভ বিবাহ ক্টবেক মহালয়ের কিংবা জাপনারা শ্যামবাজারের বাটীতে আগমন করিয়া শুভ করা সমাপন করাইতেন প্রভারা লিমন্ত্রণ করি-লাম ইতি।

> শিরনাখা। হার্ত্ত ক্ষেত্ত সভাক ভাষ্য বিবেচন। ক্রিয়া লিখিবেক।

পিজালমন্থ কন্যা জীবনিধী হইলে ছাহার পিছা ঐ কন্যার শ্বন্ধরকে পঞ্জ লিপিবার বারা। কন্যার পিছার উতি

She was the safe

शास्त्रां ते विशालान देनले वि दनवर्णके के विनिधे के के नमकाता विद्यमनकारें विश्व के विवाहिक प्रशंसद के के नमकाता विद्यमनकारें विश्व के स्थाक स्

वित्रकामा ।

মাদেক সৰয় উন্তুজ বাৰাকান্ধ বজ্যোপ্ৰাহ বৈধাৰিক মহাশায় সৰ্বাশহেণু উন্তিশিধাৰি কংবাদ পাল কিথিবাৰ বাংলা

শিক্ষাবারণ দেবশির্মাণঃ সংক্রোভিত নিবেশন থিছে ১১ বৈশাপ গুরুনার বেলা আড়াই প্রভাবর সমল কামার ।/ পিতা কিয়া মাতাঠাকুলানী।/ লোলান্তর আন্ত ইয়াছেন কিংবা ।/ প্রাপ্ত ইয়াছেন কিংবা শ্রিশ্রীলাল ইয়াছে ক্লাড কারণ লিখিলাম ইতি।

भित्रमात्र।

প্রতি বিশ্ব প্রতি **ভিত্তামক্ষণ বল্পোপ্রতি স্থিতি স্থা** বিশ্ব প্রতিবিশ্ব প্রতিবিশ্ব সংক্রিক বিশ্ব সংক্রিক বিশ্ব সংক্রিক বিশ্ব সংক্রিক বিশ্ব সংক্রিক বিশ্ব সংক্রিক বিশ্

পুনত বদাপি এতি আছি ক ভূঁকের ত্রী সংগামিনী হয় ভাষার পাঠ অধিকান্ত লিখিবেক প্রক্রিমাভাগ্রাকানীরংগ্রা-মিনী ইইতেছে ইভি মাত্র প্রভেন ভারত রূপ নকন লিখিবেক

TO THE REPORT OF THE PARTY OF T

শ্রীলক্ষীনারারণ দেবশ্রাকার্মনার্শিক নিবেদন নিচাৰ

১১ বৈশার শুক্রবার আমার শ্রীক্রীপিছাঠাকুরের আদান্তাদ্ধ

ইইবেক মহাস্থারের। শ্রালকার বাসিকে আগমন করিবা

কিয়া স্যাপ্না করাইবেক প্রেক্ত হারার নিষ্ত্রণ ক্রিবাম
নিবেদন ইতি।

TO THE STREET OF THE STREET OF THE STREET OF THE STREET

্বের বিভাগ উপরেপ্ত লিখিছে মজালিখিবের। এর বর্গত সাল্ভক্তরবের নিমন্ত্রণ পত্ত । এর বর্গত

10 · (4) 20 内面 (f - 1) 8 / (1) 12 (4)

ক্রিয়া কর্তার অমাতি ও অন্য লাভি যাহার সহিত যে

মত মণার্ক বাছা বিজ্ঞেন। করিয়া পাঠ লিবিরা বিশেন
লিবিবেক ১৬ চৈতা শবিধার আমার প্রীন্তি পিতাঠাকুরে বাং
বংগারিক আন্ধা হউবেক মহাশবেষরা নিলা আশোদনায়া শানি।
কার বানিতে আগমন করিয়া ক্রিয়া স্নাপন করাইবেক
পারে বারা ক্রিয়া ক্রিয়া কিন্তা ক্রিয়া

निक्ष वित्र किया याश्या एक गाउँ । भारत विद्या किया विद्या विष्या विश्व विद्या किया विद्या विद्या विद्या किया विद्या विद्

III ADOME II

উপত্তের বিধিত মত সম্পর্ক বিষেত্রণ করিয়া পাঠাপাঠ লিখিয়া বিশেক লিখিবেক ১০ আবাত রবিধার আমার পি ভাঠাকুরের এটকা দিয়া আছে ইইবেক্শেষাশালেয়া কালবা-ভারের বারীকে অধিবন্ধিক ক্ট্যা ক্রিয়া সমালান করাইবেক প্রশ্নেষ্ঠায়া বিষয়েশ ক্রিয়াম ইক্সিটিনে চাই ব্ केशदात विश्विक केल मुलाई विद्राहका क्रिक्रिक्शिक्षित्वक । अस्ति । गूर्य भारमत् शक्तित् ।

গীর মুরিদকে বভালৈ বিবার বেনেভা 🕯

^{ক্ষা} শুলাদ্বেরঃ**লোবান** ।

াট্য পূর্বে

· विकास मत्रथा दलकि चार्छेन्न तमा वेत्रशास्त्र विभागी वस्त्राहः বিষিদ্য বাস্ত্ৰ আৰ্থাক বেহেইতেরি এরারা কোনে আ জিলেধ শিরিপ মহাশ্রদরা ছেলমি বেকুদা কাদ ছাত্তের নেছেলবানী कत्रमा त्यात्र धूत्राकः नाम्मातः त्यरचंटकत त्यात्र भीत श्रुतिन ANTE I TO A STORY MEN, AND THE STORY

क्ष्मारक वह कारतका निश्चितक हे छि। শিৱনাযা।

আইল আকবন্ত তাজেনিলী আকরে বলেরাছত '' কোনোলা বদরভাবে ছব্যা ছালা বেকাকত ।' " अत्रमा बीयुक देवत्रम नुतंबदशमा श्रतिमकी े नाट्स्व कम्म त्र अगटमधु।

क्षेत्रक दश्याव ।

बादम्बदक श्रेष्ठ निशियात (हरवन्छ।। भीते मुत्रिष्मत त्यातीन । १००० वर्गाले १० ं इतर शक्ता

्रवाम (माल्या डाटबामकी डब्सक छना वनसना मरकून अक्टन्य विषय्वादर दमयक किट्नुनेन दर्गा লোভা বছ ছ বাদ ভোমার থেয়ের থোবি স্বিন্ত্র) কোন त्वाक मात्रा (बदरूटचत्र त्नाम ।

्र निवनामा।

অভিনতে এনেগানবর জগন হালো নঙলা দেবা দরণে বিশোনবর গোলান ওজালা বাবাজন নোহলে এমান জীযুক্ত নহালান সবিপা জেলেকানি এনহানি রঙসনেয়। খানেন ৰূপালে ভাষামকে এই ভেনেস্তা লিখিবেক। নালোকে পোভার বভ লিখিবার ছেরেস্তা।

वादित महचादित शिहिशम क्रांटिशम क्रिका क्रिका ने कि व वह वाम तादना छाट्टिवर कमन नार्शना भूगांक क्र थीटम-भ्यत खालम खाट्टिवर ख्या त्यांचि त्यामवाम छेत लाह भा दिना क्रक छाट्टिवर देन्द्रिकरित खेला लाग नाटकात ना स्वाटक रुक्छालाकिकम त्यामानिटक वादिहाटक्षण छाटा निवक बानिटक, त्यांवेखा स्थ्या भारकण छाटाच सांकवर भारत्य वानिटक, त्यांवेखा स्थ्या भारकण छाटाच सांकवर रम्द्रवर्गी मूनटक थेक लिथिया क्रमांत त्य नगमवास क्र विट्रिक छूम मूबाक उप्पर्णायात सांह धायान माहिनाकम हाट्टिव संस्कृत दक्ता प्रातिसम्हात्याम तथ्यान। रहेद्वन द्वे-ट्यादेशी लाल खालास क्रिजाटक माहण करवाहरू क्र त्यांचिक स्मा त्याद्वाहरू विज्ञादक स्मान क्रिजाय मनाकाक करवाहरू क्रम जाटाहरू जाना

PATE !

पार्राहरपात्रा काटरम्या शिकालवृष्ट्रिक सामाची । शहरूव केनटम्यु ।

পোভাকে দাদোর বস লিখিবার ধায়।। ১৯৪ পত্র।

মন্ত্ৰ বিশ্ব কোনেক। তিছিন্ত আসিরক আলি খেছের বছত বছত ক্রিন্ত্রী দরওয়াজায় মেন্ত এরালার নোভেদ আছি সুরাত মজকুরে এ দাববেনের বেছের খৌবি সোদ পোজে গুড়ের করিয়াছে মেঃ বেজিন সাহেবের পা-

रना शाबकाह्या अट्यटनात्रात चोड कटल इक निवस चाहे पड त्यावांनी आहेबान जागान अपाटक व्हेटबर्ड जाहे बीरिय नकतिए भाकरताह काइन्स महिन्द्र वह एक प्रवाद इक्टनएक ৰভক্রিতে মোকরোর হওয়া লোকেল দেগর নজারতে যে है कि कागाई किंद्रक हारात आहा है कि भागान हसूरन প্रकारित योग नाष्ट्रीय क्रिका बादिकना एवं स्थापीय नित বৈর গরকিস আমি জেন্দেগানিতক যে ভছদিয়া ঠোঁক हरु ति खीखी मानुःम बचार चारम शहरावित थवतमात्रिः रतरत मुदाटक कतिएक अमरक विक्ता कृति चालमा कतिका। क बालवाका चवडलावि कता बंद्राव भारक पारक परिवाल भी हरू ्रकोटमथ श्लालात्र आकरत् भूष मारिमांत्र १७ छात्रित्य कोखीः মক্তারওগানা হইবেন আমি ঐ সামিলে এককাট্টা রওয়ানা रहे बतामा व्यवस्थानी व्यवस्थित स्य खीली स्कठालाव अब अवाधाय त्याटकके द्राक द्रकाकक द्रावि व खन्न रमाय বেশি গালেকে মুলাবেনং কেরাপ্ত করি এরাদা খোদাম यमना शामी (एक देवदरदेखन मा (एक

শিরনামা।

লাউপতে এনহান দ্বগোস খোস্বর জোবান বয়ওসন ছালে। মওলাদেল উজাল। ভাই জান গোছলে এনান শ্রীযুক্ত হৈদ এনাজোলা কেন্দেগানি এনহানি রওসনের

নারি এ নানীকে ওড় কিথিবার ছেরেছা। পোষার নাতি এই দোরর ছোয়ানার ছেরেছা।

কে প্ৰে

क्षम शाइनावत्रमात (अपमेरुभात विद्युत मामदाना विका नी रेक्ट्रमात चारवान पातिकोतं दलक नीतिकीतं स्माता टमक मकाई (तांत्र वान्सांत व्याहरकति त्याम ।

विद्रसामा ।

থাৰমেয়া পাক্ষৰ ব্ৰস্তমনি বোলন্দ কর্দনি अपनी मारिकारिया नानिकी कर्म भाराना क्षेत्रहरूष्ट्र

উপরের ুলিবিভ পাঠি। सित्रमाय मानी । नानी ञ्चलिति शुप्रदादके दाया यात्र (भारा । अ ना कि कहें (मानदक अंक त्मश्री है कर ात्राव (हरद्रका नामी अंनानी अहे. ं (पान्य कार्यान

11 238 MA II

त्रमृत्रशाद्य होत्या मक्का व्याद्त स्मत्र कर्णान विभन्न ভাক্রতি তিনী লৌদ্ধা বছকং ভাইজীর থেএর থোবি সুরাতে क्षांभाव स्वट्ट्टब्द द्वांच हिंतू है।

क्षित्रमामा १५ ्र स्वाटक्षा अटकावाव कीटतब कामजना हैकी े ता (अद्यानानि अनेशनि द्वानदेशन्त के जिल्ला विश्व भारे अ भितनामा श्राका । नाक मुशानि कामगदक विविद्यक मित्रोंकी श्राहाओं **अविकार गाल्या** श्र ज्यानी अध्य अवन अहि मूर्णांगरक यक लिश्वार

ECECATED IN : ५ तथ भवा।

शारांका वहवार बिद्यान विष्यु हरणाम विकेशी विद्यासांक

का नदकोस्यो।

विकार स्टब्स करणा सरमाहि । त्यस्य देव अंदर्शना देव १००० दश्या विकास

> क्ष्मारकात्व जारकात त्वारकात विश्व त्वस्ताना कारहर अश्र प्राणा की कारहर अश्र विश्वको कारहर अश्र गोलाको कारहर अश्र गुण्याको कारहर अश्र दर्घ क्षेत्रको कारहर अश्र दर्घ कारहरू कारहर स्थ

ভাষা বেজ্নীক ভাতিতা ও জাকাও সামাৰ ভাষাকৈ জিলিবার হেকেটা মিজে ও চাচা ও মানু মন্দুরে ভোবানি।

আন্তেথ করমূল জ্রীনাথ তাজিন নোকর বৈছণ বক্ষের আছ প্রায় দ্ববাগবক কাজিজে বরাবিবারোদন সুরাত প্রায় ক্ষিয়া কে বেহেতের বোল

ingernet

चाटकटमती भीतिक समस्मान का मारेमान अन्हानि तथ चित्रु तारामान क्या मारेमान अन्हानि

ৰ শালা ও ৰডা বহাই গরাকে ল'ছ লিখিবার ছেৱেছা।

(होते। बहार के (हाति। लालाउ कार्वान।

तरक रहित्व (कोर्बाड काल हिन्दर्ग किये वर्ग की की है। कोरब के किर्वाच किये काल स्थापिक कर बारस्य प्रति वर्ग की की सुरुष्क के ब्रो स्थापिक एक अब्देश की स्थाप की स्थाप

mistalty.

कियानामा ।

्रेटिकोक्ट (स्व क्रमान क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन

पहारे कारे का रहा है। मानारक अस्ति विकास

त्वारहरि व रहा नाना । वास्त

700 + 200 PM 11

্থাটেশ্য কেইবার জীলেখ ক্তর জিল্লাল বন্দিনী চাংহেন বংশিক সেক জড়ে এওনন প্রাত জেলা থেমের খোলি

শিবনাগুল বেশেষৰ কৰিব। তুকু কৰি চালাগুলন চাংগ্ৰ ব'ৰেশেৰা বোৰ মেলাকেন। শোষ্ট্ৰ কোবান।

esta cita de la compaña de la

--

THE STATE STATE OF THE CANAL

5 0 4 WW

दिशान के किए एक्ट किया को किया जिल्ला है। अस्त्रीक के किए एक्ट किया किया है।

ক্ষাৰ কৰিছে কৰিছে বিধান কৰিছে।

বৈশ্ব কৰিছে কৰিছে প্ৰায়ণ কৰিছে বিধান কৰিছে

entrale and entrale en

TINTER ANTESTS CONCESSIONS SETS SOCIALIST VILL

A property of the contract of

10 TO THE STATE OF THE STATE OF

stales also about the state of

মংশিষ নরবিচয়ত

निविद्धः अधिनकार्या सामक करा हाँकी विकास न स्ता शह विद्या विद्या कार्या साम के कि विद्या कार्या कार्यकारक स्वाम माने के कि विद्या कार्यकार कार्यका

न इराजिक सिर्वात सेता !

विकारको बहावर क्षेत्रकेत निविवास भागः

PATE IN DETAIL

" F 14 8 84 3 1

महामार्थम की यूका । छहर सम्म कार्गाहित । माटक्य सन्नार्थम् ।

ति विकेश जिल्ला के स्वाप्त के स्व

ল কৰ্মনাৰ বিশং কাৰ্যানকাৰে আৰি মহাবাৰে নিকট এক হাট এলাইচ কেই কৰা থানিক ক্ষিলান ইহাৰ সৰ কৃষ্টিন্ন কেনে কিম্মান ১২টাবাৰ হাবে কিছ একন সুৰুত্ব বহু মোন হইবেক ক্ষেত্ৰকাল বেৰাক টাকানকিন নাৰ কলতে কিনুক্তিয়া কেনি কাটাইয়া লগত কিন ক্ষেত্ৰৰ প্ৰতি কিনুক্তিয়া কেনি কাটাইয়া লগত কিনুক্ত আনাৰ এলাকা নাই বৰুম্বে সক্ষাপ্ত বাব স্বাহেন্ত্ৰ হিন্ত আনাৰ এলাকা নাই

क्रिश्मिष्य देशा । हिल्लामा अस् निर्माणमा वर्ग

अध्यक्षा वर्षे

नाः (धानमूत एक्कार्याक कात्रज्ञाद्दत द्याथा शक तमाद्ध है वि । काचीवाती कर्ण्यत (सथा शक्षाद वडिं। कालुक्याद्यत कर्यक्षि)

andanisa ger

Carlo Carlo Mari, E live grant of

ন্ত্ৰি জিন্তুল লাজা দিয়াক নহালা স কী হিচাপে চাৰ মহাপান কুলাব্যাক

লিখিক শীরসভাচ্যার মার্তি ক্রা কর্নতি পরি মিদং
সন্ ২০০ সালালে লিখন ক্রাইনের্ছারে সংগ্রাহার করীবা
বাত নথা মুখ্যেঘাট প্রগ্রাহ কাটি ক্রফানন্দপুরের সামিল
কৌছে ডাক্রপুর প্রাম সেওয়ায় লাখেরাক প্রেটাক ক্রমী হাবিল ও পত্তিও ও ফলন ও বিলাপ্ত বিল ও প্র্তিবী ওপর
২০ স্বব্ধি বিম্নিক্রি প্রাম ন্র্রেই ক্রিক্রিটি ভালান

লাম ইহার মালকারী বালিকারা ২০০ খালার টাকা কর হ যা চিক কিন্তী কর্মী ক্লাপরের নিকট সরবার্থাক করিব কিন্তী খেলাপ ভ্রমী ক্লাপে মালকারীর টাকা ধারিব করি তবে লিংশতে ১ টাকার হিবাবে কিন্তী বেলালের সূক্ দিব ভাব বাটা কি: শতে তিলাক দিব সন সভা খিল তৈরের মধ্যে মালকারীর টালালার পাটা বেলাক কর রাহ ত্রিব ভালা না পালি করে সাফিক ক্ষিত্র বলার ক্ষমা ভাল্কগারকে মইল মজকুরের বল্লাসক ক্রিবেন ভালতে আমার কোন আপ্রানাল এই কলারে প্রানি ক্ ল্যুক লইয়া ক্রপতি লিভারা দিলাম ই কা সন ১০০০ গালি

इनामी।

म् १ हिन्द्र के कि शहर के कि शहर कि मार्थ

बीशांदांत्री मस्तार का विक्रितार्थ

श्चितायदभाशां सर्व । मार यहां श्रेष भूत १८०० जोत विश्वीवनी

NIE CANA
NIE

404

2786

. 700

. .

. . . .

140

200

AIR PERSON

ान को । जान को है कि विकास जान को है कि विकास जान को है कि विकास जान को है कि विकास

विश्व किस्ते के स्वाह ते के किस्ते के किस्ते के स्वाह ते के स

रकत भन्ना । इ. बेर्ड स्टालकार गांका है।

ভাষাৰ কৰা নাতা নাগে মন্তঃ বাই প্ৰনাৰ লাই ক্ষাণ ক্ষেপুৰেৰ সামিল মেতি ভাষাণ আৰু নেন্দ্ৰালয় নাথে বাহা বেৱাছা কৰা হাসিক ও পাৰত ভাষাক প্ৰতিষ্ঠ বেৰ কাগ্ৰাছা ভাষান ভাষাৰ ভাষাৰ বিভাগ লাইছে প্ৰতিষ্ঠ ভালাৰ বিভাগৰ ইয়া মালক্ষাৰী সালি সাল ২০০০ টুই মুজাৰ বাহা বান নামান্তিৰ বিভাগৰা কা নামানিক ক্ষিম্বাৰীই ভাষাৰ বিভাগৰ নামান্তিৰ বিভাগৰা কা নামানিক ক্ষিম্বাৰীই ভাষাৰ কাছা হ'লছে ইন্তিৰ্ভাগৰা কালক্ষাণ্ডীৰ ইন্তা সাধিল ক্ষম বিভাগৰা কিছিল ক্ষিমিক সম্ভাগৰা কুলিব ভাষাৰাটা ক্ষিমিক ক্ষম বিভাগৰা কিছিল সম্ভাগৰা কুলিবে ভাষাৰাটা ক্ষিমিক ক্ষম বিভাগৰা वरमावक क्षा याहरवक षाशाक सामा कान का लग मारे करनार्क भग नेहात होका जनाय वस वनक शाहेबा वग्रनामा लिक्सा जिल्लाम हेकि मन्द्रिकाल का निव परेकाल

THE COM! नार रेकार नार् आपांड माह आरत गाड जाय সাহ জাখিন भार का उक মাহ জগ্ৰহায়ণ आंह स्थिय मार्थ यात मार काम मार देशक

图题 [] (5 [4]

বিদ কলেয়া কাৰুৰ ৰয়নামার প্ৰবাহা সম ১৯৩৩ সাল বার শত তেলিশ সাল ভারিখন জোগ্ন। আসামী

शः ध्याम

THE!

see ut big alat gial

नस्वन्छ शाहेश विवन् भन्न विकास विकास ।

इसकी

बिबीशके क्षेत्रकी जार मिनामश्रव

खिवांतानती मञ्जूषात नाः विभिन्नगृह

वीतंत्रदशांशांल यक्षिकः।

कांनु करावटक कानुटकंड मर्थाल जिल्लिका निवाब थाता। अस्तिमादबंद के कि

हें रण्ये श्वा

क्रम मध्नि

मध्म पांठे शवर्तना नार्ष्ठ क्यानिक गृहेबत गाविक हमेट कांच पुत्र बाह्य ने ने के कार्यक थेका हो ब मान सर्वा वालिया श्रवनात मिक्रून नाकिटमह खिरमसकृषा मार्था-ভাবে ভাৰপুৰ আম পত্তনি ভাসুক (দেৱহা গেল অভএব ্ৰাদরা মাত্রভা মতকুরের কালারীতে হাজির ক্ট্রা আপন ध्यालम कमी क्यांत रामाविस कतिये। कर्णिक वानित क-विया नाष्ट्री भनेवा भानकातीत होका नत्नतार करिया है.. राहरू एकान खेळात क विना भा इंकि मन १२०० माल का दिये क देखार्थ :

> ইৰারা বন্ধোনজেন লিখিয়ার পারা : हेकारमारतत कर्याकः 23" mg ! मर्गर्क श्रीयक नगडकुमांत मार्गत् M. . वानुषीयश्रमत वहारहरहे।

লিখিকং জীকাল্বিকুমার সর্যাত করা কর্মতি পর मिन्द्र, व्यक्तिमध्यारणः, वस्रवाची , श्वत्रज्ञान न । के क्रुप्तिमञ्जू द्वत नामिन भोटब कासपुर द्वाम भवागद्वत काल्क के जाम भक्तु रेखक जन १०३० मध्य नाहारीन एक ১०৪० भाका ३५ वणात्र तम ध्यमादम वर्गमदयव जिल्हे ११८७ ई ब्राह्य जरेनाम हराइ पाल्क्यावी शालियामा सम्बद्ध अधीत क क्लब मूर २००० आधार शंकात होका निमार्क्स किन्दी कनी মেয়াক ভোর মহাপ্রের নিকট সর্বর্ভ কবিব ছালা ভঞা প্ৰিতের ভ্ৰম্ব করি দেবাছিল ও নাম্ঞার মেঘাদ পুরা क्हेंटल महानाम महता जयकृत थे। एवं विशिद्धन किया (कामता বন্দোবস্ত করিবেন ভাহাতে আমার আপত্ত নাই এডমধে আপুন খুসিছে ইজারা লইয়া কবুলতি লিখিয়া দিলাম है कि यन ১२०० वात्रमक टबलिम नान कान्नियं ५२ रेकार्क 🕼

or property		7	किल्ली	रस्त्रीत			
जार दे	nd.		ر مورد مورد . ا		发放	Att OF	50
प्राप्त क							y. (
TITE S	বৰ ়	4, 43	, 1 g t	4	* 1857.5) v
মাহ ভা	- 1	12 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		* ***		This is	, es :
मा २ क	(उंक				i i	ر. د مو ال	مه په
মাহ ত	ग्राह्म विक		, , ,				ه به د
मार म	M (NO)	14.g p		e gala. Palate	Tary T	, , ,	} •
কাহ জ মাহ হৈ		A STATE OF THE STA					ج م
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Parker of Agent	Barrell Comment			20	10
	ক্টা মাল	য়: কুমুরী	कृहें हैं। इति ह	হার পী *	549 B	কৈ মা	T.
100	N V		इगामी	1879 164 W 27		r, griss [†] er	
Biffi	नाहन द			197	Deli	व्यन भार	8¥
81	পাওল জ	ATT A MANAGE OF THE	in the same and the same of	44.34	13	1717 73	el de la companya de
1 1 1 1 C.	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	N	t offe	પૂર્વ ી		4 1 1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
, * * H	है का त	मार्वत म	सन्दर्भ का २०० ल	लक्षा	वर्ग स	3	115

अंतमस्क्यांत्र मार्थाक्। यः १९८८ - जाणार्वे श्रांकात्र विका साकिक किस्तीयम् मानस्कात्री सात्रम स्का

श्रीकृषितांत्र महकाव मः हतिस्त्रम्।

मन १२% मालांक कि इंग्रे कार्यानकार्य महलकार महलकार महल कार्यान कार्यान महिला कार्यान कार्यान

(脚引

学堂さら

याय किली वसी

মাহ বৈশাখ

300

माह देकार्खं .	3 6 0
মাহ আবাঢ়	200
क हिला विन	902
माह खोख	300
মাহ জাখিন	₩ % &
गार कार्षिक	> = =
সাহ জলহায়ণ	₹,20
भार (भीष	₩ # **
阿克斯斯	₹ 4 €
मार् व्यंत्र	24.1
याह रेड क	200

नः चाणाई शक्तां होका माधिक किलो वसी भाराम छउ मनर माशक्षांत्री कतित्य देखि

> ইকারদারের দর্যনি ভালুকারের উদ্ধি। ২১৯ পঞ্জ।



মৌজে ভাজপুর গ্রামের মণ্ডল্ ও পাইক ও প্রজা হার প্রাজি জাগে বাঘনান গাকিমের জ্রীক্রাক্সিনীকান্ত গ্রকারকে গ্রাম মজকুর ইং সন ১২০০ সাল লাগ্রন ১২৪০ সাল এই এগার সন মেরাদে ইজারা দিলাম ভোমবা সরকার মজ কুরের নিকট হাজির হইরা আপনং মালগুজারীর টাফা বিমর্জিম।কিন্তীবন্দী এই মেরাদ জর সরবরাহ করিবে ভা-হাতে কোন ওজর করিবে না ইভি সন ১২০০ সাল ভারিশ্ব ১২ জ্যৈষ্ঠ

ইজারদারের নালজামিনী লিখিবার খারা।
ভালুকদারের নিকটে জামিনদারের উক্তি।
মহামহিম শ্রীযুক্ত বসস্তকুমার মাহাত।
বংগুজী মহাশ্র বর্ণরেয়।

POB C

লিখিতং জ্রীরামগাঁত বিশাস কাস মালজামিনী পত্র মিন্দং কার্যানঞ্চাণে মণ্ডলঘাটে পরগণাব লাট ক্রশ্বানন্দপুরের বামিল মৌন্দে ভালপুর গ্রাম মহাশরের জালুক ঐ গ্রাম বাঘনান সাকিনের জ্রীলফ্রীকান্ত সরকারকে ইন্তক সন্ত ১২০০নাল লাং সন্ত ১২৪০ শাল এই এগার সন মেয়াদে ইন্জারা দিলেন আমিহ আপন খুসিতে স্বকার মজকুরের মালজামিন হইলাম সরকার মজকুর মালজ্ঞদারীর ট্রাকা মাফিক কিন্তীবন্দী মেরাদ ভর মহাশরের সরকারে বরবরাহ করিবেক ভাহা না করিয়া কিন্তী খেলাপ হইয়া মালজারীর ট্রাকা দাখিল করে ভাহাতে মহাশরের যে লোকসান হই বেক এবং সরার্ভি করিয়া খালানা না দের মহাশরের হিসাবক্লই বেবাক টাকা আমি নিজ আদারে বিনা ওজরে সরবরাহ করিয়া সরকার মজকুরের কোন ওজর করিব নাই এজদর্থে আপন খুসিতে মাসজামিনী হইয়া জামিনী লিব্রা দিলাম ইভি সন ১২০০সাল ভারিথ ১৫ জ্যৈষ্ঠ

ইসাদী

ত্রীরামহরি দত্ত माः कलूरिशना शिश्कानन हो थाता সাং সামকর

গ্রিকনারায়ণ কর मार कामे। শুভ প্রাহের চিঠি লিখিবার ধারা : कमीए। दन्त डेखिं। २३७ शह !

अ उमस

তিঠিতলব খাজানা মৌজে ভাজপুর পরগণে লণ্ডলয়তি, সন ১২৩৩ সাল ভারিখ ১২ আবাত

ভালুকদার কিয়া ইজাবদার জীবদন্তকুমার মাহাতা खुरु

व्यागामी

खल्य

ইং বৈশাপ্ত লাং আষাত

প্রতি আগে

৩মাহ:র

সিকা

४०० ठातिभक् छोका देखि আবাঢ় মঞ্লবার বেলা

এক প্রহরের সমর গ্রাম সক্তবুরে শুভ পুণ্যাহ করিয়া ২৪ জা यां वृद्यांत्र (वला म्मम्ट्रक्षत्र मट्या फलटवत्र (ववांक वांका अ पवि मद्यापि वर्षा समीपाती काहातीरकशक्तित रहेशा ওভ পুন্যা করহ ইহাতে ভানিদ জানিতে ইভি।

35

थाणानात माथिला लिथिवात थाता। अभीमादत छेकि।

*78 列西 11

" नाशिना बटलहा प्योदक का जन्द शहरी में खेन मोहि जन ५२०० जान काहिय २८ व्यांचाइ

कार किया है? जीवन अक्मान माराजा

आ न'मी

अर्था "

कलन

बद्भश

থাং রামকান্ত জারিন্দ। বাঞ্চাল বেল্ক নোট বেণ । ৬৮০। ২ ছাই কেন্ডার কান্ত

रिक्का

800

মঃ চালিশত টাকা মাত্র ইতি পাজানা বাকীর কারণ ভালুকদাবের পর ভ ইজারদারেয় পর তলব চিটি কমীধাবের উব্দি।

1 = ३० श्रेष

চিঠি ভলত হাজানা মৌলে ভাজপুর প্রপণে মধ্যম্থাটি । সম-১২০০ সাল ভারিত হয় ফাতাণ

> তানুক্লার জীবসভকুষার বাহাকা : আন্মামী অনুবা

> > 4. HE

फजटवर बाकी ख्यानीनवादम जिक्का

৮০০ আট্মত তথ্

মালুম করিবা ভোমার মহলে ভগবের মবলগ টাক বাকী এ কভি বেজার মতএন চিঠি দেবির ভলবের বৈত্র क होका 'गरमक थोका थोका समोनाती काहातीएक ली हर देशाटा काशिन क्योंनिटन है कि ए

श्वनाच

্ৰ পেরাদা রোজ মায় খোরাক আন: চিঠির পুর্ফে লিখিতে হয়

थाकामा नाकीत कांत्र कांत्रकाराहत अञ

त्रावर्षेत्र गारश्रवर छेल्म ।

। २५७ महि।

स्कृम इष्टाहात।

মণ্ডলঘাট প্রগণার মৌজে ছাম্পুর গ্রামের ভাগ্রক্ষার

ত্রিবসভক্ষার মাছাকা লালুম করিবা ভোষার নামে ব ত্রামের লমীদার শ্রিকীর্তিওর রাম আম মলকুরের সন ১০৩৩ সাঁলের নাগাইদ ৩০ চৈত্রের থাকানা ৫০০ পাঁচলত টাকা বাকীর কারণ আলালত মলকুরে দরখান্ত করিয়াছে ভাত এক ইন্ফক ১ বৈশার্থ লাগাইদ ১০ রোল এই ২ক মান মেয়াছে ইন্ফাকার দেওরা থাইতেছে আপনি কিয়া আপনার ভর্ষ মোজার এই মেরাদের মধ্যে কাছারী সলকুরে হাজির হউ-রা উপরের লিখিত বাকীর টাকা বেবাক টাকা দাখিল করছ মেরাদ মনকলি হইলে ১ লোঠ ভারিখে মহল মজকুর দো সারা বদ্যোবন্ত হইবেক পশ্চাৎ ভোমার কোন ওজার শুনা বাইবেক না সন্ত্রহত সাল ভারিখ ১১ বৈশার।

हेक्काहादत्व शुदर्शनिविद्य हम्

धाम मजकृत्त्रव (गामान्ता । मध्या । शाहेकान श्रीह-भारण (कामता वह हेन्द्राहात श्रीम मजकृत्त्रव काहातीर छ किया गर्स एक कात्रगांत्र गर्ककाहेत्रा मिरव हेकि। े किया ब्र**ल्गनका लिबामी।**

ं बहे इंडाशदात्त्र विभाग

গোমস্তা ও মণ্ডল ও পাইক এই তিন জনার নম্ভথিতি।
গোমস্তা ওগ্যারতের উফি।

1 570 MM 1

महामहिस जिल्ला क्यानित गामिकीत । गाट्य वर्शायतम्।

লিবিভংশ্রীধারাণনী থানদার গোমস্তা ও শ্রীরামভত্র দা
মঞ্চল ও জীপাচকজ্ঞিপাইক কন্য রুগিদ গ্রেমিনং কার্ণানকাশে গ্রাম মঞ্চকুরের অমীদার ভালুকুদারের পর পাঞ্চানা
বাকীর কারণ ৮০ নং হন্ধুরে দর্থাক্ত করিলা ইস্তাহার নহল
মঞ্জুরে পাঠাইয়াছিলেন রসুন্ধী। পেরাধার মারক্তি পা
ইয়া গ্রাম মঞ্জুরের কাছারীতে লট্কাল্র দিলাম ইতি।
ভারিব ২৫ বৈশার্থ।

ভালুকলারের পর ইজারদারের পর ক্রীরারের কার্যা সংক্রেপে সমান্ত করা গেল।

ভালুকদানের কামদারস্তঃ।
ভালুকদার বরাবর।
ভারিপের আমীলের কনুলভি।
। ২১৮ পত্র।
মহামহিম শ্রীযুক্ত পার্কভীনাথ রায়
বাবুকী মহাশয় বরাবরের।

अन्यकार महकार नार क्रियुव

লিখিতং শ্রীরামকান্ত সরকার কসা কবুলতি পত্ত মিদং কার্যানঞ্চাহের বালিয়া প্রগণার লাট কুঞ্জবনের সাজিল মৌজে সেহাখালা গ্রাম সহাশ্যের তালুর গ্রাম মুক্ত রয় ফারিপের জায়ীনী কর্মে জামানে মোকর ক্রিয়েল শ্রাম বাদ মলকুরে বর্ওক হাজির থাকিয়া স্থা ১৯০ লালের
চিঠা বিমাজিন রাইরাভা ও থামার ও চাকরাণ ও বাজেলম ওলর্ড্ড দ্রবস্থা ভামাম জানেতা মালিক জরিপা করিয়া ভাষাম কাগজার তৈহার করিয়া দিব কার কোন
প্রজার সহিতে সরারতি করিয়া কিতাভুল ও বন্দ ছাপাইয়া রাখি কিলা রক্ষ কলাংককরি কারবে প্রমাণ শ্ম
ভাষতে মহাপত্তি শে লোকসান হইবেক ভাষা বিনা
ভ্তাতে মহাপত্তি গে লোকসান হইবেক ভাষা বিনা
থারাক পোষাক সন্দল্ভ নিক্তা ১০জনশ্চীকা করিরা পাকর্বই করারে জরিলের জামীনী কন্মে মোকরর হইয়া
কর্ণাত লিখিয়া দিলাম ইতি স্ল ১০০০ সাল ভারিগ ০০
ইনাদী

শীরামকর রাম বাং কামকুণ শ্রীহরিনারায়ণ সরকার শ্রু সাং লব্জাম

শ্রীন্দলাকান্ত সত।

নাং জোৎরাপুর

জারিপের অ,মীনের সমন্দ ভালুকদারের উক্তিঃ।

১২২ পঞ্জ।

Selyents Drifelate err

Marcally aspect to face it

क्षित्र के किया कार्य कार्य का विकास कार्ड कुछ बरमह गां

নিল মৌজে সেরাথালা আমার ভাতুক রামমজ্ব ভরিপ কারণ ভোমাকে আমীনী কর্মে মোকরর করিলাম তুমি গ্রাম মজকুরে বরপ্তক হাজির থাকির। সন ১৯০০ সালের চিঠাবিমার্জিম রাইছলী ও গানার ওচাকরাণ ও ব্যক্তিমী গুলমুহ দরকন্তি ভামান ভাবেতা মাজিক ভাবণ করিয়া ভামমুহ দরকন্তি ভামান ভাবেতা মাজিক ভাবণ করিয়া ভামান কাগজাত ভৈয়ার,কারয়া দিবে আন কোন প্র জাব সহিত করিয়া নিভাতুল ও বন্দ ডাপাইর। নাথই ভদারকে এনভ প্রমাণ কর ভাহাতে লাম্বর যে গোক লান হইবেক ভাগ বিনা ওজার আমার সরকারে সর্বথাই গাঁরবে মাহিলান। দর্মহা মার খোরাক পোধার পরিশ্রিমা গ্রহের মাহিলান। দর্মহা মার খোরাক পোধার পরিশ্রিমা

कालूक्षणाद्वर भिवति कायमणिति क्यूनिकि

भागिण

भग नाजाः

भहाभार्य कार्यक्रिक क्ष्रीमूक भारतिकीभाध गांत्र कार्यक्रिक क्ष्री

লিখিতং শ্রীমহেন্দ্রনাথ ধানা করা করুলাই পরা ফিল্ কার্নানগুলে মহাপালের ভালুকের মধ্যে বালিয়া পরগ্রনার লাট কুঞ্জবলের সামিল ফোলে পেয়াথালা আম মঞ্জকুরে হরবিক্ল জ্মী প্রমান কারণ ছবিপাল লাকিম্যের শ্রীরামকান্ধ লরকারকে মোকরর করিলেন এবং আ্মাকে পরকার মজ-কুরের সহিভ রোগনগিরি কর্ম্মে মোকরর করিলেন আমি আম মজকুরে বরগুক্ত হালির থাকিয়া সরকার মজকুরের ভুকুম মাফিক জ্মী প্রমান করিব মাহিয়ানা দর্মাহা মার ধোরাক পো্যাক স্ক্রুছা ৪ চারি টাকা পাইব একসর্থে রোসনগিরী কর্মে মোকরর হইয়া কবুলভি পাত্র লিখিরা দিলাস ইভি.সন ১২২০ সাল ভারিথ ১২ অঞ্চারণ

द्रांतनशितित्र त्रनन्त्र २२० शेखः।

Series and series

শ্রীমহেন্দ্রনাথ ধাভা সংচরিতে খু।

লিখিতং কার্য্যনকারে আমার তালুকের মধ্যে বালিয়া
পরগণার লাট কুঞ্জপুরের দামিল মৌজে দেহাথালা গ্রামের
করবিল্ল কমী পরমাস কারণ হরিপাল সাকিলের শ্রীরামকান্ত সরকারকে মোকরর করা গেল এবং সরকার মঞ্জুরের সহিজ ভোমাকে রোসনগিরী কর্মে মোকরর করিলাম জুমি গ্রাম নজকুরে বরগুঞ্জ হাজির থাকিয়া সরকার মঞ্জুরের ভিকুম নাকিক জমী পরমাস করিবে মাহিয়ানা লরমাহা মার থা রাক পোষাক সর্ক্রমুদ্ধা ৪ চারি টাকা পাইবে এতলর্থে রো-সম্পিরী কর্মে যোকরর করিয়া সমন্দ দেওয়া গেল ইভি সম ১২০০ সাল তারিখ ১২ জ্ঞাহায়ণ

> রোশনগিরীর সনক বং১ পত্র।



শ্রীমংক্রেনাথ থাড়া সুচরিত্রেয়ু। লিবিডং কার্যানঞ্চ আহল আমার ভালুকের মধ্যে বালিয়া भवनभात नाउँ कुळ्भू दवत नामिन भोदन रन्धनाना आप्यत । इविक समी भाषान कातन र्वानान नाकित्यत कीतामकास । इक्तियान नाकित्यत कीतामकास । इक्तियान स्वान्त्रत स्वां भावत करा भावत कात महाकात महाकृत्यत निक । इन्तियान वित्र किता महाकात किता महाक्रिया हिन्स मानिक समी भाषाना काति । यो किता महामान महामान भाषा । व्याप्त ।

কালুকলানের চিটি গোমন্তা হৈ জানা হালের পর কামীনেই নিকট হান্তির থাকিছা কামী প্রকাশ ক্রিয়া দেছা



বালিয়া প্রগণার নেটা আ শেহাপালা হান্যের গোষকা গুলুল ও পাইকান ও গ্রজাহার আজ্ম করিয়া হরিপালা গোর্থমের শ্রীরামকাল গরকারকে গ্রাথ মজকুরের হর্নিরু নিমী প্রমাস কারণ কামীনী কর্মো আ্রেকা করা পেল তেন নবা ইহার নিকট কাজের খাকিয়া জাবেকা মাফিক ১১৮০ গালের চিটি বিম্নজিন রাইয়াজি ও বামার ও চাফরাণ ও গালেরাজ ওগমরহ ভাষাম জ্বী ওয়াজীন ওয়াকই জ্বিপ করাইয়া দেওমাইবে ইহাতে ভক্তি না হয় জানিবে ইভি সন্ ১২০০ সাল ভারিথ ১০ মাঘ্ . ভালুকদার বর

ার নোরখান্য ও হৈমন্তিক ধান্য কুতের

আমীনের কন্পতির সেরেস্তা। আমীনের উত্তিত

সূত্ৰ পূত্ৰ (

भशाम रिश की युक्त खब्मनाथ (छो भूती खब्मी मात्र सशामा वताय दवसू। विमाङ्किशम भाषिक माः स्विभाष

লিখিজং শ্রিনাফ্রিরাম পালিছ ক্যা কর্লতি পত্র মিরণ কার্যানকারে সমর্মাই পর্ণগার নৌজে অগ্র্জীবনপুর আম নগান্তরের ভালুক ঐ অালের ইংমান্তর বানা ও আনিরি নুমণ হোরগানা রুছের জামিনীলিবি কার্য আমাসে মোক্রর করিলের জামি প্রাণ মজকুরে বর্জকে হাজির পাকিরা মরেজমীনে লিয়া সালেক ক্যামিলা সাজিক জ্যারি ক্রিয়া মরেজমীনে লিয়া সালেক ক্যামিলা সাজিক জ্যারি ক্রিয়া মরেজমীনে ক্রিয়া ধানা শ্রীন্ত্রীপ্রমাণ কুত ক্ষাহিত জ্যালার ইতিবল নাই আর ঘদ্যাপি প্রজার সহিত্য যোগ করিয়া ধালা কুতেল ভকার ঘদ্যাপি প্রজার সহিত্য যোগ করিয়া ধালা কুতেল ভকার করি জ্যারিক জালা বিনা কলেরে নিজ আলারের মহামারে মহামারে সরব্যারে করিব মাহিয়ানা সরমাহ। মার থোলাক প্রেয়ার সরব্যার করিব মাহিয়ানা সরমাহ। মার থোলাক প্রোয়াক পোথাক স্কর্মাই করিব মাহিয়ানা সরমাহ। মার থোলাক প্রোয়াক পোথাক স্কর্মাই করিব মাহিয়ানা সরমাহ। মার থোলাক প্রোয়াক পোথাক স্কর্মাই করিব মাহিয়ানা সরমাহ। মার থোলাক প্রাথিয়া দিলাম ইডি সন ১২০০ মাল ভারিব ১২ কার্ডিক।

इमानी

শ্রীরামরাম কর সাং শান্তিপুর

জীরাজীবলোচন দপ্ত গাং ইলাশরা

শ্রীয়ামগোপাল দত্ত সাং হাটসিমূল ধানাকুত আমীনের সমস্ম

कडिट्नड श्रामीत्नंत एवं लादात नेनेप लिया সেই মত লিখিবেক

अटकर धर् अभी जातिक काउटव हुई। ना निर्वित हैरू स ं भागा ल व्यावधाना कुटकते आमीबी कट्या काकरत कता ात वह शकात निविधा सात के मेर नव निविद्तक।

মন্ত্ৰ ৬ প্ৰজাৱ প্ৰ থৈকাশ নিখৰ বেষত ছবিলের अवन निया नियादक ताई मह निविद्वक अटेड्न भने बाबी ारव निक्षे शोबित थाकिए। लांत्रभ कतिएक हेरू। मा निर्माण-ा लिथिटनक आधिरनेत मिक्छे शाबित शाबित्रा लिखे लाम। ' थाना कुरु क्रिया बिटन ई कि

> जालक्षाद्वत निवंधे 'त्यामखार क्यू गणि' किरियांत धाता।

গোমস্থার উক্তি। PRE PRE

3 m 2 h

मश्यश्य श्रीयक नाउधानाय होत्रही कालुकानात भशामाह नतीयद्वि ।।

লিপিতং জীনিভাবনদ খোৰ ক্যা কব্সতি পত্ৰ মিদ্ধ कार्यानकारम वालिया शर्मपाद भौटेक विधिन भूव व्यास गरामुह्यत् जानुक केवादनत शामलाभिति विभवद्य कन् र गाकिएसत केतामतकन कहत्क सामधासिय नित्रा आसि माक्त्रत हरेलाम आमान्यक्टर यह छ रास्त्रिया फलप्रांचाम कताहेन अवश्याणांना अवश्वा सुवादक का निवा

করিব ছাহাতে কোন মতে গাঁকিলি করিব নাই যদালি জা मात नाकि ब्रिटेंड अवर श्रमात्र नहिक नाटकान कतिका कम कर्मीन कत्र काराटक महाभूदतत त्य लाकगान इट्टाक व्यर याकामात होका कहकत कृति काहा विमा अवदा निक भावादम महालटमन नवकादन नवकाद कविन कान यहालि थाम मधकुटत करम् थानामि लाक शास्क छात्रांत छनातक कतिया माद्वाचात्र किया किया किया पित अरु आदमत पृति छ।-को है की का कार्य हम देशाकन में है देवक कारा आभाव किया महालरवड महिक दकान अनाका नाई काह इक्त इडेटफ गथन (य एक्स शांद्र इ इट्टाक छा हा आयात लानिय आव आर्ग समञ्जूदर्शत कार्मी काना कानुक्षीत त्वष्थल करत काराह नहिक त्याकक्रमा कृतिहरू देश काशाहक जामानदेश कादवका माफिक कांग्रजा के नालिल कतिव माहियांना अवसार माह र्याद्रीक भीषाक मर्केष्ट्रका २ है। का कतिया शहिव आते माम अ उनिमार अगमनंश क लोहाजीय माआम माकान हेहैं क পাইৰ এই করাবে কবলতি লিগিয়া দিলাম ইতি সুৰ ১২০১ मान जारिस ३० ट्यार्ट !

है गानी

শ্বনেশ্যাম রাম্

किंद्रायमात्र तम् ताः शांबश्व

শেমিস্তার সমস্থ। ছালুক্যারের উল্ভি। ।। ২২৬ পর ।। Safe.

क्रिजानिक त्यांचे मुठ्दित्व ।

लिशिकर कार्गानकाटन वालिका भवेत्रवात स्पोटक विकित भूत जीमं भामात कृत्युक्त के जीदेगत स्थानकार्णिति ध्येषगढ़क श्वामादक (माक्दर क्या श्वाम ध्वाम औम मचक्दा नदक्क राकित शाकिया कञ्चलावान कवाने व अवस्थला सुवादक গালানা আদায় করিবে ভাগতে কোন মতে গাকিলি করি त माहे यसांध लियात बाकिनिटक अंतर आशात मिक्क বাজেপি ক্রিয়া কন ভঙ্গীব করহ তাখাতে আমার যে লো। ক্রান স্ট্রেক এবং থাকানার টাকা ভছ্রকাভ কর্ম ভাষ্ াৰনা ওভাবে নিজ আমানে আমার সরকারে সহবরাং করি বে অবি ব্যাপি প্রাম ম্লকুরের জমী অনা ভাল্কদার বেদ -খল করে ভাষাৰ নামে আগলেতে নালিশ করিচে হয় আ-शदक भारतका माफिक कायादक काशकांक माथिल कतिटक াইবেক মাহিলানা দ্রনাহা যায় বোণাক পোচাক এলমুদ্ধী ं किन हे [का कित्र वा अपनित्य भागा छ तामना है अपने तर छ কাছারীর সরঞ্জাম সরকার হইতে পাইবে আর ভোষার মা-লজামিন জনাই লাকিনের জীরামরতন সমুকে লইলাম ইতি শ্ৰ ১২০০ দাল ভারিল ১৫ ভোষ্ঠ

ু পোমভার মালজামিনী লেখা পড়ার ধাৰা।

काविमनात्त्र छेन्।

>र्प भन्न

महारिय अबूक नरतसनाथ क्षिती

महानत रहात्रहरू।

है जीता यह हम ततु कछ मानका चिनी श्वितियः कार्यनिक जारेश वालिया श्रवश्यात त्योरक विकित्रभूत बांच मर्मिट्रत जानूक दे आएमत भागजानिती कर्म मथ्दानाधी শাকিনের জীনভ্যানন ঘোষকে যোকরর করিলেন আদি भाशन श्रुतिर व नाशन खित्रहरू स्थान मलक्द्र मालका-विस इट्टेंगा । एएए म्बक्ड सहल म्बक्द बद्द बहु । हालिय थाकिया एक्ष्मावान कडाईट्यक बहुः अवस्य महाक बालाना कर्गीत अतिरवक काशांटक भाकिता करिरवह नाहे समाणि दर्शन व कतुद्धत डोकांना कर्नीता शाकित हर वरः अकात ्डिन गांदमांन कविषा कम कर्मीन करत छोडाएक प्रशंभ (इत स्व लोकगान क्**डे**रतक कर बाकानात होता एक्सकार করে ভাষা নহাশব্রের হিসাব মাজিক রিনা ওভারে নিম व्यानीद्य महाभट्यद नवकाटत नतनवार किति कात खान मजकूदतत (कान त्मांकलगार धाय सक्षकत्त्व साहत्वा मा किन को ग्रामां क माथिश कतिए इत काशांक ग्रहामित इत्र कार्कित करिहा किने धने वहारत नामकारिनी निश्वित (श्वा म है कि गर ३२४२ जाल काविश २० टेकार्स ।

हेनामी।

निरिष्ठः कीतामधाराष्ट्र राष्ट्रा क्य कहनाकि शत मिष्ठः कार्माचकारम राणिका नात्रागाद्य, मोर्ड्स विशिधाने बाम মহালয়ের ভালুক ঐ গ্রাম মজকুরের থাজানা ভালিলের কারণ পাইক কর্মে গ্রাম মজকুরের শ্রীয়ানহরি মাই ভিক্রে ভামিনি দিয়া মোকরর হইলাম মহালিয়ের কর্ম গোলভার নিকটি বগ্রিয়াক্ত হাজির থাফিয়া ভাহার ক্রুম মানিক থা-লানা ভবশীল করিব ভালেতে লাকিলি করিব নাই গণাপি থাজানা ভহশীলে গাফিলি হয় এবং প্রফার ক্রিয় ক্রম হরিয়া ক্রম ভহশীল করি গণ থাজানা ভছরপাত করি ভ্রা গ্রেল প্রমাণ হয় ভাহা বিনা প্রহরে নিজ আন্তর্মে মহালথের সরকারে ভাবিল করিব মাহিসানা সালিয়ানা ভ বিলা হলী ভর্মানাদ্য করিয়া ভোগ দেখা করিব এই করারে নাইকি বর্মে দোকরের দ্বীয়া কর্লভি লিনিয়া দিলান গভি সন ১২০০

नोशंहरु हिंगा हैगारी। अन्यानिताम शहरून गृह निक्यांचे अहा निक्यांच

> পাইকৈর সমল লিখিবার ধারা। ভালুকদারের উক্তি।



শীরামপ্রসার গাড়া মুচরিতেশু।
লিখিতং কার্য্যনকাণে বালিয়া পরলগার নৌজে বিদিল
পুর গ্রাম আমার ভালুক ঐ গ্রাম মজজুলের খালানা ভইশীলেঁর কারণ পাইকি কর্মো ভোমাকে মোকরর করা গেল
ভূমি গ্রাম্যলক্রের গ্রেম্ভাম নিকট হালির থাকিয়া জ্ঞা

रश्चानकात भागका विभी एएक विश्वा निवारक विश्वास्थ्य निवारक मानका भिनी

্র আন্তরি প্রশিক্ষালয়ি দানিকালনি বিবাস ধারা। ১০০৪ সংগ্রাহিত । ২০০ পরে।



 श्रीन इटनेश मोदे विकित्र त लड़ तर न अग्रिका मन ३२०० माल
 श्रीन किया म दिएन न

ক্যুক) ক্ৰেপ্য

ं बारप ७ अम्बेगाम् शाहेक रिक्टरा

হ বাই ছব। বাড ইডি

कतिश क्यांवकी मूत्रांड ध्यांव स्त्रांकि है

লিবিকার ধারা। গুজার **উল্লি**ন

「おり」を選引さ

. मंश्रीमहिम क्रियुक्त सरव**स्थाव एरोतुही** १९ कालू इस्ति स्थान्ते स्वत्वक्रम् ।

निविष्ट क्रीतामेशनां माहेषि क्या कर्षि श्रिक विष्ट क्रीतिकारण लेडमर महल्यां स्माद्ध हुमाननपूर्व हर्गन स्वत हिन्द के जीम महल्यां स्वाम क्रिका क्रामांत य क्यी क्या आरह कार्म महल्य क्रिल क्रिता क्रिक्न विष्टे क्रिका मुद्राम नीर्ट्य क्रिमील महिक १/९ हाति विष्टा हातिकांग क्यी क्रिक क्या लागियांना मित्वाराध केला गनर यो-क्रिक क्रिकी क्या लागियांना मित्वाराध केला गनर यो-क्रिक क्रिकी क्या लागियांना मित्वाराध केला महिका मित्र क्रिक क्रिकी क्या नित्रा हात्रिक्ष किर्म क्रिन क्या रिक्ट क्रिका क्रिक श्रिका क्या क्रिका हिमार्थ किर्म क्रिन क्या लिखा क्रिका क्रिक श्रिका क्या क्रिका क्या व्यक्त क्रिका क्या क्रिका क्रिक श्रिका क्यों क्या निव्यक्त क्या स्व

> क्यों क्या विः वयावनी

कागामी

बगे श श्रुण

4.

rig :

18

ष्ट्राक्र

ran da di Li Alba

324	es es	न को मुन	14		·,
wisiin .	* 6/s	E . 34 1			
गानि 💘				'N 1999	A Comment of the second
্ ৰাউয়াল 🔻	. 3/	e en sage de	3110		. Alle
Transport of the College of the Coll	4/8	4 1, E	4	,	>> :
ं मः नाउ वि	ৰহা চা	ন কালা	क भीत	কাত ল	ग
Car Ba					
স্বহ মাল	क्षाती ।	क्तिव हो	31		
1 74/ ACM	\$	4 , 4 10	, \$ ₂ %,	7511	* Y
in the second	第	किन्द्रीस	ली :	•	•
टेवनांच १	17 3	া ংকের			solla
देशाचे हेल्ल	Maria de 🍇 e ,	न को	कुं क		\$
जाराइ 🐬		ि स्वर्		+ 39*	ta (f.s.
	• **	। दली	ष छ	In .	lie
BIE A	3110	1 - 7 1		r •	*
श्यासिकः ।	2110	1 35.40	4	71 *	
water diplomate for required. Springly det	4.0	The second second	angulanga and alijarus a stranga		b116
hy arthur materia in the paper is an E	a manager of the contrast of t	i Andrews		guardine, di anticorar il aprò	labile a:
the state of the s	, v	480	ণ টাক		गाना है कि
		हमानी		14	4 4
শ্রিপাচকড়ি পাইক			Siz	পৰাবা	ব্যরকার
गाः इसारमपुत				শাং হ	_
A. A	Bar	গভন বা	ei Ei		
	ate	नमगर्	ā	, t',	
	,	ার পাউ	, .	1.86. 3	40
	() s	২ পর	7,7	18 1	
water office				পের পর	गटन मख

मघाडे	मन् १००मान	दावनक्र किन ग	न कार ३३ देवशाच
٠,		and the same second	

au Bains	হোল মাইতি	
আ বামী	क्यी भन्न	A.E.
	ज्यूना क	** *** 3
महिनक निक्रम्		,
T13	Total Barrier State	, ,
19 51 WINSE	8/11 1 3	7 6
भागि खरा	1.31 pl. 31	
	A des	106 M. F. A.

पर गांक दिया शांधि कांधा कांधित कांक करेंग कर्मा कर्म कर्मा करिया कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा करिया करिया करिया करिया कर्मा करिया करिया

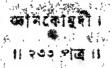
《新月天》110

काय किछीदनती

	in the second se	Principal Control of the Control of	511/6
षा भिन	otto 1	P छ ाक	5110
is to		A THE	***
আবিল	7.1	्रशोध ।	-114
MISTE.	7	Win true	Sile
देखार्थ	3 7	कार्डिक	\$
टेनमां श	٠, ١	() 4	30 m m m m m m m m m m m m m m m m m m m

মঃ একুল টাক। আই আনা নাতিক কিন্তীবলা চন্ত্ৰন শ্নালভন্তৰাৰী কৰিবে ইভি।

প্র লিখিবার ধারা।





भोरक भो हो गाँज मारमब कर्याणादि नी माखिबाम त्यन गुण्डिरक्य

विधिन कार्यन्त प्राप्त प्रवासाना भावित्रा किर्ण विश् कीनान काथित रहेन आदिका मेर प्राप्ति। विशिष्ट लडेटव आत कामादक प्रशासका लिया एस श्रृष काहेन किर्मा थ'-आम आपाद कविद्व याहाट कृषि गावित कतह लडेटन उनमाम जामाद कविद्व याहाट श्रृष्टि गावित कतह लडेटन उनमाम जामाद कविद्व याहाट श्रृष्टि गावित कतह लडेटन असाम जामाद कर कोड़ा कविद्य है कि काहिए है। कावाह !

গোঁমতার পর ভালুকরারের পত্র বিধিবার ধার।

ভালুক্সারের উজ্জিয়েই গতর।

STATE OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS N

চিটি ভলব থাজানা মৌজে রুলাব্নপুর পরগণে মঞ্ ঘাট সন ১২০০ সাল ভারিখ ১২ ফারেণ এং শ্রীরামনিধি সরকার

व्यागांभी

আন্দ্র ক্রেপ্র

বাং মাদ তগ্ৰ বিভিন্ন

a. शास्त्रक होका

প্রতি আবে ভোনার নহলে লাং মাথ দ্বলগাণীকা বাহী এ অভি বেজার অভএব লেখা বার রাতি দিন স্থান করিয়া খাজানা ভংশীল করিয়া থাড়াং কছিটিটেড চালান করং ইংটেড ভারাধী জানিতে ইভিন

> ক্লিকাতা শহরের নিকট্ড সকল গানের এবং শহরের ভিতর বাটী ভাভার কযুল্ভি লিশিবার ধারা)

লিশিবার ধারা। প্রাহ্বার উক্তিঃ।

।। इन्द्रं श्रेखा।

শহামহিপ <u>শিখুক কমলাকান্ত সংকাৰ</u> পূৰ্**কী মহালয় বয়া**ব্যেক্ भार स्थानित्र

লিখিক জিলামহার দালাকার কমা কর্লভি প্র মিণ্ড নার্যানগানে তিহি পঞ্চানগানের সামিক মৌজে ভনানী-পুরের মধ্যে শোভানি সেখের লং মহামধ্যের স্থিদ। দাব নাম পুর্মধারে /১ কাল। কমী বস্বাস করিবার কারণ প্রই-নাম ইহার মার্টাভাঙা কমা দ্রমাহা ১ এক ইন্ফার হিনাবে নালিয়ানা সিক্লা বার্টাকা সালে মালে মহাশবের নিক্ট নালগুলারী ক্রিয়া ছাপরাদি বানাইয়া বস্বাস ক্রিব এই করারে পাটা নইয়া কর্লজি লিখিয়া দিলাম ইকি সন্

हेगा हो

শীরামরামধ্যাত সংগ্রাম স্থান স

al Bafa cr

के माहिकाका कमीड शाहे। निधिवात बाहा। इस्मीबादात के का 1 338 PM II

क्षित्रम् किथ्न (A

श्रीमर्वि मालाकार मुध्डिटकर् ।

প্ৰিয়িমেট টি

आदियांचा विचित्रांड (गरवर्षी)

वाहतरक के कि

सन्मरिष धितुक नज्ञीन (द्वारण किश्वी सात्की मश्लाक रहा रहतु ।

লিখিছং জিহবেক্ত বাগচী

कना कन्त्रीक शाउ जिमः वानीवकारा नश्व किविधान बरण जांद नाशवाकारत वैशानरतत ३० नश्रतत वानि हेर नम बर्णकरत्व भाषाच नार अस ३२-४ नारतक रेकार्य वह এक बर्णकरत्व असारम रहेत्। व निर्माण कर्षा हैशान काका मन-

ब्यानर को इसे हैं।

भाश २६ छोका महानदम्य बन्नाद्य मान्य गत्रद्याह कृतिन कात्र এই भ्रमादम्य मध्य महान्य देनवान नो कृतिया छिति। याहे कृद्य এই এक सत्त्रम्य सुक्र क्यांका देनांक विभाव कृतिक विभा छिति। याहेव এहे क्यांति कार्य क्रमात कर्ने कि जिथिया क्रिया हैकि नम्प्र अने अना प्रभाषा है है प्रमान

हमामी

श्रीहासमय गतकात्र श्रीहतिनाय त्रस्य त्राः लोलवामाय गो॰ श्रावात्रामात वाणि आणाप नर्शाल लिशिवात थाता। याणि आलात छेलि । २०० श्राद्धाः श्रीहरहङ्क वाजकी मुक्तित्वपू ।

प्रश्रील श्रव मिनः कार्यानकारण गत्रह कार्निकांकात घरण जालवाकारत आयांत ३० नगरतह वाणि केर मन स्थान्तत ३ आवाह जार मन ५२०८ नार्यत क्षित्र के वेर वक नर गत रमता रम कार्यात नगराम कि कि कार्या के विकास के विकास कार्यात कार्यात मानर नजवतीर कि विकास कार्यात कार्यत मानर नजवतीर कि विकास कार्यात कार्यात मानर नजवतीर कि विकास कार्यात कर्यात कर्यात करिया कि विकास कि विकास करिया कर्यात कर्या कर्यात कर्यात कर्यात कर्यात कर्यात कर्यात कर्यात कर्यात क

ৰিবিক্তৰী অসার কর্লভি লিখিবার ধারা।

minimital's

'Owla Blat.

निष्टाद अविता । भर्ग विश्व श्रीमुख्य क्षेत्रहोत् मह्म मनाव ' कोजूनिकात बेंदोल से वर्गवट्यक्षी स

निधिष्ठः श्रीदक्वभवाष्ट्रभिक्ति !

करा क्यूनकि शज विषर कोर्गानकाहर अवगदन त्वान स्थाटक नीकामगत बाम गरामदबन कालूक के बादमन शका काणि जामात २०/ विश्व अहोत हाक जमा वः होता शाह जात शनतिनी ३० छाउन अकृत्य यहि होका आक्रिक विश्वीतको ग्नः महाभटव्य गतकाद्यं योक्ष्याती कृतिव हावा खका शक् रका रहान कमत्र दविष माहे चात्रवेदा मनीरत वहे समात त्कह (येगों कटत कार करून कतिन करून मा कति महाभाष्ट प्यालन अकडारत (नामहा खमारत खमी समा तटकांतक कडिटका आराटक लामात टकाम ७ अंत नाहे अस्मर्थ काशन थ्तिएक भाग्रे। वहरा कर्षाक तिथिया विसान होते अस Sees मान कार्रियोक्ट रेकार्य हरिला CHAMPINE TO SEE THE SEE

SPHIN SH CMIN TE ALGIO SE व्यक्ति । 可遊

Party 12 to 12 to

हर यह साहि जन्ना

नामिक किन्द्री वन्त्री पनत् मालक्ष्मात्री कृति है जि

शिवासस्य गामक मार्ट्यामा শ্রীশামবার বাগ সাং বাগশাপাড়া

मान स्टमनाहा

के निरीक त्यांनी जमात भाग्ने। किविश्वत शहा । सामुक्तांद्वत छेकि ।

11 280 4 2 11

Seferice results

2 that was also an

2 that bear feeter for

बीटकरणद्राम राहे छि सुवविद्याम् ।

समीत भागक मर्जीमनश् कार्यामकाटण त्यात भएतात त्याद भारक नीस्थितत ज्ञाम स्थामत स्थान के ज्ञान मस्यूदतत ज्ञास स्थि कामाई ए दिया खमीत कांछ ए होका खमा छ। छ जात राम दिनी ५- होका केक्ट्रम अनेका मास्कि किछोबको मनर जामात मत्रकाटत माम छनाती केत्रिय हाछ। छका शिक्टरक दमान खबत छमा पार्टेटवर्ग नाह जात हैशाएक मिटन करे समाग दिन रानी करत कांशा कर्यून दिवाद कर्यून ना कर जाम काश्रम करित कर्या खमा रामाना छादारक बर्गमा वस्त्र करित काशांद्ध कामान दिवास खाशांद्ध गारे बन्धार्य कर्यून है नदेश शाही रमध्या रामा है कि मन ५२०० मान जानिस २२ हेंहाई।

CHR WAT

	ाम । कञ्चारम्यः ।
देवणाथ	of the house of 18.
C-RUS !	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
न्यागाः	.0/9
· STATE OF THE STA	100 mg
WATER SHIP TO	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
जा भन	1 1 2
दा विक	3 Sec. 1
चवरावन	7
CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE	1984. N
সাহ প্	
4144	, e
Contract to the	

८० थाः बाहि कहा माफिक किछी -वस्ती बाद्यकातीयकेतिर्द्याः समानिश्यक सुरक्षकेतिक शक्क वैकाशन दुनके संकास बाता गाः

G ACOTEN

वानुस्योदकः देखिः।

382 PM

रूर्भ रेखारात म्यूलिक वर्गा नात

Taralians I

यानिका भवभगत मृहक्ष्म भूड मांकिटमं क्षेत्रवर्त गांक सालूम कविना गांनिका श्रम्भाव देशोटक वासमभत का मान कालूक वे खाम सक्कृत्यक मटण ट्यामांत ५० विभा कर्म दे काल कथा ५० गेक्स काटक व्यक्ति क्म मस्त्र क्य समान क्षा त्र मन २० गटनत क व्यक्तित व श्रावात क्रमान्त क ग्रेका कथा निकारी किता कर देशभाव्यत लाइ २० द्राक वह भनदा गताक व्यक्ति के काश्रिक क्षाक्ति हहेंगा जानान स्मी क्रमात कर्ना कि मांबिक कित्रता श्रिका हरेगा जानान क्रमी क्रमात कर्ना कि मांबिक कित्रता श्रिका हरेगा नक्षि समक्रि हहेंका द्रावात व्यक्तिक मांक क्षात्राहरूक नक्ष्य रक्षाम एका क्रमाना वरक्षावक क्षात्राहरूक नक्ष्य रक्षाम एका क्रमान क्षात्र क्षात्र क्षात्राहरूक नक्ष्य रक्षाम हरिक हेंका क्षात्र क्षात्र क्षात्राहरूक मांक क्षात्राहरूक नक्ष्य

BATA

জীরামকার্ড পাইব নাং নিক্সাম্ ক্রিকাণীনাথ মিত্র ,, শং হরিপুর্_{ন,}

वार नार प्राप्त नार नार प्राप्त লোগভার পর ৩৩ পুণাবের চিঠি শ্রীলারের উক্তি।

ভালুকদারের গকে ধেমত পাঠাপাঠ লেখা গিয়াছে নেই মাফিক নিথিবেক। লাবেরাজ জমীর কম্পতাদ্ি লিখিবার ধার।। ভালুকদারের উক্তি।

11 285 40 11

काहानावाक शत्रातात स्थोटक मानिशृत खाट्यत

লিখিতং কার্যনাকাশে ঐ পরগণার নোমে ফেনাংলমপুর
আনের উত্ত নিধিরাম ভটালার্থা এখানে আনিরা দরনাজ করিলেন যে আন নজকুরে আমান পৈতৃক একার
কর্মী ২/ বিখা আহে দারা মহালয়েয়া গোমভা মালের
ভরকে দিয়া আইক ফরিয়াফেন ভারর ঐ ভটালার্যের দ লিগ দভাবেল ভলব করিয়া ভলারকের ঘারার বহু কালের
ভোগ দখলির ভ্রমন অমী প্রমাণ হইল অভ্যাব নেখা যার
ভটালার্যের কণ্ড লাইক করিয়া খাক মাভিয়া দিবে সরকারে আইক নাই ইতি লন ১২০০ নাই ভারিব ২৪ পৌরা।

नाटकात्रान क्षत्राह मानक्षमाही गहरग्रह (१ वर्शकन करत्र काशांदक करता हाकि रमध्यन

दसदब छ।

।। २८३ शब ।।



Alternational and the first for

ক্ৰণভাতি প্ৰামিধং কাৰ্যান্থানে প্রথনে হাবিলি নৌজে নন্দিপুর আমার ভালুক ঐ প্রান্থে ঘরতা প্রকা জিল কান মাইভি হরবিক্ষ অমার মাল্ডআরী নরবাহার কার্ম ভোষাকে মহাজন ক্রিলেক বিঃ সরকারের হিসাবকই বজ লিকা নালগুজারীর পার্থনা হইবেক ইং জ্যেত লালাইদ ২৭ পৌষ বেবাক টাকা ভূমি নিজে হইভে সরবরাহ ক্রিয়া নাইভি মঞ্জুরের হয়িএক দকার ক্রল হইভে আদায় ক্রিয়া লাইতে সর্বানে কোন আইক নাই একমর্থে ক্রলাহাভি নিয়া লাইতে সর্বান্তে কোন আইক নাই একমর্থে ক্রলাহাভি

প্ৰকার ভাগাবি থক লিগিবার ধারা ।

প্রভার উল্প

11 888 913 11

न्गरामहिम् क्रीयुक्त भिवहस्य शासः । न्गरामहिम् क्रीयुक्त भिवहस्य शासः ATO ATOMA

निविष्ट श्रीमक्षामन श्राय करा कामांड यक यह जिमर कार्यामकार्य भागार कार्येगांका कार्येश्व महाभर्य का मुक्त आदिन स्था कार्य कांख्या मिक्स अपूर्व स्थी साक्ष्य कर्षेष्ठ केरिय महायाय (गामका भीगामामहन श्रीकार्य कर्षेष्ठ क्षेट्र मंगक रिक्स ह होका कार्याव कर्क सहितास गम सम्बद्धात कार्यिवरक गाकिक वस्त सुव तुका स्वर्ध होना निव क्षेत्र स्थापन श्रीकर करात सुव तुका स्वर्ध होना निव क्षेत्र स्थापन श्रीकर करात सुव तुका स्वर्ध होना निव क्षेत्र स्थापन श्रीकर कार्याव

रेगानी

জীবাভারাম পাইক নাং কা**লী**পুত किएमबहि अवसी संस्थान

े विकासकी बादी (गटकेश त्त्रका लक्ष्य श्राप्त गररकरन (तथा (धन पर्यन अपन क कामना) क्लानन लिबिटक हे हा बिटव हमा मुक्तक के chica छ। मृश्चि महिन्ना निविद्य क दे किला ্ৰপ্ৰমিটের পাশ লিখিবার খারা 🕾 🕸 🔻

শ্ৰাম্থিৰ **ক্ৰিক্**ক কাউৰ সাহেৰ ব

क्षित्रे का इंडिस <mark>वेदायद्वतु १</mark>००

া লিখিত ভীরামুনোহন মুখোপাগাম ক্লা দকথাজংগত मिनः कार्नानकारत दिः नीरण्ड कर्याम् मृष्टि कारमा मिन-स्मित अक तकका भीम इक्स वस् सिर्यमस ग्रम ५००० माल जातिय ५४ जाचिन।

व्यानायो विस्तर त्यार कानिकाका कोटक कुछ वानिया शर्वशहात

े स्मारिकार्यास्त्री ।

भौतर के अपने अपने अपने शिव त्यान

: 773# \$25 Hour (188 pure) 47 47 47 678 1

- Alexander of the second of the second of

नं अगीर राज विकास राज है।

- दोनाबी दनक मनन्त्र

化 40年 40萬 44年 5

विश्वासभाताम् । चारालं व्यक्ति साटन् विर्दित्तानाम् (मा-क्षण त्याबाक कारम प्रचित्र राष्ट्रव त्यादक व्याह्म नामिल करिशादह अख्वत हरूम (मृथ्या साईदेशदह स्मिनाहन अध्यक्षक कावित्व ३५ विष्त्र समग्र ,श्रामात् क्ष्यूट्य ह्याद्वरान . अनेकृत्वता आहोति एक की विण , मेंकृत्वत क वर्गन (एकन कार्यक्रिक्र सहित्र देशि यन २०३५ गान भाविक १०० मार्थक

्षां मं अब लिशिशप्र भावा। দাখন্য হাকির উজি। 11 289 11 পর্ম পৃষ্নীয় জীঘুকে কালীপ্রসাদ . इट्डोशांकां व्रश्नव कित्व प्रदेश ।

मिबिकः क्रिक्शिक्षमाम् नम् कमा महजान कमी भागभव मिनंश्यम ১२३० मानारम निधिकः कार्यामकारण अवगरण बीतक्षं भारक लागास्वी आत्मत किन माट्टे कामात रेन ভুক মহজ্ঞাৰ একবন্দ শালীজমী বাং পাঁচ বিঘা দাক কাঠা আছে ইহার ভাইছি নমাতন রায়ের নালের ক্ষমীর পশ্চিম सकिन ल्यालीमांच गिर्दा एडव्वि भूजे भ्यान शाहरकत छ|करान अमीम किस्तर अहे रहोए किए मर्गा खेशरदत निश्चिक करी मककुर आमि जालब त्याका पूर्वटक मूक्षा वीरत जा-स्लाम 'भूर्मदेवं माश मलिल मखादवरू आयात लेखी खर्गार्स भशंभग्रदकं वाम कर्तिवाच व्याचात न वर्गि कामान वाची मध्य ফুর অহাশর আপেনী দখল জরকে আনিয়া সূত্র পৌকাদি करम शहर जूदव र अक्षेत्र क्षेत्र करिएक तर क्षेत्री मक्कुताह आर्थि सि:इस देहेगांच असीनत पान विकास क्षाविकारी महेदलम किल्लासाहस आफि किया जागात अवादियान दक्ष क्षेत्र, श्रीक्षमा कृति क्रिक्ष कटता रमा यूने व गाविन श्रवश 🔊 निकटिनेश्रीकड त्राक्त पर्याच्या लग्न यूगिर र स्थी मक्तूत यश-नेवां का के व्यक्ति मामलक निविद्य प्रिमाभ हे कि मन अस्थ THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

PRINCIPLE TO STATE OF THE STATE

বরিছকি কওলা লিখিবার ধারা ৷ ক্রক্ত্রীয় নিকটে বিক্রক্ত্রীয় উক্তিশ

यहां महिम श्रीमुख्य कमनकृष्य विष्णां भाषात्र अटलाटम । प्रशांतकृष्य वेटम्मां शाधात

अरवेटम । मूत्रमक्षः वटमग्राभाशांत्र नगांत्र वंशांवट्यवः Matiria acetalism

किलि हर शिर्धान्ति भटकानामात्र अंदर्गाटम ब्रामकति सरकानाचाक बदवरन ८८ सकाइवि सरकानाचाम करा रेन-कृक नारवंद्राच लक्कात करो विकाद करना भाग विमर नम 32-33 गालांटक निवनर नार्वानश्राद्धाः स्थापादन जानीशाहि टमीटक वाकाराची शाटमत लिकक ललाक सामाह अकटल कांक्रांक्रमी ३० वर्ग विद्या काटक केशत ट्रोक्स क्रिमामीनवि अधिकातीत नारथताम जाया , समीत श्रीत रतिनिध शनित मात्वत छाडा समीत छेडत इकतिवि नामधित जारभवाद लाका क्रमीर लाकिक अस्तिक विकासकाटाक गार्थशक-नाम करें व प्रकार के छोट्डिक लट्डा जनदान निविक नम विशे करी नाम गनिया महादेशक स्का मूच महोरेड नाशातः कवित्राक काश्मन (काश्म) श्रृक्तक जात्रका कर्णक क्रांकि वि सूना ४० - हातिमान क्रिया आस्त्रान्य स्थानस्यत विक्छे विकार कतिवारिय वयी वसकूति प्रकृति । विकार प्रकारणांका करम शहम मूट्य द्वाना नम्म कहर समी मक कृत्व कार्यम मिश्यच रहेगाम, जेरांभ व साम क्षेत्र कार्य होती हर्णन कोंत्र दिन्ती कारण क्रालिशिक्यम्बार्थ

अमंदिनांन कर कर्यन माध्या कृति किया करत रन सहै। क वाष्टिम समानि कामात अवातिमाटनत महिल बहाणकटक. टमाककमा कविष्य इस कांक्ष्त जिल्हा कवित्र अकामार्थ छ शहरत लिशिक कभी विकारहत शर्व बाह्यांक देवतांक है। का काल समक्ष পাইষা খবিদ কি কওলা লিখিছা বিনাম ইবি সমঃ ১০০ স্থল कांत्रिय २३ खावन १६ 🕝 🕾 🕾 🚾

> AMILIABIN SICRIST ALTE ! Alk Catalalates

की नी लएं ए दरहा. मार (मांबाराहि

क्षीभाष्ठीम त्याह मार तांधा धाडि

ा अभीक बटलंबी संबुध लाएबंडांक करी। किस्टतत , १८ तम १६०० मोल काहिए २) खार्च :

अंतिर भी

्निम रहीम था ध्वाम वाष्ट्रामा उत्हरना है अर्किर । ठेकेके विश्वाप देकेको विश्व कि कि विश्व में अपित है । गिका देशक मिलको नाइनाच हिन THE THE PARTY OF T

क्रिनामदीम (धाष गार बागाया है 🍪 ওমানুক লিনিবার খারা 🖙 া প্ৰাছকের উক্তিঃ िरिकेट **२८% भारत**ा किया है। १९७

महामहिम श्रीपुल नानरवशति हरहे। भाषा प्रशामन बन्नावदब्ध

लिखिकः शिर्विष्य मान देकवर्षं कमा कर्क श्रामण কার্যানঞারণ আমি মহাশরের কালে নগদ রোক নিক্লা २० मण्डाहिन देवता कर्क लहेलाम उदात मुन कि: भटन ३ हि-भारत मागर दिव है कि जिल्हा मन ३२०० नात्न ह कार्डिक मा-ब्रमुभ दिवाक है। का श्रीतरमाद क तर बहे करादत आशन धूनिटड मगम जाका मक्रवम्छ गरेबा हमामुक शिवित्रा फ-नाम है फि

জীৱামপ্রগাদ ঘোষ

शिक्सण एडिएम সং সোমপুর . .

निधिकः शिरंतिएतम् मान् देववर्षः कना अनिम् भवा समर कार्यम्भादत जिल्दाद लिखिक क्यानूटक निक्का २२ माका-इन हे का अन्छनम्छ त्रवाक शहिता त्रविम विविद्या विकास कि अब ३२ ३५ माल सीबिस म कार्डिक।

BESTARD COLE, हिमानी

শ্রীরাম্পরি দে লাই বেকিপুরি

সন ১২৭৮ সাল ভারিধ চ কার্তিক । কর্ম্মা টাকার বিলিম।

155.8 1885 P. 1885

वित्र कटलकी नावूटम कर्छनि

मन ३२२७ मांच कारिय २ (शोध भागांधी

學習

পরসংশ কাণ্ডারহাদি সাং বন্যাখালি । প্রিচরণ কাস

সাং প্রাদ

কৰ্জ আদায়

ৰণদ বিক্কা ৮ টাক:

सरभा कका र क्षेत्र भ होता

ম: কুডি জন্ধ। মাত্র ইতি। কজা টাকার কিপীকনী লিখিবার ধার।। পাতকের টাকো।

1 50 0 06 5

মহামহিম শ্রীবৃক্ত ক্ফকিশোর মুখোপাখ্যার। মহাশয় বরবৈরেছ।

निथिदः शिलाक् नावासन शतान करा किस्रोतन्त्री शक रिमर कार्यामकाटम खासि भक्षाणदस्त निकते रून १२०० ता-टलंस ५२ टेकार्ड खातिरथं अक टक्खा कमः त्रूक निमा १५ तेका कक्क निर्मादिकां में देशत दुव रिभावन्त्रे अन्ति किता १५ तेका सन्दर्भ निर्माद किता है। यो खाने स्थानटस्त (समा इक्ट्रे नाम खाने अकटने बाखरान निक्क केतिन संग्र तुव दिवास हिका मिक्क शांति नाई এकात्र विश्व किया नी टहर कर ने म जाकिक कि छी बन्दी त्वराक हो छ। यहां ने एवं निकित ने देव या ह कि ब ब का शि कि छी त्यं ना ते हहे हो हो का माथित द्वित तुम जांकिक का हम का भा हिका किया के देवें त्यं कि छी दन्ती कि बिता वितास है कि नंस 2200 माने का दिव रुप छ। छ।

विधिमा दिनाम है कि मन	১২০০ দলে ভারিব	इम् खान्ना
(14)	•	以中国
发光		18-31
নাৰ ছাত্ত	*	*
win within	•	· ·
an artis		144
अंक रिक्रीम		* **
ALK ALA	v	7
Mis missu	,	
यः भोकर्गक्ष र रेग्का जा	death, which to	स्क्षेत्रको - नार
नं भारत्य	क अधिव देखि ।	
	इंगा मी	
धितायमीत काटाइ		विद्राधिकास रह
नार नायकामा		भां द्रयाता
	ক্ষিত্ৰণ লঙ্কাত	1 11
1	हरू स्थान अन	•
कर्तत्व ।	क निभिनाक भाका ।	, n
N	। बद्भाव सेविन।	A to the second
	२४२ शहरा	The state of the s
n na	শ্রীযুক্ত পোরার	र्ज राजराज
e divini		# ##!#E#\$!! (c)
	क श्रीप्र क्या क	
w Subscript in	करे कर्का राज्य	मार्थम का नेका

আমার পাওনা এহার অক্ষরে বাস বিয়াতি এ টাত ৩৪ চৌত্রিশ টাকা বেবাক পাইকাম আর ঐ টাকার ছম্মই कामाव निके हिल कारा त्यामानीकार लग्नार पराहि आमि किया जामात अमातिलाम के जन्म क वार्षी है। मात नावी कृति किया करव (म नामक्की: क्रेक्ट्रेड्स कांत्र वर्ष किलि क्रिलाम है कि जन ३,३३ माने खादिश e आधिन !

श्रीशामकक (भाव নাং হরিপাল शिवामर योषत गतकांद्र गार जागन्त

श्रीभागम् आंहारी শাং হরিপাল

खीतम्म काता. खत घटनात आहेन

क्रमः मुक् । किस्रीवन्त्री अविक्षि कत्रान। अधन्त्रह मिलिश में अर्थायक रनेया श्री इंटेटनक कार्या स्थापन किने (कर जाहेन रूम:शुरू ध्यवतर होका **के। न्य** कांत्रस्त्र ३। २६ लोह मछ।का २७। ६० माकामाने का কাৰ্ছ জনজন ১০০ এজন ভাকা २०)। २०० छुड्रेमा होता २०३। ३०० जिसमा छोका . ४०) । १०० औठमङ होका (e) 13.00 अक्टाबाइ होक! ३००३। २००३ फरेशकात होका २००३ । १००६ में हिराबार हो है। CONVERSOR VISIBIA GIAI

५ अंतरक	विभी।
Constitute soos	টাকা ^খ চ
৫০০০৬ বিশ্বতি প্রাক্তিবালার ট	वेरका . वर्ष
1800) 1 Secon a see & Que	\$ 20
, 2 00000 1 2 00000 C 1 C 0000 C 1	51
Dures ! Second Bille Blai	\$ * *
P *** ** * * * * * * * * * * * * * * *	<i>"</i> # €

मभाराः ।